



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 254]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 1, 2016/ श्रावण 10, 1938

No. 254]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 1, 2016/SRAVANA 10, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2016

प्रारंभिक जाँच परिणाम

विषय : चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य, रूस, ब्राजील और इंडोनेशिया से अलॉय या गैर-अलॉय स्टील के हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच

सं. 14/09/2016-डीजीएडी: समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः मै. एस्सार स्टील लिमिटेड, मै. स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड और मै. जेएसडब्लू स्टील लिमिटेड (जिन्हें आगे 'आवेदक' या 'घरेलू उद्योग' कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य, रूस, ब्राजील और इंडोनेशिया (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित अलॉय या गैर-अलॉय स्टील के हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच की शुरुआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष संयुक्त रूप से एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति का आरोप लगाया गया है और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

3. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये गये पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 11.04.2016 की अधिसूचना सं. 14/9/2016-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसमें पाटनरोधी नियमावली के उप नियम 5 के अनुसार संबद्ध जॉच की शुरुआत की गई ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

क. प्रक्रिया

4. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाही की शुरुआत करने से पहले आवेदन पत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों से दूतावासों, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराये गये पत्रों अनुसार संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध वस्तु के आयातकों/प्रयोक्ताओं/एसोसिएशनों को जॉच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार उनसे जॉच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- ग. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुरूप आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों को भेजी थी। आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षों को भी भेजी गई थी।
- घ. भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों से उनके देशों के उत्पादकों/निर्यातकों को विहित समय-सीमा के भीतर उनके उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह देने का भी अनुरोध किया गया था।
- ङ. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए उन्हें निर्यातक प्रश्नावलियां भेजीं:

चीन जन. गण.

1. रिझाउ
2. बेताइ आयरन एंड स्टील
3. बाओतोउ आयरन एंड स्टील ग्रुप
4. जिआंसु शांगांग ग्रुप कंपनी लिमिटेड
5. तोंघाउ आयरन स्टील ग्रुप कार्पोरेशन
6. आंगेंग स्टील कंपनी
7. नांजिंग आयरन एंड स्टील
8. तांगशांग आयरन एंड स्टील
9. वुहान आयरन एंड स्टील
10. तियानजिन आयरन एंड स्टील ग्रुप कं. लि.

जापान

1. निप्पोन सुमितोमो
2. कोबे
3. जेएफई स्टील कार्पोरेशन

कोरिया गणराज्य

1. पोस्को
2. हुंडे स्टील कं. लि.
3. डांगकुक स्टील मिल कं. लि.

रूस

1. सेवेरस्टाल
2. एवराज

ब्राजील

1. आर्सेलर मित्तल

च. जॉच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देशों से निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों और व्यापारियों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है:

I. कोरिया :

1. हुंडे स्टील कं. (उत्पादक)
2. सेमवू कं. लि. (उत्पादक)
3. हुंडे कार्पोरेशन (व्यापारी)
4. पी एंड ए कार्पोरेशन (व्यापारी)
5. मेन स्टील कं. लि. (व्यापारी)
6. ईआईएन कार्पोरेशन (व्यापारी)
7. जीएस ग्लोबल कार्पोरेशन (व्यापारी)
8. पोस्को एशिया कं. लि. (व्यापारी)
9. पोस्को, कोरिया (उत्पादक)
10. देवू इंटरनेशनल (14 मार्च, 2016 से नाम बदलकर पोस्को देवू कार्पोरेशन हो गया) (व्यापारी)
11. पोस्को प्रोसेसिंग एंड सर्विसेज कं. लि. (व्यापारी)
12. सैमसंग सीएंडटी कार्पोरेशन (व्यापारी)

II. जापान

13. हानवा कं. लि. (व्यापारी)
14. मित्सुई एंड कं. लि. (व्यापारी)
15. मारुबेनी इटोचू स्टील इंक (व्यापारी)
16. जेएफई स्टील कार्पोरेशन (उत्पादक)
17. जेएफई शोजी ट्रेड कार्पोरेशन (व्यापारी)
18. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन (व्यापारी)
19. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि. (व्यापारी)
20. निप्पोन स्टील एंड सुमिनकिन बुसान कार्पोरेशन (व्यापारी)
21. शिन्शो कार्पोरेशन (व्यापारी)
22. निशिन स्टील कं. लि. (उत्पादक)
23. सुमितोमो कार्पोरेशन (व्यापारी)
24. निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मेटल कार्पोरेशन (उत्पादक)
25. कनेमत्सु कार्पोरेशन लि. (व्यापारी)
26. टोयोटा शुशो कार्पोरेशन (व्यापारी)
27. मेटल वन कार्पोरेशन (व्यापारी)
28. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल एफजेडई (व्यापारी)
29. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल पीटीई लि. (व्यापारी)
30. निसान ट्रेडिंग कं. लि. (व्यापारी)
31. कयोशो कं. लि. (व्यापारी)

III. चीन जन. गण.

32. झांगजिआंगेंग हांगचेंग स्टील प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
33. झांगजिआंगेंग जीटीए प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
34. शानडेंग इंटरनेशनल (सिंगापुर) पीटीई लि. (व्यापारी)
35. जिंशा इंटरनेशनल पीटीई लि. (व्यापारी)
36. झांगजिआंगेंग शेंजिंग हेवी प्लेट कं. लि. (उत्पादक)

37. जियांसु शागांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
38. नानजिंग आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)
39. नानजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
40. सिंगापुर जिनतेंग इंटरनेशनल पीटीई लि. (व्यापारी)
41. अनगांग ग्रुप हांगकांग कं. लि. (व्यापारी)
42. अनगांग स्टील कं. लि. (उत्पादक)
43. वुयांग न्यू हैवी एंड वाइड स्टील प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
44. वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)
45. हेवेइ आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) पीईटी. लि. (व्यापारी)
46. हेवेइ आयरन एंड स्टील (हांग कांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
47. साल्जगिटर मानेसमान इंटरनेशनल जीएमबीएच (व्यापारी)
48. निंगबो सिमेई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (व्यापारी)
49. लु किन (हांगकांग) कं. लि. (व्यापारी)
50. बरविल रिसोर्सिस लिमिटेड (व्यापारी)
51. फ्यूचर मैटेरियल इंडस्ट्री (हांगकांग) कं. लि. (व्यापारी)
52. स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड (व्यापारी)

IV. इंडोनेशिया

53. पीटी क्रकटाउ पोस्को, इंडोनेशिया

- छ. चीन जन. गण. से किसी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जॉच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का खंडन करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दावा नहीं किया है।
- ज. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

1. अल्स्टोम इंडिया लि.
2. आर्सेलर नील टेलर्ड ब्लैंक प्रा. लि.
3. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि.
4. भिलाई इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लि.
5. सी. आर. आई. पम्प्स प्रा. लि.
6. कैटरपिलर इंडिया प्रा. लि.
7. डेनिस प्लास्ट लि.
8. डेस्मी इक्विपमेंट्स प्रा. लि.
9. एक्सकोर्ट्स लि.
10. एक्सेडी इंडिया लिमिटेड
11. फाइन फोर्ज लिमिटेड
12. फ्लैक्ट (इंडिया) लि.
13. जेमेसा विंड टर्बाइन्स पी. लि.
14. गणपति एंटरप्राइजेज
15. हिंदुस्तान शिपयार्ड लि.
16. हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कं. लि.
17. आइडल एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड
18. आईएफबी आटोमोटिव प्रा. लि.
19. जेबीएम इंडस्ट्रीज लि.
20. जेसीबी इंडिया लि.
21. कलिंग फिक्सर लि.

22. कल्पतरू पावर ट्रांसमिशन लि.
23. लारसेन एंड टुब्रो लिमिटेड
24. लायड्स स्टील इंडस्ट्रीज लि.
25. मारुति सुजुकी इंडिया लि.
26. पोस्को इलेक्ट्रिकल स्टील इंडिया प्रा. लि.
27. रवि स्टील कं.
28. सुपीरियर स्टील इंडस्ट्रीज
29. ट्रांटर इंडिया प्रा. लि.
30. टीआरएफ लि.

झ. संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्रश्नावली के उत्तर के प्रपत्र में उत्तर दिया है या जाँच की शुरुआत के संबंध में टिप्पणियाँ प्रस्तुत की हैं:

1. हुंडे स्टील इंडिया लि.
2. आटोमोटिव स्टील पाइप इंडिया प्रा. लि.
3. हाइली इलेक्ट्रिकल अपलाइंसेज इंडिया प्रा. लि.
4. फेरम एक्स्ट्रीम इंजीनियरिंग प्रा. लि.
5. राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेंटर प्रा. लि.
6. टीटी स्टील सर्विस इंडिया प्रा. लि.
7. हुंडे मोटर्स इंडिया लि.
8. प्यूंग हवा इंडिया प्रा. लि.
9. मोबिस इंडिया लि.
10. पीएचए इंडिया (पी) लि.
11. हवासिन आटोमोटिव इंडिया प्रा. लि.
12. टीआई मैटल फोर्मिंग
13. वाईएसआई आटोमोटिव प्रा. लि.
14. संगवू हाइटेक इंडिया लिमिटेड
15. संगवू स्टांपिंग प्रा. लि.
16. माइयूंग शिन इंडिया आटोमोटिव प्रा. लि.
17. क्वांग जिन इंडिया आटोसिस्टम प्रा. लि.
18. निप्पोन स्टील एंड सुमिनकिन पाइप इंडिया प्रा. लि.
19. टेगा इंडस्ट्रीज लि.
20. पोस्को महाराष्ट्र
21. टोयोटा किलोस्कर मोटर प्रा. लि.
22. वेलस्पन कोर्प लि.
23. मारुति सुजुकी इंडिया लि.
24. थासेनकूप इलेक्ट्रिकल स्टील इंडिया प्रा. लि.

ञ. इसके अलावा निम्नलिखित पक्षों ने जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के संबंध में अनुरोध/टिप्पणियों प्रस्तुत की हैं।

1. मुध्रा फाइन ब्लैंक
2. फेडरेशन आफ इंडस्ट्रीज आफ इंडिया
3. रूसी परिसंघ आर्थिक विकास मंत्रालय
4. नेजोन ट्यूब्स लि.
5. नेजोन स्ट्रीप्स लि.
6. लिओमेट अलॉय इंक
7. पीजेएसजी नावोलिपेटस्क आयरन एंड स्टील कार्पोरेशन

8. वेल्स्पन कार्पो लि.
9. कोबेलको क्रेन्स इंडिया प्रा. लि.
10. कोबेलको प्लेट प्रोसेसिंग इंडिया प्रा. लि.
11. कोर्समा
12. टोयोटा किलोस्कर मोटर प्रा. लि.
13. दि जापान आयरन एंड स्टील फेडरेशन
14. मानकसाइ स्टील लि.
15. रेनोल्ट निसान आटोमोटिव इंडिया प्रा. लि.
16. पोस्को
17. हाइली इलेक्ट्रिकल अपलाइंसेज इंडिया प्रा. लि.
18. नांजिंग आयरन एंड स्टील कं. लि., सिंगापुर जिनटेंग इंटरनेशनल पीटीई लि. और नांजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप
19. हुंडे मोटर इंडिया लिमिटेड
20. मान इंडस्ट्रीज इंडिया लि.
21. मानकसिआ स्टील लि.
22. स्टेल्को लि.
23. पाओ सेवेरस्टाल, रूस
24. थाइसेनक्रुप इलेक्ट्रीकल स्टील इंडिया प्रा. लि.
25. फेरम एक्स्ट्रीम इंजीनियरिंग प्रा. लि.
26. टेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड
27. फोक्सवेगन इंडिया प्रा. लि.
28. आईएसजीईसी हितैची जोसेन लि.
29. आईएसजीईसी हैवी इंजीनियरिंग लि.
30. मारुति सुजुकी इंडिया लि.

- ट. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच हेतु रखी गई सार्वजनिक फाईल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य को अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया गया। सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों पर वर्तमान जाँच परिणाम में ध्यान दिया गया है।
- ठ. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर इस प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें।
- ड. आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षों से आवश्यक समझी गई सीमा तक और सूचना मांगी गई थी।
- ढ. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्ष ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही वर्तमान जाँच के दौरान आवश्यक सूचना प्रस्तुत की है या जाँच में काफी बाधा डाली है, उन्हें प्राधिकारी द्वारा असहयोगी हितबद्ध पक्ष माना गया है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जाँच परिणामों को रिकार्ड किया है।
- ण. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा उसकी बिक्री करने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत (जिसे आगे एनआईपी कहा गया है) का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार किया जिससे कि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- त. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संबद्ध वस्तु का आयात विभिन्न ग्रेडों/आकारों/आयामों में किया जा रहा है, आवेदकों ने पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की गणना के लिए पीसीएन से पीसीएन की तुलना करने के लिए उत्पाद नियंत्रण सं. (पीसीएन) का भी प्रस्ताव किया है। तथापि प्रारंभिक जाँच परिणामों के लिए प्राधिकारी ने पीसीएन से पीसीएन का तुलना को नहीं अपनाया है।
- थ. आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था। आवश्यक सुधार के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना जहां लागू हो, पर वर्तमान प्रारंभिक जाँच परिणामों के प्रयोजनार्थ भरोसा किया गया है।

- द. यह जांच 1 जुलाई, 2015 से प्रारंभ करके 31 दिसम्बर, 2015 (6 महीने) (जिसे आगे 'जॉचअवधि' या पीओआईभी कहा गया है) तक की गई है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15, अप्रैल 2015 से दिसम्बर 2015 और जांच की अवधि को शामिल किया गया।
- ध. याचिकाकर्ताओं ने आईबीआईएस से प्राप्त सौदावार आयात आकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की है। तथापि, जॉच की शुरुआत के बाद वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से जॉच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के अयातों के सौदावार ब्योरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। प्रारंभिक जॉच परिणाम में प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों पर भरोसा किया है।
- न. जॉच की प्रक्रिया के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों और सूचना पर साक्ष्यों से समर्थित होने और वर्तमान जॉच से संगत होने पर विचार किया गया और प्रारंभिक जॉच परिणाम पर प्राधिकारी द्वारा समुचित रूप से ध्यान दिया गया है।
- त. सीमाशुल्क आकड़ों के अनुसार पीओआई के लिए अमरीकी डालर से भारतीय रुपये में परिवर्तन की विनिमय दर को 65.93 भारतीय रुपये माना गया है।
- प. इस अधिसूचना में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का द्योतक है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. वर्तमान जॉच में विचाराधीन उत्पाद अलाय और नान-अलाय स्टील के हाट रोलड फ्लैट उत्पाद है जिनकी काइलों में चौड़ाई 2100 मिमी तक और मोटाई 25 मिमी. तक है और अलाय और नान-अलाय स्टील के बिना काइल वाले हाट रोलड फ्लैट उत्पाद (जिन्हें आम तौर पर शीटों या प्लेटों के रूप में जाना जाता है) जिनकी चौड़ाई 4950 मिमी. तक और मोटाई 150 मिमी. तक है।
- पीयूसी में ऐसे उत्पाद शामिल हैं जो हाट रोलड से आगे तैयार नहीं किए गए हैं और आयरन, अलाय या नान अलाय स्टील के प्राइम या गैर प्राइम स्थिति में फ्लैट उत्पाद हैं जिनका एस्ट्रोल्ड किनारा या ट्रिम्ड किनारा या स्लिट किनारा या मिल्ड किनारा या शियर्ड किनारा या लेजर कट किनारा या गेस कट किनारा या किसी अन्य प्रकार का किनारा हो। इन उत्पादकों को पिकल्ड या गैर-पिकल्ड (स्कन पास या टैम्परिंग सहित या उसके बिना), स्लिट या गैर-स्लिट, सामान्यीकृत या असामान्यीकृत, अल्ट्रा-सोनिकली परीक्षित या अपरीक्षित या आयल्ड या गैर-आयल्ड आदि हो सकते हैं। ये उत्पाद 'एज-रोल्ड या थर्मोमैकेनिकली रोलड या थर्मोमैकेनिकली नियंत्रित रोलड या नियंत्रित रोलड या सामान्यीकृत रोलड या सामान्यीकृत या किसी अन्य समान प्रक्रिया के अधीन हो सकते हैं। इन उत्पादों में हाट रोलिंग के दौरान सीधे प्राप्त विभिन्न प्रकार के रिली/चेकर्ड पैटर्न हो सकते हैं। इन उत्पादों को पिकलिंग, आयलिंग, रीवाइडिंग, रीकाइलिंग, टैम्पर रोलिंग, ताप उपचार आदि जैसी विभिन्न प्रसंस्करण प्रक्रियाओं के अधीन रखा जा सकता है। ये उत्पाद सैंडब्लास्टेड या शाट ब्लास्टेड या समान प्रक्रिया के अधीन हो सकते हैं। पीयूसी में अलाय या गैर अलाय स्टील की हाट रोलड फ्लैट शीटें और प्लेटें शामिल हैं चाहे वे रिवर्सिबल प्लेट मिल या हाट स्ट्रिप मिल या टैंडेम मिल या स्टेकेल मिल या 2-हाई, 3-हाई, 4-हाई, क्लस्टर मिल या किसी समान हाट रोलिंग प्रक्रिया सहित विभिन्न प्रकार की रोलिंग रूपरेखा के साथ किसी अन्य समान प्रक्रिया सहित यूनिवर्सल प्लेट मिल से रोल की गई हो अथवा नहीं। पीयूसी में हाट रोलिंग प्रक्रिया से सीधे उत्पादित या हाट रोलड काइलों से काटी/शियर्ड की गई शीटें और प्लेटें शामिल हैं।

विचाराधीन उत्पाद के दायरे में निम्नलिखित शामिल नहीं हैं:

1. स्टेनलैस स्टील के हाट रोलड फ्लैट उत्पाद
 2. स्टील के ऐसे हाट रोलड फ्लैट उत्पाद जिन्हें जिंक से इलेक्ट्रोलेटिकली प्लेट या कोट किया गया हो।
 3. जिंक से अन्यथा प्लेटेड या कोटेड स्टील के हाट रोलड फ्लैट उत्पाद
 4. क्लेडेड स्टील
6. पीयूसी का प्रयोग अपने अनुप्रयोगों और क्षेत्रों में किया जाता है जैसे आटोमोटिव, आयल और गैस लाइन पाइप/उत्खनन, कोल्ड रोलिंग, पाइप और ट्यूब विनिर्माण, अवसंरचना और निर्माण, सामान्य इंजीनियरी और सजावट, खुदाई और खनन उपकरण, भण्डारण टंकियों, लो प्रेशर हीटरो, सीमेंट, उर्वरक, शोधनशालाओं के लिए संयंत्र और प्रक्रिया उपकरण सहित पूंजीगत सामान।
7. पीयूसी को सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 7208, 7211, 7225 और 7226 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जॉच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों के अनुरोध

8. पीयूसी से संबंधित मुद्दों के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- क. डब्लू टी ओ विवाद निपटान (विशेष रूप से डीएस 135 –यूरोपीय समुदाय- एस्वेस्टोस को प्रभावित करने वाले उपाय) में निर्धारित है कि प्रत्येक मामला विशेष में सक्षम प्राधिकारी को कतिपय मापदंडों जैसे उत्पाद की विशेषताओं, अंतिम प्रयोक्ता, उपभोक्ता की रुचि और आदतों, प्रकृति और उत्पादकों की गुणवत्ता, सुमेलीकृत प्रणाली में टैरिफ वर्गीकरण के आधार पर एक विस्तृत विश्लेषण करना चाहिए। पीयूसी में कम मोटाई वाली शीटों जिनकी मोटाई 3 मिमी. से कम हो और अधिक मोटाई वाली शीटों जिनकी मोटाई 10 मिमी. से अधिक हो, दोनों को कवर किया गया है। प्लेट की मोटाई महत्वपूर्ण है क्योंकि उससे उत्पादक का अंतिम प्रयोग और उपभोक्ता की पसंद प्रभावित होती है। इसके अलावा जॉच का दायरा काइल में हाट रोलड उत्पाद और काइल के बिना हाट रोलड उत्पादों के लिए बढ़ाया गया है।
- ख. 7208, 7211, 7225 और 7226 शीटों के अंतर्गत आने वाली वस्तुएं उनके अंतिम प्रयोग के अनुसार अलग हैं। नैरो और वाइड प्लेट रोलड उत्पाद उनके अंतिम प्रयोग के अनुसार अलग हैं और उन्हें प्रतिस्थापनीय या एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग योग्य नहीं माना जा सकता है।
- ग. अधिकांश एचआर काइलों को कोल्ड रोलड शीटों/काइलों, कोटेड शीटों और काइलों, पाइपों आदि जैसी मदों का उत्पादन करने के लिए आगे रोल और प्रसंस्कृत किया जाता है। एचआर काइलें विभिन्न कारणों से सबसे महत्वपूर्ण अध्यवर्ती उत्पाद है। इसलिए, शीटें और प्लेटें और एचआर काइलें अंतिम प्रयोगों के अनुसार अलग-अलग उत्पाद हैं और उन्हें प्रतिस्थापनीय नहीं माना जा सकता है।
- घ. याचिकाकर्ताओं ने अलग-अलग उत्पादों को एक साथ मिला दिया है जिससे तर्कसंगत और उचित तरीके से जॉच करना असंभव हो गया है। पाटन के दावे का समर्थन करने के लिए 'एच आर बिना काइल' की एक नई श्रेणी का अविष्कार किया गया है जबकि घरेलू और वैश्विक उद्योग में कहीं भी इसका जिक्र नहीं है। इसके अलावा गुणवत्ता नियंत्रण आदेश से बाहर की स्टील की गुणवत्ता को इस जॉच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- ङ. पीयूसी का दायरा काफी व्यापक है और स्पष्ट नहीं है और पीयूसी के दायरे में कवर की गई समान वस्तु की अपेक्षा से बिल्कुल विपरीत है। उपशीर्ष 7225 के अधीन वर्गीकृत उत्पाद उपशीर्ष 7208 के अधीन वर्गीकृत उत्पादों से वास्तविक रूप से अलग हैं और एक पीयूसी निर्धारित करने के लिए उन्हें एक साथ नहीं रखा जा सकता है।
- च. याचिकाकर्ताओं ने समग्र पीयूसी का आवश्यक विश्लेषण किए बिना क्षति विश्लेषण के लिए वस्तुतः दो अलग-अलग उत्पादों को समग्र पीयूसी मान लिया है। ऐसा अलग विश्लेषण उनकी बिल्कुल अलग लागत और बिक्री संरचना के अनुसार उचित है और इसलिए क्षति निर्धारण उचित है। अतः पूर्वोक्त से पता चलता है कि पीयूसी का अति व्यापक ढग से दायरा बताया गया है। इसके अलावा, वर्तमान जॉच में पीयूसी भारत में दो अलग रक्षोपायों जॉचों के अधीन हैं। वर्तमान पाटनरोधी जॉच की कार्यवाही में यही नीति लागू होनी चाहिए थी।
- छ. टाटा स्टील लिमिटेड पूर्वी क्षेत्रों में 1.20 मिमी. से 1.6; मिमी. मोटाई की एचआर काइलों की आपूर्ति करने में असमर्थ है।
- ज. अस्थिर और असंगत गुणवत्ता और आपूर्ति के कारण भारतीय विक्रेताओं पर भरोसा करना मुश्किल है। भारत में गुणवत्ता युक्त विक्रेता की न्यूनतम आर्डर मात्रा (एमओक्यू) काफी अधिक है जबकि जापानी और कोरियाई आपूर्तिकर्ता एमओक्यू के रूप में ऐसी मात्रा की मांग नहीं करते हैं। डीजीएडी को उन प्लेटों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाना चाहिए जिनका प्रयोग निर्माण मशीनरी में होता है और जो आईएस मानक आईएस 2062:2011 ई250सी, ई350सी ई450वीआर के अनुपालन में हों।
- झ. कतिपय स्टील उत्पाद जो भारत में नहीं मिलते हैं को जॉच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। ऐसे स्टील को विभिन्न उद्योगों जैसे आटोमोटिव, विद्युतीय और इलेक्ट्रानिक क्षेत्रों में प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा, कतिपय ग्रेडों जिन्हें रक्षोपाय जॉचसे बाहर रखा गया है को वर्तमान जॉच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- ञ. जेएफई जापान और एसएसएबी स्वीडन से एब्रेजन रोधी एलाय स्टील प्लेटों (ब्रिलनेल कठोरता ग्रेड 400, 450 और 500) और उच्च मजबूती वाले अलाय स्टील प्लेटों (यील्ड मजबूती 690 एमपीए और अधिक) पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। घरेलू मिलें उच्च मजबूती की स्टील प्लेटों का विनिर्माण करने में सक्षम नहीं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त ऐसी सामग्री में गंभीर समस्याएं हैं। जेएफई और एसएसएबी की सामग्री भारतीय सामग्री की तुलना में काफी मंहगी है। इसके अलावा शुल्क लगाकर लागत को बढ़ाने से ये उत्पाद अव्यवहार्य हो जाएंगे। आगामी वर्षों में भारत में कोई मिल ऐसी गुणवत्ता के स्टील का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है।
- ट. जापान से हाट रोलड अलाय स्टील का एक विशेष ग्रेड एन22सीबी कारों में सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण डोर लैच पार्ट के विनिर्माण के लिए जरूरी होता है। भारत में कोई भी विनिर्माता और याचिकाकर्ता कंपनियों में से कोई भी ऐसे किसी ग्रेड का उत्पादन नहीं कर रहा है जिसमें समान रासायनिक, यांत्रिक और धात्विक विशेषताएं हों। इस स्टील की खरीद कीमत 1500 अमरीकी डालर से अधिक है। एन22सीबी ग्रेड को इस पाटनरोधी जॉच के अधीन नहीं लाया जाना चाहिए। इसके

- अलावा, एन22सीबी ग्रेड को किसी भी भारतीय स्टील मानक के अधीन पूर्णतः वर्णित नहीं किया जा सकता और आयातकों ने बीआईएस प्रमाणन लिये बिना इस ग्रेड के आयातों की अनुमति लेने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो से एनओसी भी लिया है।
- ठ. प्राधिकारी को पाटनरोधी जॉच के दायरे से आटोमोबाइल स्टील के आयातों को छूट देनी चाहिए क्योंकि कुल स्टील खपत का केवल 12 प्रतिशत आटोमोबाइल उद्योग के लिए होता है और सस्ते आयात औद्योगिक क्षेत्र की ओर लक्षित हैं। इसके अलावा, न्यूनतम आयात कीमत (एमआईपी) से अधिक पर आटोमोटिव अनुप्रयोगों के लिए आयातित स्टील को पाटनरोधी जॉच से बाहर रखा जाना चाहिए। आटोमोबाइल क्षेत्र, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु उद्योग आदि जैसे विशेष डाउनस्ट्रीम उपभोक्ताओं के लिए याचिकाकर्ताओं की गुणवत्ता में कमी है जिसका साक्ष्य रिकार्ड में दिया गया है। प्रयोक्ता उद्योग आयातित पीयूसी को पसंद करता है जो बेहतर गुणवत्ता का है।
- ड. भारत में आटो विनिर्माताओं द्वारा आवद्ध प्रयोग के लिए कोरिया से 'उच्च टेंसाइल विशेष प्रयोजन ग्रेड स्टील' का आयात किया जाता है। ऐसे स्टील की आयात कीमत याचिका में दर्शाई गई सामान्य कीमत से अधिक है और इससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है। हाट रोलड और कोल्ड रोलड दोनों जॉच के लिए संदर्भ कीमत निर्धारित करने का अनुरोध किया जाता है। एचएस कोड 720825, 720826 और 720827 के अधीन आने वाले पिकल्ड और आयल्ड हाट रोलड स्टील काइलों को पाटनरोधी शुल्क से छूट देने का अनुरोध किया जाता है।
- ढ. विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से आयातित स्टील के ग्रेड जापानी औद्योगिक ग्रेडों के अनुसार और उनमें एस्के4, एस्के5, एस्केएस81 जैसे ग्रेड शामिल हैं। इन ग्रेडों का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जा रहा है और वे 'समान उत्पाद' नहीं हैं। इसलिए इन ग्रेडों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। इसके अलावा ये ग्रेड अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन के दायरे में भी शामिल नहीं हैं। स्टील को द्वारा प्रसंस्कृत ग्रेड हैं 55सी6, 60सी6, 65सी6, 70सी6 (एसआई 1074, एसआई 1075), 80सी6 (एसआई 1080), एसआई1095, 50सीआरबी4, एसयूपी10, एसजीएस81। इसलिए स्टील को डीजीएडी से यह स्पष्ट करने का अनुरोध करती है कि स्टील के उक्त ग्रेड जिनका प्रयोग कोल्ड रोलिंग/हार्डनिंग और टैम्परिंग में किया जाता है, इस जॉच के दायरे के अधीन नहीं आते हैं।
- ण. हाट रोलड सिलिकान इलेक्ट्रिकल नान ओरिएंटेड स्टील (एचआरएनओ) को सीआरएनओ के विनिर्माण के लिए यूरोप और चीन से आयात किया जाता है जो अध्याय शीर्ष 7225 1910 के अधीन आते हैं। भारतीय उत्पादकों के उनकी स्वयं की कोल्ड रोलिंग सुविधा में सीमित क्षमता है और इसलिए वे बाजार में एचआरएनओ की बिक्री नहीं कर रहे हैं। इस प्रकार, यह उत्पाद भारत में वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध नहीं है। अध्याय शीर्ष 7225 1910 के अधीन एचआरएनओ को वर्तमान जॉच के दायरे से बाहर रखने का अनुरोध किया जाता है।
- त. कारों के एअर कंडीशनरों के लिए कम्प्रेसरों के लिए जेआईएस मानकों को अनिवार्यतः पास करने वाले स्टील की जरूरत होती है। आटो कार कंपनियों को विशेष प्रकार के स्टील अर्थात् हाट रोलड आयल और पिकल्ड काइल (एसपीएचसी स्टील या एचआरपीओ स्टील) की जरूरत होती है। घरेलू आपूर्तिकर्ताओं से हाट रोलड आयल और पिकल्ड काइल प्रेशर टेस्ट को पास करने में विफल रहते हैं। ऐसे स्टील का प्रयोग कंप्रेशन बनाने के लिए नहीं किया जा सकता है। यह बात आपूर्तिकर्ताओं अर्थात् जेएसडब्लू और एस्सार स्टील को भी बताई गई है। आईएस1062 और आईएस 1079 के अधीन स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित गैर-एचसीएचसी स्टील को आयातित एसपीएचसी स्टील के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जा सकता है। इन ग्रेडों के आयात से याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।
- थ. एपीआई ग्रेड स्टील के लिए विश्वसनीय और योग्य घरेलू आपूर्तिकर्ता के अभाव के कारण, प्रयोक्ता उद्योग के पास आयात के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पीओआई के दौरान डीआई द्वारा प्रस्तावित अपवर्जन ग्रेडों के समतुल्य किसी ग्रेड की आपूर्ति नहीं की गई है। अतः उत्पाद के दायरे से एपीआईग्रेड को बाहर रखने का अनुरोध किया जाता है। इसके अलावा एपीआई ग्रेड को रक्षोपाय जॉच तथा भारत सरकार द्वारा जारी एमआईपी अधिसूचना से भी बाहर रखा गया है। इसलिए 2016 में ही, डीआई को यह पता नहीं चला कि एपीआईग्रेड के आयात घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा रहे हैं।
- द. आटो ग्रेड स्टील, अल्ट्रा लो कार्बन, अल्ट्रा लो कार्बन उच्च दृढ़ता स्टील, उन्नत उच्च मजबूती स्टील, आईएफ/आईएफएचएस ग्रेड, निर्माण मशीनरी के लिए प्रयुक्त प्लेटें और आई एस 2062:2011 ई250सी, आईएस 2062:2011 ई350सी और आईएस 2062:2011 ई450बीआर के अनुरूप को पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जानी चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग भारत में प्रयोक्ताओं की जरूरत को पूरा नहीं कर सकता है। एसपीएचसी ग्रेड, एनएसएसएमसी, जेएफई और मैटल वन कार्पोरेशन से खरीदी गई ग्रेडों को पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जानी चाहिए क्योंकि भारत में इनका विनिर्माण नहीं होता है। सीटीएसएच 720825, 720826, 720827, 722530 और 722550 के अधीन

एचआरपीओ भारत में उपलब्ध नहीं हैं और इनके अधीन आने वाले आयातों को उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। एब्रेजिन रोधी स्टील और उच्च टेन्साइल अलाय स्टील प्लेटों को पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जानी चाहिए। जेएफई एवरहार्ड श्रृंखला, हिटेन श्रृंखला, एनएसएसएमसी एबरेक्स श्रृंखला और वेलटेन श्रृंखला जिन्हें मैटल वन कार्पोरेशन से प्राप्त किया जा रहा है को पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जानी चाहिए।

ध. रक्षोपाय शुल्क के दायरे से बाहर रखी गई सभी मदोंको वर्तमान जॉच के दायरे के उत्पाद से बाहर रखा जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

9. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गये अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- क. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि हाट रोलड काइलों और शीटों के प्रत्येक प्रकार के विनिर्देशनों और प्रयोगों के अनुसार अलग-अलग आवश्यकता होती है। घरेलू उद्योग सभी प्रकार के पीयूसी का विनिर्माण करने में समर्थ है।
- ख. हितबद्ध पक्षों ने हाल में पूरी हुई रक्षोपाय जॉच में भी इसी प्रकार के तर्क दिये हैं।
- ग. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पहले स्टेनलैस स्टील उत्पादों से संबंधित जॉच की थी जिसमें काइल और प्लेटों/शीटों दोनों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर रखा गया था। काइल रूप में किसी उत्पाद का प्रयोग नहीं होता है। प्रत्येक काइल को पहले काटा जाता है और उसके बाद प्रयोग किया जाता है।
- घ. हितबद्ध पक्ष साक्ष्य के साथ अपने दावे को सिद्ध करने में विफल रहे हैं। इसके अलावा, कंपनियों को भारत में किसी अन्य उत्पादक से संपर्क करना चाहिए था जो आसानी से उन्हें इस सामग्री की आपूर्ति कर देता। केवल इसलिए कि एक भारतीय विनिर्माता इन कंपनियों को आपूर्ति नहीं कर रहा था, इन उत्पादों को बाहर रखने का आधार नहीं हो सकता है। हितबद्ध पक्षों की जरूरतों को याचिकाकर्ताओं सहित भारतीय विनिर्माताओं द्वारा आसानी से पूरा किया जा सकता है। इसके अलावा, अनेक निर्यातकों ने घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित किए गए उत्पादों की गुणवत्ता के संबंध में अनेक मुद्दे उठाए हैं परंतु उनको ये मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। ऐसे मुद्दे तभी विश्वसनीय होते हैं जब भारत में प्रयोक्ता उन्हें उठाएं।
- ङ. विभिन्न ग्रेडों और विनिर्देशनों का पालन करने वाले ऐसे अनेक एचआर फ्लैट स्टील हैं जो डीआई द्वारा विनिर्मित किए जाते हैं परंतु गुणवत्ता नियंत्रण आदेश में शामिल नहीं हैं या उनके पास वीआईएस मानक नहीं है जैसे एपीआई ग्रेड, एसआई1541, एचएसएस टीएस >= 580 एमपीए, केस हार्डनिंग स्टील अर्थात 16एमएनसीआर5 आदि।
- च. एपीआई को रक्षोपाय जॉच से बाहर रखा गया था क्योंकि एपीआई ग्रेड स्टील के आयातों में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई थी। घरेलू उद्योग को रक्षोपाय जॉच की जॉच अवधि के दौरान एपीआई ग्रेड के स्टील के आयातों से क्षति नहीं हो रही थी। तथापि, जॉच अवधि के दौरान एपीआई ग्रेड के स्टील के आयातों में कई गुणा वृद्धि हो गई और औसत बिक्री कीमत में भी तेजी से गिरावट आई जिससे डीआई को क्षति हुई। एपीआई ग्रेड के स्टील की औसत आयात मात्रा अप्रैल-जून 2015 के दौरान 5959 मी. टन प्रति माह से बढ़कर पीओआई के दौरान 29,142 मी. टन हो गई। एपीआई ग्रेड के स्टील की आयात कीमतें जून 2015 में 702 अम.डा. प्रति मी. टन से घटकर दिसम्बर 2015 में 370 अम.डा. प्रति मी. टन रह गई। तथापि डीआई पूर्णतः सक्षम है और उसे उसकी प्रौद्योगिकीय और प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के लिए चुनिंदा विश्वस्तरीय स्टील विनिर्माताओं में गिना जाता है। डीआई विशेष तकनीकी अपेक्षाओं के अनुसार एपीआई ग्रेड के स्टील के उत्पादन और आपूर्ति में सक्षम है।
- छ. डीआई एस्केवेटर, बैक-हो लोडर्स, डम्पर्स आदि के विश्व विख्यात विनिर्माताओं अर्थात जेसीबी, कैटरपिलर और अनेक अन्य के लिए ढाचागत/एचटी ग्रेड स्टील की जरूरतों के आधार पर पहले ही सेवा प्रदान कर रहा है।
- ज. मारुती सुजुकी इंडिया लिमिटेड सहित अनेक हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि ऐसे सभी आयातित ग्रेडों जिनका उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है, को उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाए। यद्यपि ऐसे पक्षों ने उन ग्रेडों जिनका ये आयात करते हैं कि एक सूची अपने अनुरोधों के साथ संलग्न की है तथापि उसे गोपनीय माना गया है। जब तक ऐसे पक्ष अगोपनीय आधार पर ऐसे ग्रेडों की सूची हितबद्ध पक्षों को उपलब्ध नहीं कराती है तब तक घरेलू उद्योग ऐसे ग्रेडों जिन्हें उन्होंने बाहर रखने का अनुरोध किया है के संबंध में कोई टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं होगा। इसे देखते हुए, ऐसे पक्षों द्वारा रखे गए अपवर्जनों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह दोहराया जाता है कि घरेलू उद्योग घरेलू उद्योग द्वारा अपेक्षित सभी ग्रेडों और विनिर्देशनों का विनिर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है।
- झ. अनेक हितबद्ध पक्षों ने रक्षोपाय महानिदेशक के समक्ष भी इसी प्रकारके अनुरोध किए थे। हितबद्ध पक्ष अब केवल उन्हीं अनुरोधों को निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष दोहरा रहे हैं। यह नोट किया जाए कि डीजी रक्षोपाय ने 15 मार्च 2016 के अंतिम जॉच परिणामों में हितबद्ध पक्षों के सभी अनुरोधों की विस्तार से जॉच की थी। डीजी रक्षोपाय का यह निष्कर्ष था कि हितबद्ध पक्षों के अनुरोधों में कोई तथ्य नहीं है और यह निष्कर्ष था कि बाहर रखने की मांग किए गए सभी ग्रेडों का विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा किया जाता है और भारत में प्रयोक्ताओं को उनकी आपूर्ति की जाती है। किसी भी हितबद्ध

पक्षने डीजी रक्षोपाय के पूर्वोक्त निर्धारण को चुनौती नहीं दी थी। अतः रक्षोपाय जाँच में उत्पाद का दायरा हितबद्ध पक्षों के लिए कानूनी रूप से सत्य, अंतिम और बाध्यकारी है। वही हितबद्ध पक्ष अब निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष आकर उत्पाद के दायरे संबंधी उन्हीं अनुरोधों को दोहरा नहीं सकते हैं।

- ज. ग्रेड एन22सीवी के संबंध में, डीआई समतुल्य अंतर्राष्ट्रीय मानक से अवगत कराए जाने का अनुरोध करता है या वैकल्पिक रूप से, रासायनिक संघटन, यांत्रिक विशेषताओं और अन्य धात्विक विशेषताएं घरेलू उद्योग को टिप्पणियों हेतु उपलब्ध कराई जाएं। किसी भी तरह से यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने समतुल्य ग्रेड का विनिर्माण किया है और भारत में प्रयोक्ताओं को उसकी आपूर्ति की है। इसलिए घरेलू उद्योग पूर्वोक्त ग्रेडों का विनिर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है।
- ट. हितबद्ध पक्षों द्वारा अनुरोध किए गए सभी अपवर्जन अनावश्यक हैं क्योंकि घरेलू उद्योग न केवल उनका उत्पादन करता है बल्कि उसने नियमित आधार पर भारत में प्रयोक्ताओं को उसकी आपूर्ति भी की है। इस संबंध में बीजकों, मिल परीक्षण प्रमाणपत्रों और प्रयोक्ताओं से प्रशस्ति पत्रों के रूप में साक्ष्य प्राधिकारी को उपलब्ध कराये गये हैं। इन पहलुओं को प्राधिकारी द्वारा विधिवत रूप से सत्यापित किया गया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि घरेलू उद्योग उन सभी ग्रेडों का विनिर्माण करने में पूर्णतः सक्षम हैं जिन्हें हितबद्ध पक्षों ने जाँच से बाहर रखने का अनुरोध किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

10. हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद से संबंधित मामलों के संबंध में किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोधों की जांच की गई है और यह पाया गया है कि:
 - क. उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों में इन तीन बातों पर प्रमुख रूप से बल दिया गया है, (i) घरेलू उद्योग उत्पादन के दायरे में शामिल कई ग्रेड का निर्माण नहीं करता, (ii) घरेलू उद्योग कतिपय ग्रेड का निर्माण करता है लेकिन गुणवत्ता उचित नहीं होती है, और (iii) कतिपय ग्रेड के लिए, घरेलू उद्योग के पास ग्राहक का अनुमोदन नहीं होता है। घरेलू उद्योग ने इन हितबद्ध पक्षकारों के दावों के संबंध में एक विस्तृत उत्तर दाखिल किया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा दाखिल किए गए उत्तरों की जांच की है और यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास ऐसे सभी ग्रेड के लिए निर्माण की क्षमता है, जिन्हें निष्कासित करने के लिए मांग की गई है। प्राधिकारी ने भी सत्यापन दौर के दौरान यह पाया है कि घरेलू उद्योग उन सभी ग्रेड का निर्माण कर रहा है, जिनके लिए उसे आदेश मिले हैं और उन्होंने भारत में उपयोगकर्ताओं को आपूर्ति भी की है। अतः कतिपय ग्रेड को निष्कासित करने के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता।
 - ख. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि कॉइल और कॉइल में नहीं को एक ही जांच में शामिल नहीं किया जा सकता। यह भी तर्क दिया गया है कि मिश्रित धातु और गैर-मिश्रित धातु को एक ही जांच में शामिल नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कानून में एक ही जांच में कॉइल और कॉइल में नहीं के संबंध में एक ही पाटनरोधी जांच करने तथा मिश्रित धातु और गैर-मिश्रित धातु स्टील के संबंध में एक ही पाटनरोधी जांच करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। वास्तव में प्राधिकारी ने स्टेनलेस स्टील के संबंध में पूर्व में पाटनरोधी जांच की है जिसमें दोनों ही कॉइल और शीट तथा प्लेटें एक ही पाटनरोधी जांच में अपने आप ही शामिल हैं। इसके अलावा, यह उल्लेख किया जाता है कि पाटन और क्षति मार्जिन की गणना के संबंध में, प्राधिकारी ने कॉइल की कॉइल के साथ और शीटों व प्लेटों की शीटों व प्लेटों के साथ तुलना की है।
 - ग. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि होट रोल्ड (एचआर) कॉइल और शीटें/प्लेटें अलग-अलग उत्पादन हैं जिनका अलग-अलग उपयोग होता है और इसीलिए इन्हें एक-दूसरे का विकल्प नहीं माना जा सकता है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि कॉइल और शीटें/प्लेटें दो अलग-अलग उत्पाद होते हैं जिनका अलग-अलग उपयोग होता है लेकिन उन्हें एक ही विनिर्माण प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए निर्मित किया जाता है। इसके अलावा, होट रोल्ड कॉइल को विभिन्न आकार और माप (कतिपय मोटाई तक) की शीटों और प्लेटों में फाड़ा नहीं जा सकता। साथ ही, होट रोल्ड कॉइल और शीटों/प्लेटों के विनिर्माण के लिए कच्चा माल भी अनिवार्य रूप से एक समान होता है। अतः प्राधिकारी ने एक ही जांच में होट रोल्ड स्टील कॉइल और शीटों/प्लेटों को शामिल करना उपयुक्त समझा है। प्राधिकारी पर एक ही जांच में विभिन्न उपयोगों वाले दो अलग-अलग उत्पादों को शामिल करने पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। प्राधिकारी ने पहले भी स्टेनलेस स्टील पर पाटनरोधी जांच की है जिसमें एक ही पाटनरोधी जांच में कॉइल तथा शीट व प्लेटों को शामिल किया जा चुका है। बहर हाल, प्राधिकारी ने होट रोल्ड कॉइल और होट रोल्ड शीटों/प्लेटों के लिए अलग-अलग पाटन और क्षति मार्जिन की गणना की है।

- घ. इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियम 2(घ) में "समान वस्तु को एक ऐसी वस्तु के रूप में परिभाषित किया गया है, जो भारत में पाटित किए जाने के लिए की जा रही जांच के अधीन वस्तु के समान न हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में, कोई अन्य वस्तु, जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान हो समान न हो लेकिन जांच की जा रही वस्तु से काफी मिलती-जुलती विशेषताओं वाली हो। किसी वस्तु के समान होने का निर्धारण करते समय, प्राधिकारी प्रयुक्त किए गए कच्चे माल, उत्पादन की प्रक्रिया, उसके अंतिम उपयोग तकनीकी और वाणिज्यिक विकल्प योग्य होने आदि को देखते हैं।"
- ङ. कुछ पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि "कॉइल में नहीं होट रोलड" जैसा कोई उत्पाद मौजूद नहीं है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि "कॉइल में नहीं होट रोलड" नाम भारतीय सीमा शुल्क टैरिफ में ही दिखाई दे रहा है और वर्तमान जांच में उसी तरह से अपना लिया गया है।
- च. यह तर्क दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद में 3 मि.मी. से कम मोटाई वाली पतली मोटी शीटें और 10 मि.मी. से अधिक की मोटाई वाली अधिक चौड़ी शीटें, दोनों शामिल हैं। यह भी तर्क दिया गया है कि प्लेट की मोटाई में अंतर महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उत्पाद के अंतिम उपयोग और साथ ही उपभोक्ता की तरजीही को प्रभावित करता है। यह तर्क दिया गया है कि सीमा शुल्क टैरिफ शीर्ष के तहत आने वाली वस्तुएं ("सीटीएच") 7208, 7211, 7225 और 7226 उनके अंतिम उपयोगों के संबंध में अलग-अलग हैं। पतली और चौड़ी सपाट रोलड उत्पाद अपने अंतिम उपयोगों के संबंध में अलग-अलग हैं और उन्हें एक-दूसरे के विकल्प के योग्य अथवा परस्पर अदला-बदली करने योग्य नहीं माना जा सकता। प्राधिकारी उपरोक्त तर्क से सहमत नहीं हैं। यह तर्क दिया जाता है कि सीटीएच 7208, 7211, 7225 और 7226 के तहत आने वाली होट रोलड कॉइल और शीट व प्लेटों अलग-अलग हैं और उनकी पारस्परिकता न तो प्रतिस्थापित करने योग्य है और न ही परस्पर अदला-बदली करने योग्य है। लेकिन अनिवार्य प्रश्न यह है कि क्या भारत में आयात की जा रही होट रोलड कॉइल और शीटें व प्लेटें घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किए जा रहे उत्पादों के समान अथवा विकल्प के योग्य हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वास्तव में संबद्ध आयात घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पादों के समान हैं। इस प्रसंग में परस्पर विकल्प के योग्य अथवा परस्पर अदला-बदली करने योग्य होना असंगत है। इसके अलावा, कम और अधिक मोटाई वाली शीटों तथा प्लेटों के संबंध में एक ही पाटनरोधी जांच करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है।
- छ. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत निष्कासित कोई उत्पाद केवल तब तक निष्कासित नहीं किया जा सकता, जब तक कि हितबद्ध पक्षकार इस बात के साक्ष्य उपलब्ध न कराए कि इनका घरेलू उद्योग द्वारा निर्माण नहीं किया जा रहा है। प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने कोई विश्वसनीय साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि ये उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं किए जा रहे हैं जबकि दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने ही इस संबंध में पर्याप्त साक्ष्य प्रदान किए हैं कि वे विचाराधीन उत्पाद का निर्माण करते हैं। इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकार गुणवत्ता नियंत्रण आदेश में निष्कासित किए गए ऐसे उत्पादों की पहचान नहीं कर पाए, जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने इस संबंध में केवल साधारण-सा विवरण दिया है।
- ज. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि होट रोलड कॉइल और होट रोलड प्लेटों/शीटों को शामिल करने के लिए विचाराधीन उत्पाद को व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है। तथापि, उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई स्पष्टीकरण अथवा साक्ष्य नहीं दिया है। केवल इस तथ्य के कारण से कि घरेलू उद्योग ने कॉइल में होट रोलड और होट रोलड शीटों व प्लेटों के लिए रक्षोपाय के कम से दो अलग-अलग आवेदन दाखिल किए हैं, इससे घरेलू उद्योग को एक ही पाटनरोधी आवेदन में होट रोलड कॉइल तथा होट रोलड शीट व प्लेट को शामिल करने के लिए प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। जैसा कि पहले उल्लेख किया जा चुका है कि प्राधिकारी द्वारा स्टेनलेस कॉइलों, स्टील और शीटों तथा प्लेटों के संबंध में पहले भी एक ही पाटनरोधी जांच की जा चुकी है।
- झ. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि वे 2.00 मि.मी. और उससे कम की मोटाई में होट रोलड कॉइल का आयात कर रहे हैं क्योंकि नियमित आपूर्तिकर्ता मैसर्स टाटा स्टील लि. ने उपलब्धता से संबंधित समस्याओं और इस कारण से आपूर्ति करना बंद कर दिया कि वे इस उत्पाद विशेष का ही आयात करने के लिए बाध्य है और इसलिए ऐसे उत्पादों को उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार विश्वसनीय साक्ष्य के साथ इस दावे का समर्थन करने में विफल रहे हैं। इसके अलावा, प्रयोक्ताओं को भारत में किसी अन्य उत्पादक से भी सम्पर्क करना चाहिए था जो उन्हें ऐसी सामग्री की आसानी से आपूर्ति कर देते। केवल इस कारण से कि भारतीय निर्माता इन कंपनियों को आपूर्ति नहीं कर रहा, इन उत्पादों के निष्कासन के लिए एक आधार नहीं हो सकता।
- ञ. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह अनुरोध किए जाने के संबंध में कि असंगत गुणवत्ता, आपूर्ति और न्यूनतम आदेश की मात्रात्मक अपेक्षाओं के कारण भारतीय वेंडर पर निर्भर रहना कठिन है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे पक्षकारों ने स्वयं ही यह माना है कि उनके द्वारा अपेक्षित ग्रेडों को भारतीय उत्पादकों द्वारा ही निर्मित किया जाता है। केवल इस कारण से कि कुछ विशेष घरेलू उत्पादक एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा अनुमोदित नहीं है, इसका यह अर्थ नहीं निकलता कि

इन ग्रेडों को निष्कासित कर दिया जाए। इसके अलावा, न्यूनतम आदेश की मात्रा एक प्रकार का कारोबारी निर्णय है, जो व्यापार में बिल्कुल मौजूद हो सकता है और इस प्रकार यह घरेलू उद्योग को संरक्षण प्रदान करने के लिए कारण नहीं हो सकता। साथ ही, ऐसे दावों के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं है। इसके अतिरिक्त, हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है, जिससे कि यह पता चलता हो कि निर्माण मशीनरी के लिए प्रयुक्त की जा रही और आईएस मानक आई एस 2062:2011, ई250सी, ई350सी तथा ई450बीआर का अनुपालन करने वाली प्लेटों घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं की जातीं। तथापि, घरेलू उद्योग ने साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं जिनसे यह पता चलता है कि वे उपरोक्त ग्रेड का निर्माण करते हैं।

- ट. यह तर्क दिया गया है कि जेएफई, जापान और एसएसएबी, स्वीडन से प्राप्त घर्षण प्रतिरोधी मिश्रित धातु स्टील प्लेटों और उच्च क्षमता की धातु स्टील प्लेटों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग या तो इन ग्रेड का निर्माण कर रहा है या उसके पास इसका निर्माण करने की क्षमता है। इसके अलावा, यह जांच यूरोपीय संघ के खिलाफ नहीं है, इसलिए हितबद्ध पक्षकार यह स्पष्ट करें कि कैसे एसएसएबी, स्वीडन वर्तमान जांच से संबंधित है।
- ठ. यह तर्क दिया गया है कि जापान से एक विशेष ग्रेड, एन22सीवी की हॉट रोलड स्टील को उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यह दर्शाया है कि वे इस ग्रेड का निर्माण करने में सक्षम हैं और उन्होंने वास्तव में भारत में प्रयोक्ताओं के लिए एक समकक्ष ग्रेड का निर्माण और आपूर्ति भी की है। इसलिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस ग्रेड को इस अवस्था में उत्पाद के दायरे से निष्कासित नहीं किया गया है।
- ड. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद दायरे से ऑटोमेटिक स्टील को निष्कासित किया जाए क्योंकि कुल आयातों की तुलना में इसका आयात काफी कम है और कीमतें काफी अधिक हैं। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी ग्रेड विशेष का कम आयात होने मात्र से उस ग्रेड को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से निष्कासित नहीं किया जाता। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऑटोमेटिक स्टील का आयात वास्तव में जांच की अवधि के दौरान काफी मात्रा में हुआ है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह नहीं दर्शाया है कि ये ग्रेड भारत में पाटित नहीं किए जा रहे अथवा घरेलू उद्योग ऐसे ग्रेड का निर्माण नहीं कर रहा है। घरेलू उद्योग ने यह दर्शाने के लिए व्यापक साक्ष्य प्रदान किए हैं कि वे इसका निर्माण कर रहे हैं और भारत में प्रयोक्ताओं के लिए ऑटोमेटिक स्टील की आपूर्ति कर रहे हैं।
- ढ. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि वे कोरिया जन. गण. और जापान से आयात "हाई टेन्साइल विशेष प्रयोजनीय ग्रेड स्टील" जैसे ऑटोमेटिक ग्रेड स्टील को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया जाए क्योंकि इस ग्रेड का आयात मूल्य सामान्य मूल्य से अधिक हैं। यह तर्क दिया जाता है कि संदर्भ कीमत निर्धारित की जाए क्योंकि पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद उन्हें आवश्यक रूप से इस उत्पाद को आयात करना पड़ेगा। इस संबंध में प्राधिकारी ने यह पाया है कि कोरियाई निर्यातकों को यह प्रदर्शित करना है कि वे इस ग्रेड का पाटन नहीं कर रहे हैं अथवा इस ग्रेड के आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग "हाई टेन्साइल विशेष प्रयोजनीय ग्रेड के स्टील" तथा "पिकल्ड एंड ऑयलड हॉट रोलड स्टील कॉइल" का निर्माण करने में सक्षम है। घरेलू उद्योग ने यह भी कहा है कि वे पहले से ही कई ऑटोमेटिक निर्माताओं, उनके वेंडरों तथा ऑटो घटक निर्माताओं की अनुमोदित वेंडर सूची में हैं।
- ण. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि एसके-4, एसके-5 और एसके-581 जैसे ग्रेड विचाराधीन उत्पादन से निष्कासित किए जाएं। तथापि, हितबद्ध पक्षकार यह दर्शाने में विफल रहे हैं कि घरेलू उद्योग इन ग्रेड का निर्माण करने में सक्षम नहीं हैं। हितबद्ध पक्षकारों को उपरोक्त दावों के समर्थन में विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत करने हैं।
- त. इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने साक्ष्य सहित यह प्रदर्शित किया है कि वे हॉट रोलड सिलिकॉन इलेक्ट्रिकल नॉन ओरिएंटेड स्टील (एचआरएनओ) और हॉट रोलड ऑयलड एंड पिकल्ड कॉइल का निर्माण कर सकते हैं। अतः इन ग्रेड के निष्कासन के लिए अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकता।
- थ. कतिपय ग्रेड के स्टील उत्पादों को उत्पाद के दायरे से निष्कासित करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने रसायन व भौतिक मापदंडों के साथ ग्रेड को विनिर्दिष्ट नहीं किया है, जिसके लिए कि वे छूट का दावा करना चाहते हैं। अतः प्राथमिक जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए विचाराधीन उत्पाद से कतिपय ग्रेड का निष्कासन करने के दावों को अंतिम रूप से अस्वीकार किया जाता है।
- द. एपीआई ग्रेड के निष्कासन के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के दावों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि एपीआई को रक्षोपाय के आवेदन में उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया गया है क्योंकि एपीआई ग्रेड के आयात पूर्वोपाय का आवेदन भरते समय महत्वपूर्ण नहीं थे और इस प्रकार से रक्षोपाय जांच अवधि के दौरान कोई क्षति उत्पन्न नहीं कर रहे थे। तथापि, अंतिम पूर्वोपाय शुल्क लगाने के बाद और चालू पाटनरोधी जांच की अवधि के दौरान, कम की गई कीमतों पर बढ़ी हुई मात्रा में एपीआई ग्रेड का आयात किया गया है। एपीआई ग्रेड के स्टील को रक्षोपाय जांच के उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया गया था क्योंकि वर्ष 2014-15 का आयात विश्लेषण यह दर्शाता है कि इन एपीआई ग्रेड के स्टील के

आयात की मात्रा आश्चर्यजनक स्तर पर नहीं थी। वर्ष 2015-16 के दौरान एपीआई ग्रेड के औसत आयातों की मात्रा में पूर्व अवधि की तुलना में जांच की अवधि में लगभग 5 गुना वृद्धि हुई। एपीआई ग्रेड के स्टील की औसत आयात कीमत भी जांच की अवधि के दौरान काफी गिर गई थी। घरेलू उद्योग ने भी इस संबंध में साक्ष्य प्रदान किए थे, जिनकी प्राधिकारी ने विधिवत जांच की थी। अतः एपीआई ग्रेड के स्टील को उत्पाद के दायरे से निष्कासित नहीं किया जा सकता।

- ध. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि विचाराधीन उत्पाद व्यापक और अस्पष्ट है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद को, संबद्ध देशों से आयातों और घरेलू उद्योग के उत्पादन व आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए उपयुक्त रूप से परिभाषित किया गया है। प्राधिकारी ने उत्पाद के दायरे पर पहुँचने से पूर्व सभी पक्षकारों के तर्कों की पूरी तरह से जांच की है।
- न. नियमावली के नियम 6(7) और नियम 7 के संदर्भ में प्राधिकारी एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को प्रस्तुत किए गए साक्ष्य को प्रदान करने के लिए बाध्य है। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार अनुरोध और साक्ष्य के संबंध में गोपनीयता का दावा करता है कि हितबद्ध पक्षकार नियम 7 के तहत इस अनुरोध और साक्ष्य को अगोपनीय फॉर्मेट में प्रस्तुत करने के लिए बाध्य हैं, लेकिन यह अगोपनीय अनुरोध और साक्ष्य सार्थक होना चाहिए ताकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों को टिप्पणी करने दिया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मारुति सुजुकी इंडिया लि. सहित कई हितबद्ध पक्षकारों ने उत्पाद के दायरे से कई ग्रेड को निष्कासित करने का अनुरोध किया है। लेकिन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ऐसी निष्कासन सूची की गोपनीयता का दावा किया गया है। चूंकि प्राधिकारी एक अर्ध-न्यायिक प्राधिकारी है, इसलिए उसने ऐसे पक्षकारों के अगोपनीय अनुरोध घरेलू उद्योग को उपलब्ध करा दिए हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे हितबद्ध पक्षकारों ने नियम 7 का पालन नहीं किया है क्योंकि उनके अगोपनीय अनुरोध पर्याप्त रूप से सार्थक नहीं हैं जिससे कि घरेलू उद्योग को उसमें अनुरोध किए गए अनुसार निष्कासन पर टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। अतः इस अवस्था में प्राधिकारी ने अंतिम रूप से ऐसे ग्रेडों को उत्पाद के दायरे से बाहर न करने का निर्णय लिया है।
- प. प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों के ऐसे अनुरोधों को स्वीकार नहीं कर सकता कि ऐसे सभी ग्रेड, जिनके लिए महानिदेशक, सुरक्षा के समक्ष निष्कासन के लिए अनुरोध किया गया था, उन्हें वर्तमान जांच में उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया जाए। पाटनरोधी जांच इसके स्वयं के तथ्यों और गुण-दोष के आधार पर की गई है। फिर भी यह उल्लेख करना आवश्यक है कि महानिदेशक, सुरक्षा ने रक्षोपाय के अंतिम जांच परिणामों में गुण-दोषों के आधार पर हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच की थी और उत्पाद के दायरे से किसी निष्कासन की अनुमति नहीं दी थी जिसके लिए कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध किया गया था।
- फ. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह प्रावधान है कि: "समान वस्तु" से तात्पर्य ऐसी वस्तु से है, जो भारत में पाटित किए जाने के लिए की जा रही जांच के अधीन वस्तु के समान अथवा एक जैसी है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर कोई अन्य वस्तु, जो यद्यपि पूरी तरह से समान तो नहीं है, लेकिन जांच की जा रही वस्तु से काफी मिलती-जुलती विशेषताओं वाली है। उपलब्ध सूचना के आधार पर और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने अंतिम रूप से यह पाया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं में कोई जात अंतर नहीं है। दोनों ही भौतिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रियाओं, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित करने योग्य हैं। उपभोक्ता दोनों को ही एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग में लाते हैं। प्राधिकारी ने अंतिम रूप से यह पाया है कि वे आवेदकों द्वारा निर्मित उत्पाद संबद्ध देशों से भारत में आयात की जा रही संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।

ग. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

11. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

"(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।"

12. मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, मैसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और मैसर्स एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड द्वारा आवेदन दाखिल किया गया है। उपरोक्त तीन उत्पादकों के उत्पादन में कुल घरेलू उद्योग का एक बड़ा हिस्सा शामिल है और वह भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक है। आवेदन का दो घरेलू उत्पादकों यथा टाटा स्टील लि. और जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड द्वारा भी समर्थन किया गया है।

13. वर्तमान मामले में याचिकाकर्ताओं के घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है क्योंकि याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध वस्तु का पीओआई में संबद्ध देश से आयात किए हैं। प्राधिकारी ने संज्ञान में यह लाया गया है कि घरेलू उद्योग ने अल्प मात्रा में आयात किए हैं। आयात की मात्रा भारत में इस विचाराधीन उत्पाद के सकल आयात, घरेलू उद्योग के उत्पादन और भारतीय उत्पादन तथा भारत में इस विचाराधीन उत्पाद की खपत पर विचार करते हुए बहुत कम है।

14. अतः प्राधिकारी ने यह पाया कि आवेदकों का भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के बड़े हिस्से पर कब्जा है और इस जांच के प्रयोजन से आवेदक नियम 5(3) के संदर्भ में स्थायी जरूरतों को पूरा करता है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग है।

घ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विविध मामले

15. **विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विविध अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया है, वे इस प्रकार हैं:**

- क. कोल्ड रोलड स्टील, गाल्वेनाइज्ड स्टील और प्री-पेन्टेड गाल्वेनाइज्ड स्टील के समान तैयार उत्पादों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए बिना केवल "धातु के होट रोलड फ्लैट उत्पाद अथवा कॉइल में गैर-धातु स्टील" पाटनरोधी शुल्क लगाने से द्वितीयक स्टील निर्माताओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। डाउनस्ट्रीम उत्पाद भारत में आयातित किए जाएंगे क्योंकि वे किसी भी पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन नहीं हैं, जिसके परिणामस्वरूप सभी डाउनस्ट्रीम उद्योग, जो होट रोलड कॉइल की कच्ची सामग्री के रूप में खपत करते हैं, उनके लिए घातक है।
- ख. जांच की अवधि "प्रतिनिधित्व के रूप में और यथा संभव शीघ्र" होनी चाहिए। एक वर्ष की जांच की अवधि के बेंचमार्क से विचलन और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पर्याप्त रूप से प्रमाणित और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पर्याप्त रूप से प्रमाणित सकारात्मक साक्ष्य देने होंगे, जो वर्तमान मामले में मौजूद नहीं है। छः माह की जांच की अवधि किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए काफी कम है और यह कम से कम एक वर्ष होनी चाहिए।
- ग. स्टील उद्योग एमएफएन सीमा शुल्क टैरिफ में वर्ष 2011-12 में 5% से वर्ष 2015-16 में 12.5% तक की वृद्धि करके पहले से ही संरक्षित है। इस पर दिनांक 15.12.2016 से कॉइल में होट रोलड स्टील के आयातों पर 20% यथा मूल्य रक्षोपाय शुल्क लगाया गया है। इसके अलावा, डीजीएफटी ने 173 एचएस कोडों पर न्यूनतम आयात कीमत शुरू की है जिसमें विचाराधीन उत्पाद शामिल है।
- घ. एमआईपी पहले ही लगाई जा चुकी है और भारतीय स्टील मिलों की मांग को स्वीकार नहीं किया जाए। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से तैयार उत्पादों के आयात को बढ़ावा मिलेगा, और परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग बंद हो जाएंगे। एमआईपी लगने, आयात शुल्क में कमी तथा पूर्वोपाय शुल्क लगाए जाने के बाद स्टील उद्योग को संरक्षण दिए जाने की आगे जरूरत नहीं पड़ेगी। स्टील की कीमतें अब बढ़ रही हैं और प्रमुख घरेलू स्टील भागीदार जैसे जेएसडब्ल्यू स्टील, भूषण, एस्सार, जेएसपीएल, टाटा अच्छा कर रहे हैं।
- ङ. उच्च टैरिफ के अलावा, विदेशी उत्पादक बीआईएस द्वारा लाइसेंस प्रदान करने जैसी भेदभावपूर्ण गैर-शुल्क बाधा का भी सामना करते हैं। बीआईएस से लाइसेंस का आवश्यकता एनएलएमके ग्रुप के लिए रूप से भारत को विचाराधीन उत्पाद के अपने आयातों को बंद करने का प्रमुख कारण था।
- च. रूस और चीन को छोड़कर सभी संबद्ध देशों का अधिमान्य व्यापार करार है। रूस के सिवाय इन अन्य सभी देशों को होट रोलड स्टील उत्पादों पर एमएफएन टैरिफ में निरंतर वृद्धि (5% से 12.5% तक) से छुटकारा मिल गया है।
- छ. याचिका केवल जेपीसी डाटा के आधार पर होनी चाहिए ताकि निजी एजेंसियों की किसी भी हेराफेरी से बचा जा सके। आयात के आंकड़े एक निजी संगठन आईबीआईएस से लिए गए हैं और इन आंकड़ों में हेराफेरी की संभावना हो सकती है। आयात के आंकड़े आईबीआईएस के आधार पर हैं और उत्पादन के आंकड़े जेपीसी के आधार पर हैं जो संगत नहीं हैं और भ्रामक हैं।
- ज. फरवरी, 2016 में शीर्ष 7208 के तहत आने वाली सभी वस्तुएं और शीर्ष 7225 के तहत आने वाली आंशिक वस्तुएं न्यूनतम आयात कीमत लगाए जाने के अध्यधीन थी। इसे देखते हुए "जांच की अवधि वार्षिक" मूल्य को विश्वसनीय नहीं माना जा सकता और उन पर विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- झ. यह घोषणा कि याचिकाकर्ताओं और निर्यातकों द्वारा लगाई गई उत्पादन कीमतों में कोई ज्ञात अंतर नहीं है, उचित नहीं है। भारतीय उत्पादकों ने लागत कटौती और उत्पाद विकास के लिए प्रौद्योगिकीय उन्नयन को नजरअंदाज किया है।
- ञ. याचिका में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कथित प्रभाव पर पर्याप्त सूचना शामिल नहीं की थी। ऐसा करने में, याचिकाकर्ता भारतीय पाटनरोधी नियमों में यथा कार्यान्वित अनुच्छेद 5 डब्ल्यूटीओ एडीए की विशिष्ट अपेक्षाओं को पूरा

करने में विफल रहा है। याचिकाकर्ताओं ने रोजगार, मजदूरी, बिक्री की लागत, निर्यात बिक्री, स्टॉक खुलने और बंद होने, निबल संपत्ति और कैपिटल खपत के संबंध में सूचना को हटा दिया।

- ट. काफी मात्रा में विचाराधीन उत्पाद की डाउनस्ट्रीम वस्तुओं के उत्पादन के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा कैपिटल खपत की जा रही है। याचिकाकर्ताओं ने समग्र विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग जान-बूझकर ली है जबकि उनके द्वारा हुई विचाराधीन उत्पाद की कैपिटल खपत को छिपा लिया गया है। कैपिटल खपत वाली वस्तुएं बाजार में प्रवेश नहीं हुईं और प्रतिस्पर्द्धी वस्तुओं के भाग के रूप में विचारा नहीं किया जा सका।

16. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया है, वे इस प्रकार हैं:

- क. अधिनियम की धारा 9 क(3) उत्पाद के पाटन के इतिहास के संदर्भ में है। याचिकाकर्ता प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क पूर्वव्यापी प्रभाव से लगाने की सिफारिश करें क्योंकि पूर्वव्यापी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने की शर्त पूरी है।
- ख. संबद्ध वस्तुओं के पाटन के साक्ष्य हैं, जो इस तथ्य से स्पष्ट हैं कि कनाडा, यूएस, टर्की, यूरोपीय संघ इत्यादि सहित कई देशों ने स्टील के हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है। अपेक्षाकृत कम समय में भारत में विचाराधीन उत्पाद का भारी मात्रा में पाटन हुआ है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- ग. निर्यातकों को अच्छी तरह से इस बात की जानकारी है कि वे पाटन का सहारा ले रहे हैं जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमतें काफी कम हुई हैं, जैसा कि संबंधित देशों के लिए लदान मूल्य से स्पष्ट है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया है, उनकी जांच की गई है और यह पाया गया है कि:

- क. इस अनुरोध के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से उनकी कीमतों पर वृद्धिशील प्रभाव पड़ेगा और डाउनस्ट्रीम उद्योगों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य ही उचित व्यापार प्रक्रियाओं को रोकना और घरेलू उद्योग को समानता पर लाकर उन पर पड़ने वाले क्षतिकारी प्रभावों को दूर करना है। इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क लगाने से आयात पर न तो प्रतिबंध लगता है और न ही आयात पर रोक लगती है।
- ख. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह तर्क कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग को अनुचित फायदा होगा, यह पूर्वानुमान और असामयिक है। पाटनरोधी जांच तथ्यों और कानून पर आधारित होती है और पाटन की मात्रा तथा घरेलू उद्योग पर इसके परिणामस्वरूप होने वाले क्षतिकारी प्रभाव का विश्लेषण करने और आकलन करने के लिए तथा समुचित और पर्याप्त पाटनरोधी उपाय करने के लिए होती है ताकि घरेलू उद्योग को भी पाटन से मुकाबला करने के लिए मुकाबले में लाया जा सके।
- ग. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि जांच की अवधि 6 माह से अधिक होनी चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी प्रक्रियाओं संबंधी समिति की सिफारिश (डब्ल्यूटीओ दस्तावेज संख्या जी/एडीपी/6 दिनांक 16 मई, 2000) के अनुसार;

"..... पाटन जांच के लिए डाटा संकलन की अवधि सामान्यतः बारह माह होनी चाहिए और किसी भी रूप में जांच की शुरुआत की तारीख से व्यावहारिक दृष्टि से निकटतम छः माह से कम की नहीं होनी चाहिए।"

अतः उपरोक्त सिफारिश को देखते हुए 6 माह की अवधि को जांच की अवधि के रूप में लिया जा सकता है। प्राधिकारी ने अन्य जांचों में भी 6 माह की जांच की अवधि को लिया है।

- घ. पूर्वोपाय शुल्क लगाने के पीछे उद्देश्य पाटनरोधी शुल्क से भिन्न है। आयातों में आए उछाल को रोकने के लिए पूर्वोपाय शुल्क लगाया जाता है, जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग पर पाटन के क्षतिकारी प्रभाव को बेअसर करने और मुकाबले लायक वातावरण तैयार करने के लिए लगाया जाता है ताकि घरेलू उद्योग पाटन वस्तुओं के साथ प्रभावी रूप से मुकाबला करने में समर्थ हो सकें।
- ङ. भारत सरकार द्वारा एमआईपी की शुरुआत संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई कम कीमतों को देखते हुए की गई थी। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि एमआईपी 6 माह के लिए अथवा डीजीएफटी द्वारा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हों, लागू हैं। इसका तात्पर्य यह हुआ कि एमआईपी को 6 माह की अवधि समाप्त होने से पूर्व किसी भी समय हटाया

- जा सकता है। एमआईपी समाप्त होने के बाद, घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से संरक्षण के बिना रहना पड़ेगा। इसके अलावा, एमआईपी मौजूद होने का अर्थ यह नहीं है कि पाटन नहीं हो रहा है।
- च. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि बीआईएस जैसी अन्य गैर-टैरिफ रूकावटें भी मौजूद हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि बीआईएस की मौजूदगी कतिपय गुणवत्ता मानदंडों को सुनिश्चित करने के लिए हैं। बीआईएस का अनुपालन घरेलू उद्योग के साथ-साथ सभी देशों से आयातों द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, बीआईएस के मौजूद होने से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि कोई पाटन नहीं हो रहा और घरेलू उद्योग को इसके कारण कोई क्षति नहीं हो रही।
- छ. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि रूस और चीन जन. गण. पर अधिमान्य व्यापार करारों की मौजूदगी के कारण बढ़ा हुआ सीमा शुल्क लागू है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सीमा शुल्क में वृद्धि करने के बाद भी घरेलू उद्योग कम कीमत पर पाटित आयातों के साथ मुकाबला करने में समर्थ नहीं है।
- ज. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादन की मात्रा के आंकड़े आवश्यकतानुसार केवल जेपीसी डाटा से प्राप्त किए गए हैं। इसके अलावा, प्राधिकारी ने इन निष्कर्षों में डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- झ. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग और निर्यातकों द्वारा प्रयुक्त निर्माण प्रक्रिया में अंतर है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सबसे महत्वपूर्ण बात, जिसका विश्लेषण किया जाना है, वह यह है कि क्या आयातित वस्तुएं समान वस्तुएं हैं अथवा नहीं। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई भी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तुएं आयातित वस्तुओं की तुलना में समान वस्तु नहीं हैं। इसके अलावा, घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों में उत्पादकों द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया में मामूली अंतर हो सकता है लेकिन यह मामूली अंतर इसके अंतिम उपयोगों के संदर्भ में संबद्ध वस्तुओं पर प्रभाव नहीं डालता। यह भी उल्लेखनीय है कि आयातित वस्तुएं और घरेलू रूप से निर्मित वस्तुएं दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से एक-दूसरे की प्रतिस्थापनीय हैं।
- ञ. जहां तक भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने के अनुरोध का संबंध है, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(3) में प्रावधान इस प्रकार है:

जांच के अधीन पाटित वस्तु के संबंध में यदि केंद्र सरकार का यह अभिमत है कि:

- (i) *पाटन काफी पहले से किया जा रहा है, जिससे क्षति हुई है अथवा कि आयातक को यह ज्ञात था अथवा ज्ञात होना चाहिए था कि निर्यातक पाटन कर रहा है और यह कि ऐसे पाटन से क्षति पहुँचेगी, और*
 - (ii) *अपेक्षाकृत लघु अवधि में आयातित किसी वस्तु के भारी मात्रा में पाटन से क्षति हुई है, जिससे पाटित आयातित वस्तु के समय और मात्रा एवं अन्य परिस्थितियों के मद्देनजर लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क का सुधारात्मक प्रभाव कम होने की संभावना है, तो केंद्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से उप-धारा (2) के अंतर्गत भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से पहले की तारीख से पाटनरोधी शुल्क लगा सकती है परंतु इस उप-खंड के अंतर्गत शुल्क अधिरोपण की तारीख अधिसूचना की तारीख से नब्बे दिन पूर्व तक ही होगी और इस समय लागू किसी कानून में किसी बात के होते हुए भी ऐसे शुल्क का भुगतान उस दर एवं उस तारीख से किया जाएगा, जिसे अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया गया हो।*
- ट. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम की अवस्था में पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से लगाने से संबंधित मामले की जांच करेगी।
- ठ. वर्तमान जांच आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना/डाटा के प्रथम दृष्टया विश्लेषण के आधार पर शुरू की गई है, जिसमें कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन, इस पाटन के कारण आवेदक को क्षति और दोनों केंद्रीय कारणात्मक संबंध दर्शाया गया है। प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि आवेदक द्वारा प्रस्तुत भ्रामक आंकड़ों और प्राधिकारी द्वारा आंकड़ों के अनुचित मूल्यांकन के आधार पर जांच शुरू करना कानून के अनुसार गलत है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वह जांच की शुरुआत के समय याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर सूचना की सटीकता और पर्याप्तता के बारे में प्रथम दृष्टया स्वयं संतुष्ट हैं।
- ड. **पाटन मार्जिन**

बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

1) सामान्य मूल्य

18. धारा 9क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य:

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो ; अथवा

(ख) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्भूत वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ;

परंतु यह कि उद्भूत वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

गैर-व्यापार अर्थव्यवस्था वाले देशों के संबंध में प्रावधान:

19. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 में कहा गया है:

"7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयवधि प्रदान की जाएगी।"

8. (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ कि देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

- (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास अन्य बड़े खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;
- (ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्म के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है:-
- (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं:-

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

20. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोधों और जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत समझा गया है, उनकी जांच की गई है, जो नीचे दिए गए हैं:
- क. सामान्य मूल्य की गणना तथ्यात्मक स्थिति की बजाए पूर्वानुमानों के आधार पर है, जो वैध नहीं है। सामान्य मूल्य के घटकों जैसे लौह अयस्क की खपत, ऊर्जा खपत, श्रम लागत इत्यादि का ब्यौरा दिया जाना चाहिए।
- ख. रूसी संघ (रशियन फेडरेशन) ने रूसी आपूर्तिकर्ताओं के लिए पाटन मार्जिन की गणना करने की कार्यपद्धति पर चिन्ता व्यक्त की है। रूप से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के लिए बेंचमार्क की गणना करने के प्रयोजन से मेटल बुलेटिन प्राइस (एमबीपी) अविश्वसनीय और त्रुटिपूर्ण है। मेटल बुलेटिन प्राइस (एमबीपी) रूस की कीमतों के समरूप नहीं हैं क्योंकि वे पूर्वी यूरोप में उत्पादकों की कीमतों के आधार पर हैं न कि कवल रूस में उत्पादकों की कीमतों के आधार पर हैं। महानिदेशक को अपना निष्कर्ष रूसी निर्यातकों और उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत वास्तविक आंकड़ों के आधार पर देना चाहिए।
- ग. "भारतीय अनुभव" के आधार पर लागतों की गणना पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1 के विपरीत है, जिसमें कि यह विनिर्दिष्ट किया गया है कि सामान्यतः लागतों की गणना जांच के तहत आने वाले निर्यातकों अथवा उत्पादकों द्वारा रखे गए रिकार्ड के आधार पर की जानी चाहिए।"
- घ. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह प्रस्तुत किया है कि यदि लाभ अर्जन सौदे 20% से कम हैं तो सामान्य मूल्य का निर्धारण, उत्पादन की लागत और तर्कसंगत लाभ के आधार पर किया जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

21. जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में प्रस्तुत किए गए विभिन्न अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया है, इस प्रकार हैं:
- क. घरेलू उद्योग ने संबंध देशों के घरेलू बाजार में संबंधित उत्पाद की बिक्री कीमत के साक्ष्य प्रदान किए हैं।
- ख. इस बात पर विचार करने के लिए पर्याप्त कारण मौजूद हैं कि संबद्ध देशों में उत्पादक संबद्ध वस्तुओं का पाटन कर रहे हैं। ये उत्पादक विचाराधीन उत्पाद की बिक्री उत्पादन की लागत से भी कम कीमतों पर कर रहे हैं अथवा घरेलू कीमतें भारत के लिए निर्यात की कीमत से काफी अधिक हैं।
- ग. चीन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के बारे में संतुष्ट नहीं कर सका। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के किसी भी सदस्य देश ने संगत मानदंडों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है।
- घ. जब तक चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमों के तहत विनिर्दिष्ट मानकों को पूरा नहीं करते निर्दिष्ट प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना चाहिए।
- ङ. चीन जन, गण, से किसी भी उत्पादक/निर्यातक के बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

चीन जन. गण. के उत्पादक का गैर-बाजार अर्थव्यवस्था दावा

22. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में भारत और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अन्य सदस्य देशों द्वारा पाटनरोधी जांच में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन. गण. को नियमों के तहत निर्यातक देश अथवा व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा पूर्वानुमान का खंडन किए जाने के अध्यधीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है।
23. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के तहत, यदि चीन जन. गण. से निर्यातक पैरा 8 में उप-पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करें और इसे प्रतिकूल सिद्ध करे तो एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था पूर्वानुमान को खंडित किया जा सकता है। चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं में सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप-पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने अपेक्षित हैं ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सके कि क्या:
- क. कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी की लागत और श्रम सहित कीमतों और इनपुट, आउटपुट, बिक्री तथा निवेश के संबंध में चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में और इस संबंध में महत्वपूर्ण इनपुट की लागतें पर्याप्त रूप से बाजार के मूल्यों को दर्शाती हैं।
- ख. ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली, विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय बाजार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के द्वारा भुगतान के संबंध में हुए महत्वपूर्ण बदलावों के अध्यधीन हैं।
- ग. ऐसी फर्मों द्वारा लिए गए और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं, जो कि फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी देते हैं।
- घ. विनिमय दर परिवर्तन बाजार की दर पर किए गए हैं।
24. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। तदनुसार, प्राधिकारी को उपरोक्त किसी भी मानदंड की जांच करने की आवश्यकता नहीं है और यह पाया है कि चीन जन. गण. से उत्पादक/निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के तहत संचालित नहीं हो रहे हैं।

च. सामान्य मूल्य का निर्धारण

25. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित प्रारूप में और निर्धारित तरीके से सूचना प्रदान करने के लिए उन्हें परामर्श देते हुए प्रश्नावली भेजी। निम्नलिखित पक्षकारों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं:

1. कोरिया

1. हुंडई स्टील कंपनी (उत्पादक)
2. सेमवू कं. लि. (व्यापारी)
3. हुंडई कॉरपोरेशन (व्यापारी)
4. पीएंडए कॉरपोरेशन (व्यापारी)
5. मेन स्टील कं. लि. (व्यापारी)
6. ईआईएन कॉरपोरेशन (व्यापारी)
7. जीएस ग्लोबल कॉरपोरेशन (व्यापारी)
8. पोस्को एशिया कंपनी लि. (व्यापारी)
9. पोस्को, कोरिया (उत्पादक)

10. देवू इंटरनेशनल (दिनांक 14 मार्च, 2016 से नाम बदलकर पोस्को देवू कॉरपोरेशन किया गया है) (व्यापारी)
11. पोस्को प्रोसेसिंग एंड सर्विसेज कं. लि. (व्यापारी)
12. सैमसंग सीएंडटी कॉरपोरेशन (व्यापारी)

II. जापान

13. हनवा कं. लि. (व्यापारी)
14. मितसुई एंड कं. लि. (व्यापारी)
15. मरुबेनी इटोचू स्टील इंक. (व्यापारी)
16. जीएफई स्टील कॉरपोरेशन (उत्पादक)
17. जेएफई शोजी ट्रेड कॉरपोरेशन (व्यापारी)
18. होंडा ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (व्यापारी)
19. ओहमी इंडस्ट्रीज लि. (व्यापारी)
20. निप्पोन स्टील एंड सुमिकिन बस्सन कॉरपोरेशन (व्यापारी)
21. शिमसो कारपोरेशन (व्यापारी)
22. निशिन स्टील कं. लि. (उत्पादक)
23. सुमितोमो कॉरपोरेशन (व्यापारी)
24. निप्पो स्टील एंड सुमितोमो मेटल कॉरपोरेशन (उत्पादक)
25. कनेमत्सु कॉरपोरेशन लि. (व्यापारी)
26. टोयोटा त्शुशो कॉरपोरेशन (व्यापारी)
27. मेटल वन कॉरपोरेशन (व्यापारी)
28. निशान ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (व्यापारी)
29. उत्तम गलवा इंटरनेशनल एफजेडई, यूएई (व्यापारी)
30. उत्तम गलवा इंटरनेशनल पीटीई. लि., सिंगापुर (व्यापारी)
31. कयोशो कं. लि. (व्यापारी)

III. चीन जन गण

32. झांगजियाजेंग हांगकांग स्टील प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
33. झांगजियाजेंग जीटीए प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
34. शाजांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) पीटीई. लि. (व्यापारी)
35. जिंगशा इंटरनेशनल पीटीई. लि. (व्यापारी)
36. झांगजियाजेंग शाजांग हैवी प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
37. जियांगसू शाजांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)

38. ननजियांग आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)
39. ननजियांग आयरन एंड स्टील ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
40. सिंगापुर जिटिंग इंटरनेशनल पीटीई. लि. (व्यापारी)
41. अंगांग ग्रुप हांगकांग कं. लि. (व्यापारी)
42. अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
43. वुयांग न्यू हैवी एंड वाइड स्टील प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
44. वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि. (व्यापारी)
45. हेवेई आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) पीटीई. लि. (व्यापारी)
46. हेवेई आयरन एंड स्टील (हांगकांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
47. साल्जगिटर मानेसमान इंटरनेशनल जीएमबीएच (व्यापारी)
48. निंगबो सिमेई इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (व्यापारी)
49. लु किन (हांगकांग) कं. लि. (व्यापारी)
50. बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड (व्यापारी)
51. फ्यूचर मेटेरियल्स इंडस्ट्री (हांगकांग) कं. लि. (व्यापारी)
52. स्टीलको पेसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड (व्यापारी)

IV. इंडोनेशिया

53. पीटी क्रेकटाउ पोस्को, इंडोनेशिया

26. रूस और ब्राजील से संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किए हैं।

चीन जन. गण. में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

27. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। अतः अनंतिम जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग द्वारा रिकार्ड में रखे गए तथ्यों को देखते हुए, प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए निर्मित सामान्य मूल्य को अपनाया है।

चीन जन. गण. में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कार्यप्रणाली

28. उपरोक्त को देखते हुए चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार किया जाना है। अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार, चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में घरेलू बिक्री की कीमतों अथवा एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्मित मूल्य अथवा ऐसे एक तीसरे देश से किसी अन्य देश को निर्यात कीमत, जिसमें भारत शामिल है, के आधार पर किया जाना है। तथापि, यदि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपरोक्त विकल्पों के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी भी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजन करते हुए समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत शामिल है।
29. किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तुओं के लिए किसी भी विश्वसनीय कीमत और लागत संबंधी व्यौरें उपलब्ध न होने पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजन करते हुए समान वस्तु के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत के आधार पर चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण किया है। तदनुसार, चीन जन. गण. से सभी निर्यातकों के लिए कॉइल में हॉट रोलड और कॉइल में हॉट रोलड नहीं (शीट/प्लेट) के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण किया गया है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

कोरिया आरपी और जापान में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए साधारण पद्धति**

30. प्राधिकारी द्वारा पहले यह निर्धारित किया गया था कि संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कुल घरेलू बिक्री भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात की तुलना करते समय नमूने के तौर पर थी।
31. उसके पश्चात् यह जाँच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के **अनुबंध-I** के पैरा 2 की शर्तों के अनुसार उनकी बिक्री सामान्य तौर पर थी। जहाँ उत्पादकों/निर्यातकों ने घरेलू बाजार में की गई बिक्री का लेन-देनवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है और प्राधिकारी द्वारा उसे स्वीकृत कर लिया गया है, उक्त सूचना घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निर्धारित करते समय उन पर विश्वास किया गया है।
32. साधारण व्यापार जाँच करने के लिए संबंधित उत्पाद के उत्पादन की लागत की जाँच उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के संदर्भ में की गई थी और यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू बिक्री व्यापार के स्वाभाविक तौर पर की गई थी अथवा नहीं, की घरेलू बिक्री कीमत से तुलना की गई थी। प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों जहाँ लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से अधिक है और उन मामलों में जहाँ लाभप्रद लेन-देन 80% से कम है, के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बाजार में सभी लेन-देन को ध्यान में रखा है और सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री पर ही विचार किया गया है।

कोरिया आरपी**सहयोगी निर्यातकों का सामान्य मूल्य****मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी ("ह्यूंडे स्टील") कोरिया आरपी, (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य**

33. पीओआई के दौरान ह्यूंडे स्टील ने घरेलू बाजार में ***मिलियन केआर विन बीजक वाली *** एमटी संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की। घरेलू बाजार में सारी बिक्री पीओआई के दौरान गैर-संबद्ध पक्षकारों को की गई थी। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए व्यापार जाँच स्वाभाविक तौर पर की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए साधारण व्यापार जाँच की। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है। ह्यूंडे स्टील ने ऋण लागत और अंतर्देशीय भाड़ा के कारण समायोजन का दावा किया है और उसके लिए प्राधिकारी द्वारा अनंतिम रूप से अनुमति दी गई है। तदनुसार, ह्यूंडे स्टील के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

मैसर्स पोस्को, कोरिया आरपी (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य

34. पीओआई के दौरान पोस्को ने नीचे दिए अनुसार संबद्ध और असंबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की:

विवरण	मात्रा (एमटी)	%	दायर उत्तर
असंबद्ध पक्षकार	***	***	
संबद्ध पक्षकार	***	***	
1. ***	***	***	नहीं
2. ***	***	***	नहीं
3. ***	***	***	नहीं

विवरण	मात्रा (एमटी)	%	दायर उत्तर
4. ***	***	***	नहीं
5. ***	***	***	नहीं
6. ***	***	***	हाँ
7. ***	***	***	नहीं
8. ***	***	***	नहीं
9. ***	***	***	नहीं
10. ***	***	***	नहीं
11. ***	***	***	नहीं
12. ***	***	***	नहीं
13. ***	***	***	नहीं
कुल संबद्ध पक्षकार	***	***	
सकल योग	***	***	

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पोस्को को छोड़कर उपरोक्त उल्लिखित किसी भी पक्षकार ने प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं। तथापि, यह भी नोट किया गया है कि पीओआई के दौरान गैर-संबद्ध पक्षकारों को 80% अधिक घरेलू बिक्री की गई है। इसलिए प्राधिकारी जाँच और आगे कोरिया आरपी में संबद्ध कंपनियों से सूचना के अध्यधीन अनंतिम रूप से घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए सभी घरेलू बिक्री लेन-देन को ध्यान में रखा गया है। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है।
36. पोस्को ने अंतर्देशीय भाड़ा, लदाई प्रभार, पैकेजिंग लागत, वारंटी लागत, ऋण व्यय, अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय और व्यापार के स्तर के कारण समायोजन का दावा किया है। अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने वारंटी लागत, अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय और व्यापार के स्तर के लिए समायोजनों को स्वीकार नहीं किया है। तदनुसार, पोस्को के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

मैसर्स सैमवू कं. लि. ("सैमवू"), कोरिया आरपी

37. मैसर्स सैमवू कं. लि., कोरिया आरपी ने संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक होने का दावा करते हुए प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि सैमवू कोरिया आरपी एचआर कॉयलों के विभिन्न उत्पादकों से एचआर कॉयलें खरीदने के बाद केवल पिकलिंग और ऑयलिंग प्रक्रिया में लगा है। सैमवू ने एचआर कॉयलों के उन उत्पादकों जिनसे उसने एचआर कॉयलें खरीदी हैं, के बारे में कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है। इसलिए प्राधिकारी सैमवू के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करने में सक्षम नहीं हैं और अनंतिम जाँच परिणाम के प्रयोजन के लिए सैमवू द्वारा दायर उत्तर स्वीकार नहीं करते। तदनुसार, सैमवू के लिए अनंतिम सामान्य मूल्य प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों पर आधारित है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

कोरिया आरपी के गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

38. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया आरपी के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। कोरिया आरपी में गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातक के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

जापान के लिए सामान्य मूल्य**मैसर्स जेएफई स्टील कारपोरेशन जापान (उत्पादक) ("जेएफई") के लिए सामान्य मूल्य**

39. पीओआई के दौरान जेएफई ने नीचे दिए अनुसार संबद्ध और गैर-संबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की:

कंपनी	मात्रा एमटी	%	दायर उत्तर
कॉयल			
असंबद्ध पक्षकार	***	***	
संबद्ध पक्षकार	***	***	
1. ***	***	***	नहीं
2. ***	***	***	नहीं
3. ***	***	***	हाँ
4. ***	***	***	नहीं
कुल संबद्ध पक्षकार	***	***	
सकल योग	***	***	
नॉट कॉयल में	***	***	
असंबद्ध पक्षकार	***	***	
***	***	***	हाँ
कुल नॉट कॉयल में	***	***	

40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जेएफई शोजी ट्रेडिंग को छोड़कर उपरोक्त उल्लिखित किसी भी पक्षकार ने अपने उत्तर दायर नहीं किए हैं। तथापि, प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि कुल घरेलू बिक्री की दृष्टि से गैर-सहयोगी पक्षकारों को की गई घरेलू बिक्री बहुत कम है। इसलिए प्राधिकारी जाँच और संबद्ध कंपनियों से आगे सूचना के अध्यधीन घरेलू बिक्री को अनंतिम रूप से स्वीकार करते हैं। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है।
41. सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए स्वाभाविक व्यापार जाँच की है। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है।
42. जेएफई ने अंतर्देशीय भाड़ा, संभाल, भंडारण और कमीशन के कारण समायोजन का दावा किया है। अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने सभी समायोजनों को अनंतिम रूप से स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, जेएफई के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारत औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

मैसर्स निप्पॉन स्टील एण्ड सुमिटोमो मेटल कारपोरेशन ("एनएसएसएमसी") के लिए सामान्य मूल्य

43. पीओआई के दौरान एनएसएसएमसी ने नीचे दिए अनुसार संबद्ध और गैर-संबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की:

कंपनी	मात्रा एमटी	%	दायर उत्तर
संबद्ध			
1. ***	***	***	नहीं
2. ***	***	***	हाँ
3. ***	***	***	नहीं
4. ***	***	***	हाँ
5. ***	***	***	नहीं
6. ***	***	***	नहीं
कुल संबद्ध	***	***	
कुल असंबद्ध	***	***	
सकल योग	***	***	

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिकिन बुस्सान कारपोरेशन एण्ड निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिकिन पाइप कं., लि. को छोड़कर उपरोक्त उल्लिखित किसी भी संबद्ध पक्षकार ने उत्तर दायर नहीं किए हैं। तथापि, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि गैर-सहयोगी संबद्ध पक्षकारों को की गई घरेलू बिक्री कुल घरेलू बिक्री की दृष्टि से बहुत कम है। इसलिए प्राधिकारी जाँच तथा संबद्ध कंपनियों से आगे सूचना के अध्यधीन घरेलू बिक्री को अनंतिम रूप से स्वीकार करते हैं। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्री की मात्रा पर्याप्त है।
45. सामान्य मूल्य निर्धारित करते हुए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए स्वाभाविक व्यापार जाँच की है। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है।
46. एनएसएसएमसी ने कीमत समायोजन, छूट, शीघ्र भुगतान, अंतर्देशीय भाड़ा, बीमा, ऋण लागत, भंडारण और संभाल के कारण समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए सभी समायोजनों को अनंतिम रूप से स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, एनएसएसएमसी के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

निशिन स्टील कं. लि.

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड (एनएससी) ने संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक होने का दावा करते हुए निर्यातकों के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और सूचित किया है कि इसने जापान में व्यापारियों के जरिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनएससी ने परिशिष्ट-1 में घरेलू बिक्री और लागत संबंधी अन्य सूचना के बारे में कोई ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किया है। एनएससी ने केवल परिशिष्ट-2क और 2ख प्रस्तुत किया है जो पूरी तरह से अपूर्ण है। इसलिए प्राधिकारी कोई सूचना नहीं होने कारण एनएससी के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करने में सक्षम नहीं है और एनएससी द्वारा दायर उत्तर अस्वीकृत कर दिया। तदनुसार, एनएससी के लिए अनंतिम सामान्य मूल्य प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों पर आधारित है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

जापान के गैर सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। जापान में गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर एचआर कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

इंडोनेशिया के लिए सामान्य मूल्य**मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया ने निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया द्वारा यह कहा गया है कि उन्होंने विभिन्न व्यापार कंपनियों के जरिए भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। तथापि, मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया द्वारा नाम बताई गई इन कुछ व्यापार कंपनियों ने अपने उत्तर में भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात के बारे में सूचित नहीं किया है जोकि मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया द्वारा निर्मित की जा रही है। व्यापारियों द्वारा इस महत्वपूर्ण सूचना को दबाए रखने के कारण प्राधिकारी मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया के उत्तर को स्वीकार नहीं करते और बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर कंपनी के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करता है तथा इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दिया गया है।

इंडोनेशिया के अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इंडोनेशिया के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। इंडोनेशिया में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर एचआर कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

रूस में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रूस के किसी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और सहयोग नहीं किया है। रूस में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर एचआर कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ब्राजील के अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ब्राजील के किसी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और सहयोग नहीं किया है। ब्राजील में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर एचआर कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

1) निर्यात कीमत**कोरिया आरपी के लिए निर्यात कीमत**

मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपोरेशन कोरिया आरपी, मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन, कोरिया आरपी, मैसर्स मेन स्टील कं., लि., कोरिया आरपी, मैसर्स पीएण्डए कारपोरेशन, कोरिया आरपी और ओह्वा इंडस्ट्रीज लि., जापान (निर्यातकों/व्यापारियों) सहित मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी, कोरिया आरपी (उत्पादक) के लिए निर्यात कीमत

53. कोरिया आरपी में संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी ने अपनी असंबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपोरेशन कोरिया आरपी, मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन, कोरिया आरपी, मैसर्स मेन स्टील कं., लि., कोरिया आरपी, मैसर्स पीएण्डए कारपोरेशन, कोरिया आरपी और ओह्वा इंडस्ट्रीज लि., जापान सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। इन व्यापार कंपनियों ने पीओआई के दौरान ह्यूंडे स्टील द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत में निर्यात किया। इन सभी निर्यातकों/व्यापारियों ने प्राधिकारी को अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। भारत को निर्यातित पीयूसी की मात्रा नीचे दी गई है:

भारत से निर्यात	मात्रा (एमटी)	%	दायर उत्तर
***	***	***	हाँ
***	***	***	हाँ

***	***	***	हाँ
***	***	***	हाँ
***	***	***	हाँ
***	***	***	हाँ
भारत से कुल निर्यात	***	***	हाँ

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ह्यूंडै स्टील ने एचआर कॉयलों, एनआरपीसी कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट (शीट/प्लेट) के रूप में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों के जरिए ह्यूंडै स्टील की निर्यात बिक्री एफओबी/सीएफआर आधार पर है। ह्यूंडै स्टील ने अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, संभाल प्रभार, निरीक्षण फीस, बैंक प्रभार, वेयरहाउस व्यय, बीमा फीस और ऋण व्यय के कारण समायोजन का दावा किया है और उसके लिए अंतिम रूप से अनुमति दे दी गई है। तदनुसार, ह्यूंडै स्टील के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

मैसर्स पोस्को, कोरिया आरपी (उत्पादक) तथा मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, कोरिया आरपी, मैसर्स ह्यूंडै कारपोरेशन, कोरिया आरपी, मैसर्स सैमसंग सीएण्डटी कारपोरेशन, कोरिया आरपी, मैसर्स दैवू इंटरनेशनल, कोरिया आरपी, मैसर्स पोस्को एशिया, कोरिया आरपी, पोस्को पीएण्डएस, कोरिया आरपी व्यापारियों के लिए निर्यात कीमत

55. कोरिया आरपी में संबद्ध वस्तुओं के एक उत्पादक मैसर्स पोस्को ने अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मैसर्स पोस्को, कोरिया आरपी (उत्पादक) तथा मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, कोरिया आरपी, मैसर्स ह्यूंडै कारपोरेशन, कोरिया आरपी, मैसर्स सैमसंग सीएण्डटी कारपोरेशन, कोरिया आरपी, मैसर्स दैवू इंटरनेशनल, कोरिया आरपी, मैसर्स पोस्को एशिया, कोरिया आरपी, पोस्को पीएण्डएस, कोरिया आरपी जिन्होंने पोस्को द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत में निर्यात किया है, प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। पीओआई के दौरान पोस्को ने भारत में अपनी संबद्ध कंपनी पोस्को, महाराष्ट्र को सीधे भी निर्यात किया है। इसके अतिरिक्त, पोस्को ने अन्य व्यापारियों, जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं, के जरिए कुछ मात्रा का भी निर्यात किया है।
ब्यौरा नीचे दिया गया है:

कंपनी का नाम	मात्रा एमटी	%	दायर उत्तर
असंबद्ध ट्रेडर्स			
***	***	***	हाँ
***	***	***	नहीं
***	***	***	हाँ
***	***	***	नहीं
***	***	***	नहीं
***	***	***	हाँ

कंपनी का नाम	मात्रा एमटी	%	दायर उत्तर
***	***	***	नहीं
***	***	***	नहीं
असंबद्ध व्यापारी/आयातक - कुल	***	***	
संबद्ध व्यापारी/आयातक			
***	***	***	हाँ
***	***	***	हाँ
***	***	***	नहीं
***	***	***	हाँ
***	***	***	हाँ
संबद्ध व्यापारी/आयातक-कुल	***	***	
कुल भारत से निर्यात	***		

56. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ संबद्ध और असंबद्ध व्यापारियों ने अपने उत्तर दायर किए हैं हालांकि प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि गैर-सहयोगी संबद्ध/असंबद्ध पक्षकारों के जरिए भारत में किया गया निर्यात भारत को कुल निर्यात की दृष्टि से बहुत कम है। इसलिए प्राधिकारी जाँच और आगे संबद्ध कंपनियों की सूचना के अध्यक्षीन भारत को बिक्री के लिए निर्यात को अनंतिम रूप से स्वीकार करते हैं। अपनी सहयोगी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों के जरिए पोस्को की निर्यात बिक्री एफओबी/सीएण्डएफ आधार पर है। पोस्को ने अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, लदाई भाड़ा, पैकिंग और ऋण व्यय के कारण समायोजन का दावा किया है और उसके लिए अनंतिम अनुमति दे दी गई है। तदनुसार, पोस्को के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

मैसर्स ईआईएन कारपोरेशन, कोरिया आरपी (निर्यातक/व्यापारी) सहित मैसर्स सैमवू कं.लि., ("सैमवू") कोरिया आरपी

57. प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि मैसर्स सैमवू कं., लि., कोरिया आरपी ने भारत को केवल पिकड और ऑयलड एचआर कॉयलों का निर्यात किया है। सैमवू एचआर कॉयलों का निर्माण नहीं करता है परंतु कोरिया आरपी में एचआर कॉयलों के विभिन्न उत्पादकों से एचआर कॉयलें खरीदने के पश्चात् पिकलिंग/ऑयलिंग प्रक्रिया ही कर रहा है। इसलिए, प्राधिकारी अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए सैमवू द्वारा दायर किए गए उत्तर को स्वीकार नहीं करता और निर्यात कीमत निर्धारित करने में सक्षम नहीं है। तदनुसार, सैमवू के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों पर आधारित है।

कोरिया आरपी के गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

58. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया आरपी के अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। कोरिया आरपी में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

जापान के लिए निर्यात कीमत

होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान, जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, जापान मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., जापान, मित्सुई एण्ड कं.लि., ओह्शी इंडस्ट्रीज, लि., जापान, उत्तम गाल्वा इंटरनेशनल प्रा.लि., सिंगापुर, उत्तम गाल्वा इंटरनेशनल एफजेडई, दुबई, कयोशो कं. लि., शिंशो कारपोरेशन, जापान एण्ड मेटल वन कारपोरेशन, जापान (निर्यातकों/व्यापारियों) के जरिए मैसर्स जेएफई स्टील कारपोरेशन, जापान (उत्पादक) के लिए निर्यात कीमत

59. जेएफई ने अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान, जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, जापान मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., जापान, मित्सुई एण्ड कं.लि., ओह्शी इंडस्ट्रीज, लि., जापान, उत्तम गाल्वा इंटरनेशनल प्रा.लि., सिंगापुर, उत्तम गाल्वा इंटरनेशनल एफजेडई, दुबई, कयोशो कं. लि., जापान, शिंशो कारपोरेशन, जापान एण्ड मेटल वन कारपोरेशन, जापान, जिन्होंने जेएफई द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है, सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। इसके अतिरिक्त, जेएफई ने भी अन्य व्यापारियों जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं, के जरिए कुछ मात्रा का निर्यात किया है। ब्यौरा नीचे दिया गया है:

कंपनी	मात्रा एमटी	%	दायर उत्तर
संबद्ध व्यापारी- (जेएफई ट्रेडिंग)	***	***	हाँ
असंबद्ध व्यापारियों	***	***	
1. होण्डा ट्रेडिंग	***	***	हाँ
2. मरुबेनी-आईटॉक	***	***	हाँ
3. मेटल वन कॉर्प	***	***	हाँ
4. मित्सुई एण्ड कं.	***	***	हाँ
5. ओह्शी इंडस्ट्री	***	***	हाँ
6. सातो शोजी के.के.	***	***	नहीं
7. शिंशो कारपोरेशन	***	***	हाँ
8. टोयोटा टीसुशो	***	***	हाँ
कुल असंबद्ध निर्यात	***	***	
कुल भारत से निर्यात पीयूसी	***	***	

60. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी असंबद्ध व्यापारी ने अपने उत्तर दायर नहीं किए हैं। तथापि, प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि गैर-सहयोगी असंबद्ध पक्षकारों ने भारत को कुल निर्यात की दृष्टि से कम निर्यात किया है। इस प्राधिकारी जाँच के अध्यक्षीन भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात को स्वीकार करता है। जे एफ ई ने अपने उत्तर में सुपुर्दगी की सभी शर्तें और स्पष्टीकरण सूचित नहीं किए हैं और निर्यात कीमतों से समायोजनों का दावा नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब भी अन्य उत्पादकों ने निर्यात कीमत के लिए समायोजनों का दावा किया है जेएफई द्वारा किसी समायोजन का दावा नहीं किया गया है। इसलिए प्राधिकारी ने जापान से अन्य सहयोगी निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर निर्यात कीमत से अनंतिम समायोजन किया है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ व्यापारियों ने हानि पर अथवा उस कीमत पर जो व्यापारियों के व्यय की वसूली नहीं करती, भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। इसलिए प्राधिकारी ने व्यापारियों के व्यय के लिए भी उपयुक्त समायोजन किए हैं। तदनुसार, जेएफई के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

हन्वा कं. लि., जापान, होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान, कानेमात्सु कारपोरेशन लि., जापान, मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., जापान, मित्सुई एण्ड कं. लि., जापान, निप्पॉन स्टील एण्ड सुमिकीन बुस्सान कारपोरेशन सूमिटोमो कारपोरेशन, जापान एण्ड मेटल वन कारपोरेशन, जापान (निर्यातकों/व्यापारियों) के जरिए मैसर्स निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिटोमो मेटल कारपोरेशन, जापान के लिए निर्यात कीमत

61. एनएसएसएमसी ने अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः हन्वा कं. लि., जापान, होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान, कानेमात्सु कारपोरेशन लि., जापान, मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., जापान, मित्सुई एण्ड कं. लि., जापान, निप्पॉन स्टील एण्ड सुमिकीन बुस्सान कारपोरेशन सूमिटोमो कारपोरेशन, जापान एण्ड मेटल वन कारपोरेशन, जापान जिन्होंने एनएसएसएमसी द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है, सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। इसके अतिरिक्त, एनएसएसएमसी ने भी अन्य व्यापारियों, जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं, के जरिए कुछ मात्रा का निर्यात किया है। ब्यौरा नीचे दिया गया है:

कंपनी	मात्रा एमटी	%	दायर उत्तर
निप्पॉन स्टील एण्ड सुमिकीन बुस्सान कारपोरेशन (संबद्ध)	***	***	हाँ
असंबद्ध आयातक/व्यापारियों	***	***	
1. हाण्वा कं., लि.	***	***	हाँ
2. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन	***	***	हाँ
3. कानेमात्सु कारपोरेशन	***	***	हाँ
4. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक.	***	***	हाँ
5. मेटल वन कारपोरेशन	***	***	हाँ
6. मित्सुई एण्ड कं., लि.	***	***	हाँ
7. सूमिटोमो कारपोरेशन	***	***	हाँ
8. टोयोटा टीसुशो कारपोरेशन	***	***	हाँ
कुल निर्यातक-असंबद्ध	***	***	
कुल भारत से निर्यात	***	***	

62. अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों के जरिए एनएसएसएमसी की निर्यात विक्री एफओबी आधार पर है। एनएसएसएमसी ने कीमत समायोजन, ऋण लागत, छूट, शीघ्र भुगतान, अंतर्देशीय भाड़ा, पैकिंग स्टोरेज तथा संभाल के कारण समायोजन का दावा किया है और उसे अनंतिम रूप से अनुमति दे दी गई है। तदनुसार, एनएसएसएमसी के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

जापान के गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। जापान में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

चीन पीआर के लिए निर्यात कीमत

संबद्ध कंपनी मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग कांग कं., लि., हांग कांग (निर्यातक/व्यापारी) के जरिए मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड, चीन पीआर (उत्पादक)

64. मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड (अंगांग) द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि अंगांग ने संबद्ध निर्यातक/व्यापारी नामतः मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग कांग कं. लि. ("अंगांग एचके") के जरिए भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। संबद्ध कंपनी के जरिए निर्यात, भारत को निर्यात का लगभग 87% है। अन्य व्यापारियों मैसर्स एस शिप रिसाइक्लिंग प्रा.लि., मैसर्स बेंटलर ट्रेडिंग इंटरनेशनल जीएमबीएच, मैसर्स एसके नेटवर्क्स कं., लि. एण्ड मैसर्स स्पाक एलॉयज एफजेडई ने भी कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। हालांकि प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि गैर-सहयोगी असंबद्ध पक्षकारों के जरिए भारत को किया गया निर्यात भारत के कुल निर्यात की दृष्टि से कम है। पीओआई के दौरान अंगांग ने *** आरएमबी मूल्य के बीजक की *** एमटी वस्तुओं का निर्यात किया है। भारतीय ग्राहकों को बिक्री सीएफआर आधार पर है। उत्पादक/निर्यातक ने अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन, संभाल प्रभार/सीमा शुल्क फीस, समुद्री भाड़ा और कमीशन के कारण समायोजनों का दावा किया है और उसकी अनुमति दे दी गई है। प्राधिकारी ने आगे अनंतिम रूप से वापस नहीं करने योग्य वैट के कारण समायोजन किया है। तदनुसार, अंगांग के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारत औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

अपनी संबद्ध और गैर-संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मैसर्स जियांगसू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं., लि., (शगांग इंटरनेशनल), चीन पीआर, मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) प्रा. लि. (शगांग सिंगापुर), सिंगापुर, मैसर्स जिंशा इंटरनेशनल प्रा. लि., (जिंशा), सिंगापुर, मैसर्स बरविल रिसोर्स लिमिटेड, बीबीआई, मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांग कांग) कं., लि., हांग कांग, मैसर्स लु क्विन (हांग कांग) कं., लि., हांग कांग, मैसर्स निंग्बो सिमेई इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं., लि., चीन पीआर, मैसर्स स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड, हांग कांग, मैसर्स जीएस ग्लोबल कार्पो., कोरिया आरपी (निर्यातक/व्यापारी) सहित मैसर्स जांगजियांग जीटीए प्लेट कं., लि. (जीटीए), चीन पीआर, मैसर्स जांगजियांग हांगचांग स्टील प्लेट कं., लि., (हांग चांग), चीन पीआर, मैसर्स जांगजियांग शेजिंग हेवी प्लेट कं., लि., (शेजिंग), चीन पीआर, (उत्पादक/विनिर्माता)

65. मैसर्स जांगजियांग जीटीए प्लेट कं., लि. (जीटीए), चीन पीआर, मैसर्स जांगजियांग हांगचांग स्टील प्लेट कं., लि., (हांग चांग), चीन पीआर, मैसर्स जांगजियांग शेजिंग हेवी प्लेट कं., लि., (शेजिंग), संबद्ध वस्तुओं की संबंधित कंपनियां और उत्पादक हैं। इन उत्पादकों ने अपनी संबद्ध कंपनी मैसर्स जियांगसू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं., लि., (शगांग इंटरनेशनल) को संबद्ध वस्तुएं बेची हैं। शगांग इंटरनेशनल ने आगे संबद्ध वस्तुओं की बिक्री मैसर्स अंगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) प्रा. लिमिटेड (अंगांग सिंगापुर) और मैसर्स जिंशा इंटरनेशनल प्रा. लि., (जिंशा) को की है। शगांग, सिंगापुर और जिंशाएच ने मैसर्स बरविल रिसोर्स लिमिटेड, बीबीआई, मैसर्स निंग्बो सिमेई इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं., लि., चीन पीआर, मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांग कांग) कं., लि., मैसर्स लु क्विन (हांग कांग) कं., लि., मैसर्स स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड, मैसर्स जीएस ग्लोबल कार्पो., मैसर्स बी एण्ड एल मेटल (एचके) लि., मैसर्स सीजीएस (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड तथा मैसर्स हांगजू कोजेनरेशन (हांगकांग) कं. लि. को बेची हैं जिन्होंने संबद्ध वस्तुएं भारत को निर्यात की है।
66. उपरोक्त उल्लिखित कंपनियों में से मैसर्स बी एण्ड एल मेटल (एचके) लि., मैसर्स सीजीएस (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड तथा मैसर्स हांगजू कोजेनरेशन (हांगकांग) कं. लि. ने प्राधिकारी को अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं। हालांकि प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि गैर-सहयोगी असंबद्ध व्यापारियों के लिए भारत को किया गया निर्यात भारत के कुल निर्यात की दृष्टि से कम है। प्राधिकारी ने केवल उन निर्यात मात्राओं पर विचार किया है जिनके लिए अनंतिम निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए प्रश्नावली के उत्तर दायर किए गए हैं।

67. भारतीय ग्राहकों को बिक्री एफओबी और सीएफआर आधारित है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य उत्पादकों ने निर्यात कीमत से समायोजनों का दावा किया है जबकि जांगजियांग ग्रुप के लिए उत्पादकों द्वारा समायोजनों के लिए दावा नहीं किया गया है। इसलिए प्राधिकारी ने चीन पीआर के अन्य सहयोगी निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर निर्यात कीमत से अंतिम समायोजन किए हैं। तदनुसार, जांगजियांग के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों और कॉयल में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

हेबेई आयरन एण्ड स्टील (हांग कांग) इंटरनेशनल कं. लि., हांग कांग एण्ड हेबेई आयरन एण्ड स्टील (सिंगापुर) प्रा. लि., सिंगापुर, सलजिटर मनेसमन इंटरनेशनल जीएमबीएच, जर्मनी एण्ड बरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, बीवीआई के जरिए मैसर्स व्यूयांग न्यू हेवी एण्ड वाइड स्टील प्लेट कं. लि., ("डब्ल्यूवाईएनएच"), चीन पीआर और मैसर्स व्यूयांग आयरन एण्ड स्टील कं. लि. ("डब्ल्यूवाईआईएस"), चीन पीआर

68. डब्ल्यूवाईएनएच चीन पीआर में कॉयल में एचआर नॉट का एक उत्पादक है। डब्ल्यूवाईएनएच चीन पीआर में अपनी संबद्ध कंपनी डब्ल्यूवाईएस को कॉयलों में एचआर नॉट की बिक्री करता है। डब्ल्यूवाईआईएस ने अपनी संबद्ध कंपनियों हेबेई आयरन एण्ड स्टील (हांग कांग) इंटरनेशनल कं. लि., हांग कांग एण्ड हेबेई आयरन एण्ड स्टील (सिंगापुर) प्रा. लि. तथा असंबद्ध व्यापारियों के जरिए भी भारत को इसके द्वारा स्वयं विनिर्मित एचआर नॉट कॉयलों सहित इन वस्तुओं का निर्यात किया और असंबद्ध व्यापारियों नामतः सलजिटर मनेसमन इंटरनेशनल जीएमबीएच, जर्मनी एण्ड बरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, ब्रिटिश वर्जिन इनलैण्ड के जरिए भी निर्यात किया। भारतीय ग्राहकों को बिक्री एफओबी/सीआईएफ आधार पर है। पीओआई के दौरान डब्ल्यूवाईएनएच और डब्ल्यूवाईएस ने भारत को *** एमटी कॉयलों में एचआर नॉट का निर्यात किया। डब्ल्यूवाईएनएच और डब्ल्यूवाईआईएस ने अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन संभाल प्रभार, सीमा शुल्क फीस, समुद्री भाड़ा, बीमा और बैंक प्रभारों के कारण समायोजन का दावा किया है और उसे अंतिम रूप से अनुमति दी है। प्राधिकारी ने अंतिम रूप से गैर-वापसीयोग्य की दर से वैट के कारण आगे समायोजन किया है। तदनुसार, डब्ल्यूवाईएनएच और डब्ल्यूवाईआईएस के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉयलों में एचआर नॉट के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

नानजिंग आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक) के जरिए नानजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी), सिंगापुर जिनतेंग इंटरनेशनल पीटीई लि. (व्यापारी)

69. मैसर्स नानजिंग आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड ("एनआईएससीओ") द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एनआईएससीओ ने भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात मैसर्स नानजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड और सिंगापुर जिनतेंग इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड नामक संगत निर्यातक/व्यापारी के माध्यम से किया है। व्यापारियों ने इसकी प्रमुख मात्रा का निर्यात अन्य व्यापारियों नामतः हुंडई कॉरपोरेशन, प्रीसियस मैटल इंटरनेशनल (एचके) कं. लिमिटेड और हांग कांग बाओमिन ट्रेडिंग लिमिटेड के माध्यम से किया है। हुंडई कॉरपोरेशन ने इन निर्यातों की सूचना अपने उत्तर में प्रदान नहीं की है और प्रीसियस मैटल इंटरनेशनल (एचके) कं. लिमिटेड और हांग कांग बाओमिन ट्रेडिंग लिमिटेड ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। अतः प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए एनआईएससीओ द्वारा दाखिल उत्तर को स्वीकार नहीं करता और निर्यात कीमत का निर्धारण करने में असमर्थ है। तदनुसार, एनआईएससीओ के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर है।

चीन पीआर से गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन पीआर के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। चीन पीआर में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट के लिए अंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

इंडोनेशिया के लिए निर्यात कीमत**मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया**

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया ने निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं। मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया ने कहा है कि उन्होंने विभिन्न व्यापार कंपनियों के जरिए भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। तथापि, मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया द्वारा बताई गई इन कुछ व्यापार कंपनियों ने अपने उत्तर में भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने के बारे में सूचित नहीं किया है जोकि मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया द्वारा निर्मित व्यापारियों द्वारा इस महत्वपूर्ण सूचना को दबाए रखने के कारण प्राधिकारी मैसर्स पीटी क्राकाताउ पोस्को, इंडोनेशिया के उत्तर को स्वीकार नहीं करता और बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर कंपनी के लिए निर्यात कीमत निर्धारित करता है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

इंडोनेशिया में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इंडोनेशिया के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। इंडोनेशिया में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट के लिए अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

रूस में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रूस के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। रूस में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट के लिए अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ब्राजील में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ब्राजील के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। ब्राजील में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉयलों और कॉयलों में एचआर नॉट के लिए अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

3) पाटन मार्जिन

75. भारत के लिए निर्यात कीमत (निर्यातकों द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों तथा प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत का निवल) की तुलना पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए सामान्य मूल्य से की गई है। संबद्ध देशों के सभी सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पीओआई के दौरान पाटन मार्जिन नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाए अनुसार निर्धारित किया गया है।

पाटन मार्जिन तालिका**कॉयल में एचआर**

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%	पाटन मार्जिन रेंज%
1.	कोरिया आरपी	मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी	1. ह्यूंडे स्टील कंपनी 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, 3. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन, 4. मैसर्स मेन स्टील कं., लि.,	***	***	***	***	25-35

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निबल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%	पाटन मार्जिन रेंज %
			5. मैसर्स पीएण्डए कारपोरेशन, 6. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि., जापान					
2.	कोरिया आरपी	मैसर्स पोस्को	1. मैसर्स पोस्को 2. मैसर्स पोस्को दैबू कारपोरेशन 3. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, 4. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन, 5. मैसर्स सैमसंग सीएण्डटी कारपोरेशन. 6. मैसर्स पोस्को एशिया, हांग कांग 7. पोस्को पीएण्डएस	***	***	***	***	45-55
3.	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, 2. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, 3. मेटल बन कारपोरेशन 4. मित्सुई एण्ड कं. लि., 5. ओह्शी इंडस्ट्रीज, लि., 6. उत्तम गाल्वा इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर 7. उत्तम गाल्वा इंटरनेशन एफजेडई, दुबई, 8. टोयोटा शुशो कारपोरेशन 9. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक.	***	***	***	***	
4.	जापान	मैसर्स निप्पॉन स्टील एण्ड स्मिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. हाण्वा कं., लि. 2. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, 3. कानेमात्सु कारपोरेशन, लि.	***	***	***	***	50-60

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%	पाटन मार्जिन रेंज %
			4. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., 5. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 6. मित्सुई एण्ड कं. लि., 7. निप्पोन स्टील एण्ड सूमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 8. सूमितोयो कारपोरेशन 9. टोयोटा शूशो कारपोरेशन 10. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि.					
5.	चीन पीआर	मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड	मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग कांग कं., लि., हांग कांग	***	***	***	***	40-50
6.	चीन पीआर	1. मैसर्स जांगजियांग जीटीए प्लेट कं., लि. 2. मैसर्स जांगजियांग हांगशांग प्लेट कं., लि., 3. मैसर्स जांगजियांग शाजिंग ह्वी प्लेट कं., लि.,	1. मैसर्स जियांगसू शगांग इंटरनेशनल कं., लि., चीन पीआर 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशन (सिंगापुर) प्रा. लि., सिंगापुर 3. मैसर्स जिंशा इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर, 4. मैसर्स बरविल रिसोर्स लिमिटेड, बीबीआई 5. मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांग कांग) कं., लि., हांग कांग 6. मैसर्स लू क्विन (हांग कांग) कं., लि., हांग कांग 7. मैसर्स निंगबो सिमैई इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट	***	***	***	***	70-80

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%	पाटन मार्जिन रेंज %
			कं., लि., चीन पीआर 8. मैसर्सस्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड, हांग कांग 9. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प., कोरिया आरपी					

कौयल में एचआर नोट

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%	पाटन मार्जिन रेंज %
1.	कोरिया आरपी	मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी	1. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प 2. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन	***	***	***	***	150-160
2.	कोरिया आरपी	मैसर्स पोस्को	1. मैसर्स पोस्को देवू कारपोरेशन 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, 3. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन, 4. मैसर्स पोस्को एशिया, हांग कांग 5. पोस्को पीएण्डएस	***	***	***	***	30-40
3.	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, 2. मेटल वन कारपोरेशन 3. मित्सूई एण्ड कं. लि., 4. ओह्शी इंडस्ट्रीज, लि., 5. टोयोटा शूशो कारपोरेशन 6. शिशो कारपोरेशन, जापान	***	***	***	***	35-45

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%	पाटन मार्जिन रेंज %
			7. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक. 8. कयोशो कं. लि					
4.	जापान	मैसर्स निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. हाण्वा कं., लि. 2. मित्सुई एण्ड कं. लि., 3. निप्पॉन स्टील एण्ड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 4. सूमिटोमो कारपोरेशन 5. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि.	***	***	***	***	(25-35)
5.	चीन पीआर	मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड	मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग कांग कं., लि.	***	***	***	***	70-80
6.	चीन पीआर	1. मैसर्स जांगजियांग ग जीटीए प्लेट कं., लि. 2. मैसर्स जांगजियांग ग हांगशांग प्लेट कं., लि., 3. मैसर्स जांगजियांग ग शार्जिंग हेवी प्लेट कं., लि.,	1. मैसर्स जियांगसू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं., लि., 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) प्रा.लि.,	***	***	***	***	95-105
7.	चीन पीआर	1. मैसर्स वूयान न्यू हेवी एण्ड वाइड स्टील प्लेट कं., लि. 2. मैसर्स वूयांग	1. मैसर्स वूयांग ऑयरन एण्ड स्टील कं. 2. हेबेई ऑयरन एण्ड स्टील (हांग कांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं., लि. 3. हेबेई ऑयरन एण्ड स्टील (सिंगापुर)	***	***	***	***	70-80

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निबल निर्यात मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
		ऑयरन एण्ड स्टील कं., लि.	प्रा. लि., 4. साल्जगिट्टर मन्नेसमन्न इंटरनेशन जीएमबीएच जर्मनी 5. बरविल रिसोर्स लिमिटेड					

संबद्ध देशों से अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

76. संबद्ध देशों में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में भारत में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण, उपलब्ध श्रेष्ठ सूचना के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना को अपनाया गया है। इस प्रकार से तय किया गया पाटन मार्जिन नीचे तालिका में दिया गया है:-

क्वायल्स में एचआर (यूएस \$/एमटी)	जापान	कोरिया	रूस	ब्राजील	चीन	इंडोनेशिया
सामान्य मूल्य	***	***	***	***	***	***
निबल निर्यात कीमत	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन की % सीमा	80-90	45-55	30-40	40-50	70-80	80-90

क्वायल्स में एचआर (यूएस \$/एमटी)	जापान	कोरिया	रूस	चीन	इंडोनेशिया	ब्राजील
सामान्य मूल्य	***	***	***	***	***	***
निबल निर्यात कीमत	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन की % सीमा	55-65	155-165	80-90	95-105	110-120	20-30

77. यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन काफी अधिक है और यह संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के सभी उत्पादकों-निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में नियमावली के अंतर्गत निर्धारित सीमा से अधिक है।

छ. क्षति**आयातकों, निर्यातकों, प्रयोक्ताओं और प्रयोक्ता एसोसिएशनों द्वारा किए गए निवेदन**

78. क्षति से संबंधित मुद्दों के बारे में प्रतिवादी हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) विश्व भर में कच्चे माल और उपभोज्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है, जिसके फलस्वरूप स्टील की कीमतों में गिरावट आई है। वर्ष 2014-15 में लौह अयस्क, कोकिंग कोयले और ल्यूब्रीकेंट्स सहित मुख्य कच्चे माल की घरेलू और वैश्विक कीमतों में 30% से 60% तक की गिरावट आई है जिसके फलस्वरूप एचआर क्वाइल्स की कीमतों में 30% से 35% तक की गिरावट आई है। दूसरी ओर भारतीय स्टील उद्योग को अत्यधिक लाभ अर्जित करते समय ऐसी मंदी की दशाओं में वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा का सामना करने के लिए अपनी प्रतिस्पर्द्धात्मक क्षमता विकसित करनी चाहिए। इसलिए ऐसा कोई कारण नहीं है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कोई गिरावट आए।
- (ख) आयातों से केवल अतिरिक्त मांग की पूर्ति हुई है और बढे हुए आयातों को देश में विद्यमान कुल मांग के आलोक में देखा जाना चाहिए।
- (ग) भारतीय स्टील बाजार में चीन जनवादी गणराज्य से सस्ते आयातों की भरमार, तथ्यों की जांच किए बिना याचिकादाताओं की ओर से सुस्थिर मीडिया अभियान के आधार पर है। चीन जनवादी गणराज्य और अन्य देशों से सभी लदान, भारतीय उद्योग द्वारा दिए गए आर्डर पर है और इस प्रकार भारतीय उद्योग आयातों की मात्रा का निर्धारण करते हैं और न कि विदेशी उत्पादक। इसके अतिरिक्त मूल्य संबंधित उत्पादों के निर्यात उत्पादन के लिए शुल्क रहित योजना के अंतर्गत आयात, एचआर क्वाइल्स के आयातों का बल्क होते हैं। जेपीसी के आंकड़ों के अनुसार घरेलू उत्पादन और खपत के बीच व्याप्त अंतर को दूर करने के लिए भी आयात करने अत्यावश्यक थे।
- (घ) डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2012-2016 की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं की खपत में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और भारत में घरेलू खपत के संबंध रूस से आयातों में कमी हुई है।
- (ङ) विचाराधीन उत्पाद की समग्र भारतीय खपत में रूस के आयातों के हिस्से में वर्ष 2012-2013 से ले कर अप्रैल-दिसंबर, 2015 तक कोई वृद्धि नहीं हुई है, जबकि ये वर्ष 2013-14 तथा 2014-15 में पर्याप्त रूप से कम थे। हालांकि संबंधित देशों की तुलना में रूस के आयातों की कीमतें न्यूनतम थीं, अन्य देशों की तुलना में रूस के आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि नहीं हुई है। एनएलएमके ने यह निवेदन किया है कि अन्य देशों से आयातों के प्रभाव की तुलना में रूस से आयातों का पृथक रूप से मूल्यांकन किया जाए।
- (च) घरेलू उद्योग के उत्पादन के स्तर में गिरावट नहीं आई है और माल सूची में मामूली वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त 76% के क्षमता उपयोग के उचित स्तर से पता चलता है कि स्थिति आपदाजनक नहीं है, जैसा कि बताया गया है। 12% का बाजार का हिस्सा, इस तथ्य के आलोक में खतरे का संकेतक नहीं है कि अधिक मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उत्पादन में वृद्धि नहीं हुई है।
- (छ) घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग के निम्न स्तर होने का कारण कच्चे माल की आपूर्ति की कमी होना है। सरकार ने वर्ष 2013-14 में लौह-अयस्क के खनन पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके फलस्वरूप भारत में सभी स्टील निर्माता कंपनियों पर नकारात्मक वित्तीय प्रभाव पड़े हैं। भारत में कोयले की अधिक लागत आने के कारण भी कम क्षमता उपयोग हो रहा है। उत्पादन की तुलना में कोयले की मांग अधिक बनी हुई है।
- (ज) कच्चे माल की अधिक कीमतें और अत्यधिक उत्पादन लागत, घरेलू उद्योग के निराशाजनक वित्तीय परिणामों के प्रमुख कारक हैं। भारतीय उत्पादकों को कच्चे माल का आयात करना पड़ा था और अत्यधिक उत्पादन लागत आने के कारण उत्पादन को आस्थगित करना पड़ा था।
- (झ) वर्ष 2012-13, 2013-14 और 2014-15 में घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई थी। याचिकादाताओं की स्थापित क्षमता, लाभप्रदता, नकदी लाभ, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ में वृद्धि हुई थी, जबकि उसके उत्पादन की मात्रा स्थिर बनी हुई थी।
- (ञ) याचिका में इस तथ्य का कोई उल्लेख नहीं है कि जांच अवधि की अर्द्ध अवधि के दौरान जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड ने विजयनगर और डोलवी संयंत्र में स्थित अपनी दोनों भट्टियों को बंद कर दिया था। विपणन रिपोर्टों के अनुसार बढ़ी हुई क्षमताओं से मार्च,

2016 में सर्वाधिक स्टील का उत्पादन हुआ था। वित्तीय स्थिति पर इस कारक के नकारात्मक प्रभाव को आरोपित पाटित आयातों के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

- (ट) घरेलू स्टील उत्पादकों को अपनी निजी वित्तीय असंगतियों तथा लागत कम करने के लिए अनुसंधान व विकास की कमी के कारण क्षति हुई है। उन्होंने घाटा कम करने वाली विदेशी परियोजनाओं में बिलियन डालरों का निवेश किया है।
- (ठ) याचिकादाताओं के नकारात्मक वित्तीय परिणाम का कारण भारत में कच्चे माल की अधिक कीमत होना तथा उत्पादन की अधिक लागत होना है। भारतीय उत्पादक लौह अयस्क और कोयले का आयात करते हैं जो कि उनके उत्पादन को विदेशी कंपनियों के उत्पादन की तुलना में अधिक महंगा बनाता है। भारत में कोकिंग कोयले में राख की अधिक मात्रा होती है जो कि स्टील उद्योग के लिए उपयुक्त नहीं है।
- (ड) याचिकादाताओं के नकदी लाभ में कमी आने का कारण क्षमताओं में विस्तार करने, ब्याज और लाभांश का भुगतान करने तथा ऋण सेवाओं आदि पर अधिक खर्च होना है।
- (ढ) यदि याचिकादाताओं को अपनी क्षमताओं को वर्ष 2012-13 के स्तर पर बनाए रखना था तो उन्हें अपनी क्षमता उपयोग में वर्ष 2013-14 और 2014-15 में लगभग 92% तक की वृद्धि करनी पड़ती। इस प्रकार गलत प्रबंधकीय निर्णय लेने और नकारात्मक प्रभाव के लिए आयातों को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।
- (ण) याचिकादाताओं को आयातों के कारण नहीं बल्कि कुप्रबंध अथवा भारत में स्टील उद्योग की प्रणाली संबंधित लागत समस्याओं के कारण क्षति हुई है, जो कि वैश्विक कच्चे माल की कीमतों से अलग-थलग पड़ गया है। जांच अवधि के प्रारंभ में भारतीय स्टील उद्योग की सीमांत लागत लगभग 400 अमरीकी डालर थी जबकि चीन में उसके निकटस्थ प्रतिस्पर्द्धी की सीमांत लागत लगभग 319 अमरीकी डालर तथा यूरोप में 330 अमरीकी डालर थी।
- (त) याचिकादाताओं की निर्यात कीमतें, भारतीय आयातों की कीमत उद्धरणों से औसत 10% तक कम थीं। भारतीय घरेलू उद्योग ने 302 अमरीकी डालर प्रति मी. टन के स्तर पर अपनी निर्यात कीमतें उद्धृत की थीं, जो कि भारत में आयात करने वाले विदेशी उत्पादकों की उद्धृत कीमतों से 10% कम थीं अर्थात् ये घरेलू उद्योग की लाभप्रदता से कम थीं। इससे यह सिद्ध होता है कि आरोपित क्षति स्वयं पहुंचाई गई है।
- (थ) घरेलू स्टील उत्पादकों को अपनी निजी वित्तीय असंगतियों तथा लागत कम करने के लिए अनुसंधान व विकास की कमी के कारण क्षति हुई है। उन्होंने घाटा कम करने वाली विदेशी परियोजनाओं में बिलियन डालरों का निवेश किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

79. क्षति से संबंधित मुद्दों के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) समग्र जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है।
- (ख) उत्पादन के संबंध में तथा भारत में खपत के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के आयात में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है।
- (ग) घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है, हालांकि भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हो रही है। इसका यह कारण है कि आयातों ने मांग में होने वाली वृद्धि की तीव्रता से हथिया लिया है, जब कि संबद्ध देशों से आयातों के बाजार के हिस्से में वर्ष 2012-13 से लेकर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में तेजी से वृद्धि हुई है।
- (घ) घरेलू उद्योग, मांग में ऐसी वृद्धि के समनुरूप अपने उत्पादन और बिक्रियों को बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ है।
- (ङ) घरेलू उद्योग की मालसूचियों में भी वृद्धि हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग, मांग में वृद्धि होने के बावजूद भी अपनी बिक्रियां बढ़ाने में सक्षम नहीं हो सका है। आयात भारत में मांग को तेजी से अधिग्रहीत कर रहे हैं।
- (च) भारत में होने वाले कम कीमत पर पाटित आयातों के कारण अत्यधिक कीमतह्रास और न्यूनीकरण हो रहा है।
- (छ) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से प्रमाणित होता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2014-15 तक अच्छा लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। लेकिन जांच अवधि के दौरान लाभ और प्रतिलाभ में घाटे होने शुरू हो गए।

- (ज) घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन ने किसी भी तरीके से उसकी वित्तीय और आर्थिक स्थिति को प्रभावित नहीं किया है। इसके अतिरिक्त याचिकादाताओं ने क्षति के प्राचलों की जांच करते समय निर्यातों से संबंधित सूचना की भी अनदेखी की है तथा समग्र क्षति विश्लेषण, केवल याचिकादाताओं के घरेलू कार्य-निष्पादन पर आधारित है।
- (झ) ऐसे विश्लेषण से अत्यधिक ऐसा पता चलता है कि घरेलू उद्योग को भारत में विचाराधीन उत्पादों के बढ़ रहे पाटित आयातों के कारण आर्थिक क्षति हो रही है। संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में वृद्धि होने तथा घरेलू उद्योग को हो रही आर्थिक क्षति के बीच सुदृढ़ संबंध विद्यमान होने का पता चलता है।
- (ञ) घरेलू उद्योग को आर्डर देने के समय ग्राहक घरेलू उद्योग को एक समान महीने में विदेशी उत्पादक द्वारा पेश की जा रही कीमत के समान अपनी कीमत को बनाए रखने पर बल देते हैं, हालांकि विदेशी आपूर्तिकर्ता द्वारा पेश की गई कीमत पर आपूर्ति 2 महीनों के बाद ही की जाती है। इसलिए कीमत में कटौती होने की उचित तुलना, घरेलू विक्रियों की वसूली और दो महीनों की अवधि के साथ की जानी चाहिए। यदि प्राधिकारी इस समय-सीमा के मुद्दे पर विचार करते हैं तो उससे कीमत में कटौती होने का पता चल जाएगा।
- (ट) हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आई है और उसके परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। हितबद्ध पक्षकारों ने आगे यह तर्क भी दिया है कि याचिकादाताओं की घरेलू कीमतें निर्यात कीमतों से काफी अधिक हैं। याचिकादाताओं का यह निवेदन है कि उन्होंने कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने के समनुरूप अपनी कीमतों को पहले से ही घटा दिया है। पक्षकारों का यह तर्क गलत है कि कच्चे माल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है क्योंकि उसने फैक्टरी में कच्चे माल के परिवहन की लागत को ध्यान में रखा है। इसके अतिरिक्त क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान परिवहन लागत में भी निरंतर वृद्धि हुई है।
- (ठ) यह नोट करना भी अत्यावश्यक है कि हाल ही की अवधि में कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने की तुलना में संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य में काफी अधिक गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त यह भी नोट किया जाना चाहिए कि आयात बहुत कम कीमतों पर होते हैं और घरेलू उद्योग को ऐसी कम कीमतों के समान अपनी कीमतें इतनी कम करने पर विवश होना पड़ा है जो कि घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से भी कम हो गई हैं।
- (ड) हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा सही नहीं है कि घरेलू उद्योग की निर्यात कीमतें घरेलू कीमतों से कम हैं। यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि संबद्ध देशों से निरंतर अत्यधिक पाटन होने के कारण स्टील उत्पादों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में पहले से ही ह्रास हुआ है। घरेलू उद्योग की निर्यात कीमतों में भी ह्रास हुआ है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि घरेलू उद्योग को अपने घरेलू बाजार में भी अपने उत्पादों को ह्रास कीमतों पर बेचना चाहिए।
- (ढ) हितबद्ध पक्षकारों ने यह निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण उनके आंतरिक कारक हैं, जिनमें गलत प्रबंधकीय निर्णय, अधिक नियत लागत भार, अधिक भाड़ा लागत, निकृष्ट अवसंरचना, कच्चे माल की समस्या, स्थापित क्षमताओं का कम प्रयोग तथा निचले स्तर तक के विशिष्ट उद्योग की गुणवत्ता युक्त आवश्यकताओं को पूरा करने में उसकी अक्षमता शामिल हैं। ये दावे बहुत सामान्य हैं और इनके समर्थन में कोई तथ्य और आंकड़े नहीं हैं। तथ्य यह है कि क्षति होने का मुख्य कारण भारत में संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात हैं, जिसकी पुष्टि पहले ऊपर कर दी गई है। अनेक वर्षों के घरेलू उद्योग अस्तित्व में है और यह विगत से बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। संबद्ध वस्तुओं की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की अवसंरचना और क्षमताएं सुस्थापित हैं।
- (ण) यह आरोप लगाया गया है कि घरेलू उद्योग आंतरिक प्रबंधकीय मुद्दों के कारण घाटों का सामना कर रहा है। यदि वास्तव में ऐसे आंतरिक मुद्दे विद्यमान हैं तो उद्योग ने विगत में अच्छा कार्य नहीं किया होता। इसलिए यह आरोप सही नहीं है कि घरेलू उद्योग आंतरिक प्रबंधकीय मुद्दों के कारण घाटों का सामना कर रहा है। इसके अतिरिक्त हितबद्ध पक्षकार अपने तर्कों में यह प्रमाणित करने में असमर्थ रहे हैं कि घरेलू उद्योग गुणवत्ता युक्त उत्पाद का उत्पादन नहीं कर सकता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

80. क्षति और कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच की कार्यवाही के दौरान घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों की जांच की गई है और उनका निदान निम्नानुसार किया गया है:-

- (क) हितबद्ध पक्षकारों के इस आशय के निवेदनों के संबंध में कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आई है और जिसके परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने के समनुरूप घरेलू उद्योग ने पहले से ही अपनी कीमतों को घटा दिया है। तथापि, सामान्य मुद्रा स्फीति के कारण भाड़े, श्रम और अन्य परिवर्तन लागत जैसे अन्य व्यय में वृद्धि हुई है।

- (ख) प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने की तुलना में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुंच मूल्य में काफी अधिक गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को ऐसी कम कीमतों के समुत्तरूप अपनी कीमतों को कम करने पर विवश होना पड़ा है जिसके कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
- (ग) घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि समग्र क्षति विश्लेषण केवल याचिकादाताओं के घरेलू कार्य-निष्पादन पर आधारित है।
- (घ) इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का भी विश्लेषण किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण उनके आंतरिक कारक हैं, जिनमें गलत प्रबंधकीय निर्णय, अधिक नियत लागत भार, अधिक भाड़ा लागत, निकृष्ट अवसंरचना, कच्चे माल की समस्या, स्थापित क्षमताओं का कम प्रयोग तथा निचले स्तर तक के विशिष्ट उद्योग की गुणवत्ता युक्त आवश्यकताओं को पूरा करने में उसकी अक्षमता शामिल हैं। ऐसे दावे बहुत सामान्य हैं और ये किसी तथ्य और आंकड़ों के समर्थन रहित हैं। ये दावे बहुत सामान्य हैं और इनके समर्थन में कोई तथ्य और आंकड़े नहीं हैं। तथ्य यह है कि क्षति होने का मुख्य कारण भारत में संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात हैं, जिसकी पुष्टि पहले ऊपर कर दी गई है। अनेक वर्षों के घरेलू उद्योग अस्तित्व में है और यह विगत से बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। संबद्ध वस्तुओं की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की अवसंरचना और क्षमताएं सुस्थापित हैं। यदि इन कारकों से घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर प्रभाव पड़ता तो घरेलू उद्योग विगत वर्षों में लाभ अर्जित नहीं कर रहा होता।
- (ङ) रूस से आयातों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि रूस से आयात अत्यधिक हैं और ये पर्याप्त रूप से निम्नतर कीमतों पर होते हैं।

ज. संचयी मूल्यांकन

81. विश्व व्यापार संगठन करार के अनुच्छेद 3.3 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है (अथवा अधिक है) वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा
- (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि

- (क) संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। ऐसे प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन, नियमावली में निर्धारित न्यूनतम सीमा से बहुत अधिक है।
- (ख) ऐसे प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा आयातों की कुल मात्रा से 3% से भी अधिक है।
- (ग) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल उनके द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से सीधे प्रतिस्पर्द्धा करते हैं, बल्कि वे भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से भी प्रतिस्पर्द्धा करते हैं।

83. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों से संचयी रूप से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का मूल्यांकन करना उपयुक्त होगा।

84. पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के साथ पठित उसके अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि क्षति का निर्धारण करने की जांच में "..... सभी संबद्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिनमें पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में उनकी कीमतों पर प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव शामिल हैं....." ऐसे कारकों की जांच करना शामिल है, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति होने का पता चलता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के

अनुसार उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों जैसे कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निबल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार किया गया है।

पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

मांग का मूल्यांकन

85. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण, सभी देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के साथ समान उत्पाद के भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों को जोड़ कर किया गया है। वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त किए गए आयात के आंकड़ों पर विश्वास किया है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए काँडल में नहीं एचआर के लिए जापान से अपाटित निर्यातों के संबंध में प्राधिकारी ने संबंधित निर्यातक द्वारा जांच की अवधि के दौरान यथासूचित क्षति अवधि के लिए आयातों का इस कारण से अनुमान लगाया है कि प्राधिकारी को समय पर सूचना प्रदान नहीं की गई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे तालिका में देखा जा सकता है:-

क्वायल्स में एचआर (एमटी)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई, 2015- दिसंबर 15)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देशों से कुल पाटित आयात	18,76,896	11,82,360	22,79,828	43,67,580	24,27,262	48,54,525
अन्य देशों से आयात	5,75,369	3,46,219	1,24,579	1,17,564	41,756	83,512
कुल आयात	24,52,264	15,28,579	24,04,406	44,85,144	24,69,018	49,38,037
याचिकादाताओं की घरेलू बिक्रियां	9,345,783	10,469,749	10,043,199	10,040,607	4,885,294	9,770,588
आपूर्तिकर्ताओं की घरेलू बिक्रियां	1,926,675	2,854,835	2,638,128	2,924,609	1,576,764	3,153,528
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	1,955,688	2,666,434	3,006,298	2,725,762	1,344,569	2,689,138
कुल मांग	1,56,80,410	1,75,19,598	1,80,92,031	2,01,76,124	1,02,75,645	2,05,51,291

क्वायल्स में एचआर (एमटी)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015 - दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई, 2015- दिसंबर 15)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देशों से पाटित आयात	746,486	372,308	1,002,723	1,051,529	459,117	918,234
जापान से गैर-पाटित आयात	10,870	10,870	10,870	10,870	5,435	10,870
अन्य देशों से आयात	5,97,034	3,31,776	3,15,552	2,29,347	80,093	1,60,187
कुल आयात	13,54,390	7,14,953	13,29,145	12,91,746	5,44,646	10,89,291

याचिकादाताओं की घरेलू बिक्रियां	3,341,216	3,332,848	3,405,997	3,428,266	1,754,675	3,509,349
आपूर्तिकर्ताओं की घरेलू बिक्रियां	642,714	730,736	620,007	887,920	440,593	881,187
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	395,665	1,339,546	664,952	399,678	201,636	403,271
भारत में कुल मांग	57,33,984	61,18,084	60,20,101	60,07,609	29,41,549	58,83,098

आयात की मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा

85. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या पाटित आयातों में पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा का विश्लेषण किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

क्वाईल्स में एचआर (मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015 - दिसंबर 2015	जांच अवधि
चीन जनवादी गणराज्य	3,95,746	3,59,083	8,10,181	7,95,578	6,33,442
जापान	6,38,455	4,84,823	8,02,928	10,28,689	7,41,612
कोरिया जनवादी गणराज्य	5,11,073	2,51,491	4,43,687	8,99,682	6,37,028
रूस	2,39,310	47,933	1,41,505	2,94,100	2,55,015
ब्राजील	92,311	39,030	81,527	1,60,166	1,60,166
इंडोनेशिया	-	-	-	97	-
अन्य	5,75,369	3,46,219	1,24,579	88,173	41,756
कुल	24,52,264	15,28,579	24,04,406	32,66,486	24,69,018

क्वाईल्स में एचआर (मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015 - दिसंबर 2015	जांच अवधि
चीन जनवादी गणराज्य	3,84,527	1,19,879	6,96,199	3,01,940	1,97,757
जापान - पाटित	138,685	118,012	111,980	121,795	38,734
जापान - गैर-पाटित	10,870	10,870	10,870	8,153	5,435
कोरिया जनवादी गणराज्य	1,63,635	1,07,972	1,54,776	1,82,057	1,23,478
रूस	38,111	26,328	26,273	2,327	2,076
ब्राजील	21,526	28	0	-	-
इंडोनेशिया	3	89	13,494	1,80,527	97,072
अन्य	5,97,034	3,31,776	3,15,552	1,72,010	80,093
कुल	13,54,390	7,14,953	13,29,145	9,68,810	5,44,646

क्वाईल्स में एचआर (मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 15)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देशों से पाटित आयात	18,76,896	11,82,360	22,79,828	43,67,580	24,27,262	48,54,525
प्रवृत्ति	100	63	121	233	129	259
अन्य देशों से आयात	5,75,369	3,46,219	1,24,579	1,17,564	41,756	83,512
प्रवृत्ति	100	60	22	20	7	15
कुल आयात	24,52,264	15,28,579	24,04,406	44,85,144	24,69,018	49,38,037
प्रवृत्ति	100	62	98	183	101	201
कुल मांग	1,56,80,410	1,75,19,598	1,80,92,031	2,01,76,124	1,02,75,645	2,05,51,291
खपत के संबंध में संबद्ध देशों से पाटित आयात	12.0%	6.7%	12.6%	21.6%	23.6%	23.6%
याचिकादाताओं का उत्पादन	17,060,206	17,834,156	17,779,313	16,119,418	7,673,642	15,347,285
याचिकादाताओं के कुल उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से पाटित आयात	11.0%	6.6%	12.8%	27.1%	31.6%	31.6%

87. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं:-

- (क) संबद्ध देशों से क्वाईल्स में एचआर के पाटित आयात, वर्ष 2012-13 में पूर्णरूपेण 18,76,896 मी.टन से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 4,854,525 मी.टन हो गए।
- (ख) याचिकादाताओं के संबंध में संबद्ध देशों से क्वाईल्स में एचआर के पाटित आयात में वर्ष 2012-13 में 11.0% से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 31.6 % हो गए।
- (ग) भारत में खपत के संबंध में संबद्ध देशों से क्वाईल्स में एचआर के पाटित आयात, वर्ष 2012-13 में 12.0% से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 23.6 % हो गए।

क्वायल्स रहित एचआर (मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देशों से पाटित आयात	746,486	372,308	1,002,723	1,051,529	459,117	918,234
प्रवृत्ति	100	50	134	141	62	123
जापान से गैर-पाटित आयात	10,870	10,870	10,870	10,870	5,435	10,870
अन्य देशों से आयात	5,97,034	3,31,776	3,15,552	2,29,347	80,093	1,60,187
प्रवृत्ति	100	56	53	38	13	27

क्वायल्स रहित एचआर (मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
कुल आयात	13,54,390	7,14,953	13,29,145	12,91,746	5,44,646	10,89,291
प्रवृत्ति	100	53	98	95	40	80
भारत में कुल मांग	57,33,984	61,18,084	60,20,101	60,07,609	29,41,549	58,83,098
खपत के संबंध में संबद्ध देशों से पाटित आयात	13.0%	6.1%	16.7%	17.5%	15.6%	15.6%
याचिकादाताओं का उत्पादन	3,935,165	3,732,064	4,061,878	3,957,121	1,949,295	3,898,589
याचिकादाताओं के कुल उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से पाटित आयात	19.0%	10.0%	24.7%	26.6%	23.6%	23.6%

88. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :-

- (क) संबद्ध देशों से क्वायल्स रहित एचआर के पाटित आयात में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है, जो कि वर्ष 2012-13 में 746,486 मी.टन से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 918,234 मी.टन हो गए।
- (ख) याचिकादाताओं के उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से क्वायल्स रहित एचआर के आयात, वर्ष 2012-13 में 19.0% से बढ़ जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 23.6% हो गए।
- (ग) भारत में खपत के संबंध में संबद्ध देशों से क्वायल्स रहित एचआर के आयात, वर्ष 2012-13 में 13.0% से बढ़ जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 15.6% हो गए।

89. इस प्रकार यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पूर्णरूपेण और भारत में उत्पादन और खपत दोनों के संबंध में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में वृद्धि हुई है।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कीमत प्रभाव

90. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-॥ (ii) में निम्नानुसार निर्धारित है :

"जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमत में होने वाली वृद्धि में अन्यथा काफी अधिक ह्रास हुआ है अथवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हो गई होती।"

91. इसकी जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत के पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों को ह्रास करने पर पड़ते अथवा कीमत में होने वाली वृद्धि को रोकते जो कि अन्यथा अत्यधिक स्तर तक होती। कीमत में कटौती होने, कम कीमत पर बिक्री होने, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण यदि कोई हुआ है, के संदर्भ में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई।

कीमत में कटौती

92. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं, प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निबल बिक्री वसूली के साथ की है। इस संबंध में घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत की तुलना निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और व्यापार के समान स्तर पर सभी रिबेटों और करों को छोड़कर घरेलू बाजार के लिए घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था। घरेलू कीमतों और कीमत में कटौती के मार्जिन को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

क्वाईल्स में एच आर (भारतीय रूपए/मी.टन)	जापान	कोरिया	रूस	ब्राजील	चीन	संबद्ध देश
पहुंच मूल्य	***	***	***	***	***	***
घरेलू बिक्री कीमत	***	***	***	***	***	***
कीमत में कटौती	***	***	***	***	***	***
पहुंच मूल्य के % रूप में कीमत में कटौती	***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती की % सीमा	(5)-5	(5)-5	(5)-5	(5)-5	(5)-5	(5)-5

क्वाईल्स में एच आर (भारतीय रूपए/एमटी)	जापान	कोरिया	रूस	चीन	इंडोनेशिया	संबद्ध देश
पहुंच मूल्य	***	***	***	***	***	***
घरेलू बिक्री कीमत	***	***	***	***	***	***
कीमत में कटौती	***	***	***	***	***	***
पहुंच मूल्य के % रूप में कीमत में कटौती	***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती की % सीमा	(20)-(10)	(5)-5	10-20	(10)-(5)	5-10	(10)-0

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत में कटौती कुछ संबद्ध देशों के लिए नकारात्मक है, लेकिन उनका यह भी विचार है कि उचित जांच करने के लिए कीमत में कटौती की जांच कीमत में हास और कीमत न्यूनीकरण के संयोजन में की जानी चाहिए तथा कीमत में कटौती की जांच ऐसी अलगाव की स्थिति में नहीं की जानी चाहिए जहां कि घरेलू उद्योग को आयातों के पहुंच मूल्य के समान अपनी कीमतों को बनाए रखने के लिए उन्हें घटाने के लिए निरंतर बाध्य होना पड़े। यदि घरेलू उद्योग आयातों की कीमतों के समनुरूप अपनी कीमतों को कम नहीं करता है तो उसे अधिक ग्राहक गंवाने पड़ेंगे और इससे उसको और विकट क्षति होगी।

कम कीमत पर बिक्री

94. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कम कीमत पर बिक्री किए जाने की स्थिति की भी जांच की है। इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की भारित औसत क्षति रहित कीमत की आयातों की औसत पहुंच कीमत के साथ की गई तुलना को निम्नानुसार दर्शाया जाता है:-

क्वाइल्स में एच आर	यूओएम	जापान	कोरिया	रूस	ब्राजील	चीन
भारित औसत-क्षति रहित कीमत	रूपए/एमटी	***	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रूपए/एमटी	***	***	***	***	***
कीमत में कटौती	रूपए/एमटी	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% सीमा	10-20	10-20	10-20	10-20	10-20

क्वाइल्स में एच आर	यूओएम	जापान	कोरिया	रूस	चीन	इंडोनेशिया
भारित औसत-क्षति रहित कीमत	रूपए/एमटी	***	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रूपए/एमटी	***	***	***	***	***
कीमत में कटौती	रूपए/एमटी	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% सीमा	10-20	25-35	45-55	20-30	40-50

95. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत से अत्यधिक कम थी।

कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

96. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों में ह्रास कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से काफी हद तक कीमतों में ह्रास हुआ है अथवा कीमतों में वृद्धि होना रूका है, जो कि अन्यथा काफी हद तक हो सकती थी, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में परिवर्तन होने पर विचार किया है। इसकी स्थिति नीचे तालिका में दर्शाई गई है:-

क्वाइल्स में एच आर (रूपए प्रति मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015 - दिसंबर 2015	जांच अवधि (जुलाई 2015 - दिसंबर 2015)
निर्माण और बिक्री लागत	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	100	97	92	91

घरेलू बिक्री कीमत	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	102	101	81	79
पहुंच मूल्य	***	***	***	***	***

क्वाइल्स में एच आर (रूपए प्रति मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015)
निर्माण करने और बिक्री की लागत	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	99	95	98	101
घरेलू बिक्री कीमत	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	99	101	78	75
पहुंच मूल्य	***	***	***	***	***

97. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमतें अत्यधिक कम की गई हैं ताकि उन्हें पाटित आयातों के पहुंच मूल्य के समान बनाया जा सके। इस प्रकार आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास कर रहे थे।

घरेलू उद्योग के आर्थिक प्राचल

98. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में क्षति का निर्धारण करने के लिए समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों की परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच करने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त नियमों में ऐसा भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने में उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संबद्ध आर्थिक कारकों और सूचकों का सार्थक और निष्पक्ष मूल्यांकन करना निहित है, जिनमें बिक्रियों, लाभ, आउटपुट, बाजार का हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ अथवा क्षमता उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, माल सूचियों, रोजगार, वेतन, संवृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच करने से ऐसा पता चला है कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग की क्षति से संबंधित विभिन्न प्राचलों का उल्लेख नीचे किया गया है।

उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियां

99. उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन निम्नानुसार था:-

क्वाइल्स में एच आर (रूपए प्रति मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
स्थापित क्षमता	21,683,726	23,569,000	23,569,000	23,569,000	11,784,500	23,569,000
कुल उत्पादन	17,060,206	17,834,156	17,779,313	16,119,419	7,673,642	15,347,285
क्षमता उपयोग	78.68%	75.67%	75.44%	68.39%	65.12%	65.12%
घरेलू बिक्रियां	9,345,783	10,469,749	10,043,199	10,040,608	4,885,294	9,770,588

क्वाईल्स रहित एच आर (रूपए प्रति मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
स्थापित क्षमता	5,747,200	5,776,600	5,923,267	6,216,600	3,108,300	6,216,600
कुल उत्पादन	3,935,165	3,732,064	4,061,878	3,957,121	1,949,295	3,898,589
क्षमता उपयोग	68.47%	64.61%	68.57%	63.65%	62.71%	62.71%
घरेलू विक्रियां	3,341,216	3,332,848	3,405,997	3,428,266	1,754,675	3,509,349

100. उपरोक्त तालिका में जो देखा गया है, वह निम्नानुसार है:-

- (क) क्वाईल्स में एचआर के लिए घरेलू उद्योग का उत्पादन वर्ष 2012-13 में 17,060,206 मी.टन से अत्यधिक बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) के दौरान 15,347,285 मी.टन हो गया। क्वाईल्स रहित एचआर के मामले में वर्ष 2012-13 में उत्पादन 3,935,165 मी.टन से घट कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) के दौरान 3,898,589 मी.टन रह गया।
- (ख) क्वाईल्स में एचआर के लिए घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग पर्याप्त गिरावट दृष्टिगत हुई है। घरेलू उद्योग वर्ष 2012-13 के दौरान 78.68% का श्रेष्ठ क्षमता उपयोग करने में सक्षम रहा है। तथापि, जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण यह घट कर 65.12% रह गया।
- (ग) इसी प्रकार की प्रवृत्ति क्वाईल्स रहित एचआर के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में भी देखी जा सकती है। घरेलू उद्योग घरेलू उद्योग वर्ष 2013-14 के दौरान 62.71% का श्रेष्ठ क्षमता उपयोग करने में सक्षम रहा है। तथापि, जांच अवधि के दौरान यह घट कर 62.71% रह गया। अधिशेष 37% क्षमता अनप्रयुक्त रही है। ऐसी अत्यधिक अनप्रयुक्त क्षमता से घरेलू उद्योग को घोर वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है।

लाभ, लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ

क्वाईल्स में एच आर (रूपए प्रति मी.टन)	2012- 13	2013- 14	2014- 15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015) (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
लाभ (लाख रूपए)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	226	280	(317)	(189)	(377)
लाभ (रूपए/एमटी)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	202	261	(295)	(361)	(361)
नकद लाभ (लाख रूपए)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	169	188	(85)	(57)	(114)
नकद लाभ (रूपए/एमटी)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	151	175	(79)	(109)	(109)
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ %	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	154	158	6	(5)	(5)

क्वाइल्स में एच आर (रूपए प्रति मी.टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015) (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
लाभ (लाख रूपए)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	122	626	(1,715)	(1,139)	(2,277)
लाभ (रूपए/एमटी)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	122	614	(1,671)	(2,168)	(2,168)
नकद लाभ (लाख रूपए)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	106	242	(413)	(284)	(569)
नकद लाभ (रूपए/एमटी)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	106	238	(402)	(542)	(542)
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ %	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	111	178	(140)	(218)	(218)

101. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं:-

- (क) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के अत्यधिक पाटन के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से पता चलता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2014-15 तक काफी अच्छा लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। तथापि, जांच अवधि के दौरान ये लाभ और प्रतिलाभ घाटों में परिवर्तित हो गए।
- (ख) उपरोक्त तालिकाओं से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2014-15 तक काफी अच्छा लाभ अर्जित कर रहा था। तथापि, जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से घोर पाटन होने के कारण घरेलू उद्योग नियोजित पूंजी पर उचित प्रतिलाभ अर्जित करने की अपेक्षा विक्रियों की अपनी लागत को वसूल करने में भी समर्थ नहीं रहा है। यदि ऐसी प्रवृत्ति निरंतर कायम रहती है, तो घरेलू उद्योगके लिए कोई निवेश जुटाने में अत्यधिक कठिनाई होगी। इसके अतिरिक्त यदि पाटन और भी गहन होता है, तो नकारात्मक नकदी प्रवाह में और वृद्धि होगी और घरेलू उद्योग अपने ऋणों को चुकाने की स्थिति में नहीं होगा।

बाजार का हिस्सा

102. घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है:-

क्वाइल्स में एचआर	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 15)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
मांग (मी.टन)	1,56,80,410	1,75,19,598	1,80,92,031	2,01,76,124	1,02,75,645	2,05,51,291
सूचीबद्ध	100	112	115	129	66	131
बाजार का हिस्सा						
याचिकादाताओं का हिस्सा	59.6%	59.8%	55.5%	49.8%	47.5%	47.5%
समर्थकों का हिस्सा	12.3%	16.3%	14.6%	14.5%	15.3%	15.3%

अन्य उत्पादकों का हिस्सा	12.5%	15.2%	16.6%	13.5%	13.1%	13.1%
संबद्ध देशों का हिस्सा	12.0%	6.7%	12.6%	21.6%	23.6%	23.6%
अन्य देशों का हिस्सा	3.7%	2.0%	0.7%	0.6%	0.4%	0.4%

क्वाइल्स रहित एचआर	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 15)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
मांग (मी.टन)	57,33,984	61,18,084	60,20,101	60,07,609	29,41,549	58,83,098
सूचीबद्ध	100	107	105	105	51	103
बाजार हिस्सा						
याचिकादाताओं का हिस्सा	58.3%	54.5%	56.6%	57.1%	59.7%	59.7%
समर्थकों का हिस्सा	11.2%	11.9%	10.3%	14.8%	15.0%	15.0%
अन्य उत्पादकों का हिस्सा	6.9%	21.9%	11.0%	6.7%	6.9%	6.9%
संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा	13.0%	6.1%	16.7%	17.5%	15.6%	15.6%
संबद्ध देशों से गैर-पाटित आयातों का हिस्सा	0.2%	0.2%	0.2%	0.2%	0.2%	0.2%
अन्य देशों का हिस्सा	10.4%	5.4%	5.2%	3.8%	2.7%	2.7%

103. याचिकादाता संबद्ध देशों से होने वाले पाटित आयातों की अत्यधिक मात्रा के कारण मांग में वृद्धि होने के समनुरूप विचाराधीन उत्पाद की विक्रियां बढ़ाने में सक्षम नहीं हो सके हैं।

104. उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि क्वाइलों में एचआर के लिए घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है, हालांकि भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है। ऐसा इस कारणवश हुआ है कि आयातों ने मांग में वृद्धि को तेजी से हथिया लिया है।

माल सूचियां

क्वाइल्स में एचआर	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015)
मालसूची (एमटी)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	97	106	127

क्वाइल्स में एचआर	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015)
मालसूची (एमटी)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	194	112	134

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग अत्यधिक जमा हुई मालसूचियों का सामना कर रहा है। आधार वर्ष की तुलना में मालसूचियों के स्तर में वृद्धि हो रही है। आयातों के बढ़ने के कारण घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्सा घट गया है और आयातों ने बड़ी हुई मांग को हथिया लिया है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और बिक्रियों को बढ़ाने में असमर्थ है जिसके फलस्वरूप क्षति अवधि के दौरान मालसूचियों के इकट्ठे जमा होने की स्थिति हो गई है।

संवृद्धि

क्वाइल्स में एचआर	यूनिट	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015 से दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन	%	4.5	(0.3)	(9.3)	(4.7)
उत्पादन की लागत	%	0	(3)	(5)	(1)
बिक्री कीमत	%	2	0	(20)	(1)
लाभ/हानि प्रति यूनिट	%	102	59	(213)	(22)
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	%	3.88	0.28	(10.9)	(0.7)

क्वाइल्स रहित एचआर	यूनिट	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015 से दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन	%	(5)	8.8	(2.5)	(1.5)
उत्पादन की लागत	%	(1)	(4)	2	3
बिक्री कीमत	%	(1)	2	(23)	(3)
लाभ/हानि प्रति यूनिट	%	22	401	(372)	(30)
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	%	0.6	3.8	(18)	(4.4)

106. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता उपयोग, लाभ, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ, नकदी लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग की संवृद्धि नकारात्मक रही है।

पूंजीगत निवेश जुटाने की क्षमता

107. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने देश में उत्पाद की मांग बढ़ने की स्थिति को ध्यान में रख कर संयंत्र और मशीनरी में निवेश किया है। तथापि, इन निवेश के बावजूद घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है और इससे और निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

पाटन का स्तर और पाटन मार्जिन

108. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयात भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं और पाटन का मार्जिन अत्यधिक है।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

109. संबद्ध देशों से आयात कीमतों की जांच करने, लागत के ढांचे में परिवर्तन होने, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्द्धा होने, पाटित आयातों से भिन्न कारकों से जो कि घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करते हैं, आदि से ऐसा पता चलता है कि संबद्ध देशों से

आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से काफी कम है, जिसके कारण भारतीय बाजार में अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हो रही है। इस प्रकार घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला कारक, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य है।

क्षति पर निष्कर्ष

110. इस प्रकार यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से पूर्णरूपेण पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है। भारत में उत्पाद की खपत और उत्पादन के संबंध में आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इस प्रकार भारत में उत्पाद की खपत और उत्पादन दोनों के संबंध में आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों का कीमत ह्रास और न्यूनीकरण के रूप में कीमत पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पाटित आयातों के प्रभाव के फलस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतें कम हुई हैं। कम कीमत के पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को बाजार कीमत प्राप्त करने के लिए विवश कर दिया है जो कि उसकी लागत को भी वसूल नहीं कर सकी है। घरेलू उद्योग को अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री करने पर क्षति हो रही है। भारत में कम कीमत पर पाटित आयातों के प्रवेश करने से अत्यधिक कीमत ह्रास और न्यूनीकरण की स्थिति विद्यमान है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन बहुत अधिक है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के बारे में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातने ने उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता उपयोग, माल सूचियों, बाजार के हिस्से, लाभ, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। घरेलू उद्योग की मालसूचियों में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से पता चलता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2013-14 तक नियोजित पूंजी पर बहुत अच्छा लाभ और प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। लेकिन जांच अवधि के दौरान लाभ और प्रतिलाभ घाटों में परिवर्तित हो गया। इस प्रकार प्राधिकारी का अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

कारणात्मक संबंध

111. प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या पाटन-रोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। पाटन और घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति होने के बीच कारणात्मक संबंधों की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है।

तृतीय देशों से आयात

112. संबद्ध देशों से भिन्न अन्य देशों से आयात मात्रा की दृष्टि से अधिक नहीं हैं जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने का खतरा हो। इसके अतिरिक्त जिन कीमतों पर अन्य देशों से वस्तुएं आ रही हैं, वे संबद्ध देशों से आने वाली वस्तुओं की कीमतों से बहुत अधिक हैं।

मांग में संकुचन

113. संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि होने की प्रवृत्ति दृष्टिगत हुई है। इसलिए मांग में कमी होना, घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं हो सकता है। वास्तव में घरेलू उद्योग मांग में हुई वृद्धि के समनुरूप अपनी बिक्रियों और बाजार के हिस्से को बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ है।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापारिक प्रतिबंधित प्रवृत्तियां और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

114. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी कोई व्यापारिक प्रतिबंधित प्रवृत्ति नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

प्रौद्योगिकी में विकास

115. संबद्ध उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार प्रौद्योगिकी में विकास को घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

खपत के पैटर्न में परिवर्तन

116. घरेलू उद्योग ऐसी वस्तुओं का उत्पादन कर रहा है, जिनका भारत में आयात किया गया है। खपत के पैटर्न में संभावित परिवर्तन घरेलू उद्योग की क्षति का कारक नहीं हो सकता है।

निर्यात निष्पादन

117. घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति के लिए घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में संभावित अधिक गिरावट आने का कारण नहीं माना जा सकता है। वास्तव में भौतिक दृष्टि से घरेलू उद्योग के निर्यात में कोई गिरावट नहीं आई है। फिर भी घरेलू उद्योग के घरेलू कार्य-निष्पादन पर विचार किया गया है।

अन्य देशों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन

118. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन ने घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के प्राधिकारी द्वारा किए गए मूल्यांकन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना पर विचार किया गया है।

घरेलू उद्योग की उत्पादकता

119. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को उत्पादकता में गिरावट आने के कारण क्षति नहीं हुई है।

कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

120. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के विश्लेषण से ऐसा पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में भौतिक दृष्टि से गिरावट आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध होने की संपुष्टि निम्नोक्त आधार पर हुई है:-

- समग्र जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है।
- भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के आयातों में वृद्धि हुई है।
- हालांकि भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है, फिर भी घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है। इसका यह कारण है कि आयातों ने मांग में हुई वृद्धि को तेजी से हथिया लिया है।
- घरेलू उद्योग मांग में हुई वृद्धि के समन्तुरूप अपने उत्पादन और बिक्रियों को बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है।
- घरेलू उद्योग की माल सूचियों बड़ी हैं क्योंकि मांग में हुई वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी बिक्रियों को बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है। आयातों ने भारत में मांग को तेजी से हथिया लिया है।
- भारत में प्रवेश करने वाले कम कीमत के पाटित आयातों के कारण अत्यधिक कीमत ह्रास और न्यूनीकरण हो रहा है।
- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से पता चलता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2013-14 तक नियोजित पूंजी पर बहुत अच्छा लाभ और प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। लेकिन जांच अवधि के दौरान लाभ और प्रतिलाभ घाटों में परिवर्तित हो गया।

121. उपरोक्त विश्लेषण से ऐसा पता चलता है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के बढ़ते पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हो रही है। इस प्रकार संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में वृद्धि होने और घरेलू उद्योग को हो रही आर्थिक क्षति के बीच सुदृढ़ संबंध विद्यमान है।

क्षति और कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

122. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में उपरोक्त जांच से प्राधिकारी का अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है। समस्त क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में तथा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है। पाटित आयातों ने बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव डाला है। संबद्ध देशों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और इसे अत्यधिक माना गया है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों ने उत्पादन, बिक्रियों और क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में अत्यधिक

गिरावट आई है जबकि संबद्ध आयातों के बाजार के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के कार्य-निपादन में लाभ, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के संबंध में अत्यधिक गिरावट आई है। उसकी मांग सूचियों में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी का अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

123. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है और उसकी तुलना प्रतिवादी निर्यातकों के संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्यों के साथ की है ताकि क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जा सके। भारत औसत क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए निर्धारित किए गए क्षति मार्जिन पर विचार किया गया है। इस प्रकार निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

क्षति मार्जिन

कौयल में एचआर

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज %
1.	कोरिया आरपी	मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी	1. ह्यूंडे स्टील कंपनी 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, 3. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन, 4. मैसर्स मेन स्टील कं., लि., 5. मैसर्स पीएण्डए कारपोरेशन, 6. ओह्ली इंडस्ट्रीज लि., जापान	***	***	***	***	20-30
2.	कोरिया आरपी	मैसर्स पोस्को	1. मैसर्स पोस्को 2. मैसर्स पोस्को दैबू कारपोरेशन 3. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, 4. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन, 5. मैसर्स सैमसंग सीएण्डटी कारपोरेशन. 6. मैसर्स पोस्को एशिया, हांग कांग 7. पोस्को पीएण्डएस	***	***	***	***	20-30
3.	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, 2. जेएफई शोजी ट्रेड	***	***	***	***	50-60

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज %
			कारपोरेशन, 3. मेटल वन कारपोरेशन 4. मित्सुई एण्ड कं. लि., 5. ओह्ली इंडस्ट्रीज, लि., 6. उत्तम गाल्वा इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर 7. उत्तम गाल्वा इंटरनेशन एफजेडई, दुबई, 8. टोयोटा शुशो कारपोरेशन 9. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक.					
4.	जापान	मैसर्स निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. हाण्वा कं., लि. 2. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, 3. कानेमात्सु कारपोरेशन, लि. 4. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., 5. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 6. मित्सुई एण्ड कं. लि., 7. निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 8. सूमिटोमो कारपोरेशन 9. टोयोटा शुशो कारपोरेशन 10. ओह्ली इंडस्ट्रीज लि.	***	***	***	***	15-25
5.	चीन पीआर	मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी	मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग	***	***	***	***	25-35

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज %
		लिमिटेड	कांग कं., लि., हांग कांग					
6.	चीन पीआर	1. मैसर्स जांगजियांग जीटीए प्लेट कं., लि. 2. मैसर्स जांगजियांग हांगशांग प्लेट कं., लि., 3. मैसर्स जांगजियांग शार्जिंग हेवी प्लेट कं., लि.,	1. मैसर्स जियांगसू शगांग इंटरनेशनल कं., लि., चीन पीआर 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशन (सिंगापुर) प्रा. लि., सिंगापुर 3. मैसर्स जिंशा इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर, 4. मैसर्स बरविल रिसोर्स लिमिटेड, बीवीआई 5. मैसर्स फ्यूचर मेटेरियल्स इंटस्ट्री (हांग कांग) कं., लि., हांग कांग 6. मैसर्स लू क्लिन (हांग कांग) कं., लि., हांग कांग 7. मैसर्स निंगबो सिमेई इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं., लि., चीन पीआर 8. मैसर्सस्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड, हांग कांग 9. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प., कोरिया आरपी	***	***	***	***	30-40

कॉयल में एचआर नॉट

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन %
1.	कोरिया आरपी	मैसर्स ह्यूंडे स्टील कंपनी	1. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प	***	***	***	***	80-90

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन %
			2. मैसर्स ह्यूंडै कारपोरेशन					
2.	कोरिया आरपी	मैसर्स पोस्को	1. मैसर्स पोस्को दैवू कारपोरेशन 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, 3. मैसर्स ह्यूंडै कारपोरेशन, 4. मैसर्स पोस्को एशिया, हांग कांग 5. पोस्को पीएण्डएस	***	***	***	***	20-30
3.	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, 2. मेटल वन कारपोरेशन 3. मित्सुई एण्ड कं. लि., 4. ओह्शी इंडस्ट्रीज, लि., 5. टोयोटा शूशो कारपोरेशन 6. शिंशो कारपोरेशन, जापान 7. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक. 8. कयोशो कं. लि	***	***	***	***	0-10
4.	जापान	मैसर्स निप्पोन स्टील एण्ड सूमिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. हाण्वा कं., लि. 2. मित्सुई एण्ड कं. लि., 3. निप्पोन स्टील एण्ड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 4. सूमिटोमो कारपोरेशन 5. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि.	***	***	***	***	(40-50)
5.	चीन पीआर	मैसर्स अंगांग स्टील कंपनी	मैसर्स अंगांग ग्रुप हांग कांग कं., लि.	***	***	***	***	50-60

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन %
		लिमिटेड						
6.	चीन पीआर	1. मैसर्स जांगजियांग जीटीए प्लेट कं., लि. 2. मैसर्स जांगजियांग हांगशांग प्लेट कं., लि. 3. मैसर्स जांगजियांग शाजिंग हेवी प्लेट कं., लि.	1. मैसर्स जियांगसू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं., लि., 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) प्रा.लि.,	***	***	***	***	50-60
7.	चीन पीआर	1. मैसर्स वूयान न्यू हेवी एण्ड वाइड स्टील प्लेट कं., लि. 2. मैसर्स वूयांग ऑयरन एण्ड स्टील कं., लि.	1. मैसर्स वूयांग ऑयरन एण्ड स्टील कं. 2. हेवेई ऑयरल एण्ड स्टील (हांग कांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं., लि. 3. हेवेई ऑयरन एण्ड स्टील (सिंगापुर) प्रा. लि., 4. साल्जगिट्टर मन्नेसमन्न इंटरनेशन जीएमबीएच जर्मनी 5. बरविल रिसोर्स लिमिटेड	***	***	***	***	40-50

124. यथा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन अत्यधिक पाया गया है।

संबद्ध देशों से अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पहुंच मूल्य और क्षति मार्जिन

125. संबद्ध देशों में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में भारत में पहुंच मूल्य का निर्धारण उपलब्ध श्रेष्ठ सूचना के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई सूचना को अपनाया गया है। इस प्रकार से तय किए गए क्षति मार्जिन को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

क्वाइल्स में एचआर (यूएस \$/मी.टन)	जापान	कोरिया	रूस	ब्राजील	चीन	इंडोनेशिया
क्षति रहित कीमत	***	***	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन की % सीमा	45-55	20-30	10-20	15-25	30-40	60-70

क्वाइल्स में एचआर (यूएस \$/मी.टन)	जापान	कोरिया	रूस	चीन	इंडोनेशिया	ब्राजील
क्षति रहित कीमत	***	***	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन की % सीमा	10-20	80-90	50-60	50-60	40-50	5-15

झ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

126. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में समान अवसरों वाली स्थिति सृजित करके खुली और उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटन-रोधी उपाय लागू करना संबद्ध देश से आयातों को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ता को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं करेंगे।

127. यह माना जाता है कि पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं को इस्तेमाल करके विनिर्मित किए उत्पाद के कीमत के स्तर को प्रभावित हो सकते हैं और उसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्द्धात्मकता कुछ हद तक प्रभावित हो सकती है। घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि प्रस्तावित शुल्क लगाए जाने से उपभोक्ताओं के लिए लागत संबंधी नगण्य प्रभाव पड़ेंगे। इसलिए पाटन-रोधी उपाय लागू किए जाने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा कम नहीं होगी, विशेषकर यदि पाटन-रोधी शुल्क ऐसी राशि तक सीमित रहते हैं, जो कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटन-रोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे और घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट की रोकथाम होगी तथा ये उपभोक्ताओं को उनकी व्यापक रुचि की संबद्ध वस्तुओं की उपलब्धता को बनाए रखने में सहायक होंगे।

ञ. सिफारिशें

128. किए गए निवेदनों और उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष देते हैं कि-

- (क) भारत में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के निर्यात, सामान्य मूल्य से कम पर किए गए हैं।
- (ख) संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
- (ग) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

129. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को इसके बारे में अधिसूचित किया गया था। निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सार्थक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त समय दिया गया था। पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू किए जाने और उसका संचालन करने तथा संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में निश्चयात्मक पाटन मार्जिन के साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई आर्थिक क्षति और खतरा होने की पुष्टि हो जाने पर, प्राधिकारी का यह विचार है कि मौजूदा मामले में पाटन और "क्षति" को दूर करने के लिए निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है।

130. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए निम्नांकित तालिका में वर्णित ढंग और तरीके से प्राधिकारी इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य और नीचे तालिका के कॉलम 8 में निर्दिष्ट राशि के बीच के अंतर के बराबर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है, बशर्ते कि पहुंच मूल्य, कॉलम 8 में निर्दिष्ट मूल्य से कम हो। इस प्रयोजनार्थ का पहुंच मूल्य, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) द्वारा यथा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सभी शुल्क शामिल होंगे।

शुल्क तालिका

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7208, 7211, 7225 and 7226	अलाय और नान-अलाय स्टील के हाट रोल्ड फ्लैट उत्पाद है जिनकी काइलों में चौड़ाई 2100 मिमी तक और मोटाई 25 मिमी. तक है	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज हुंडाईस्टील कंपनी	1. ह्यूंडे स्टील कंपनी 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, 3. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन, 4. मैसर्स मेन स्टील कं., लि., 5. मैसर्स पीएण्डए कारपोरेशन, 6. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि., जापान	474	मी.टन	यूएस \$
2.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी	कोरिया जनवादी	मेसर्ज पोस्को	1. मैसर्स पोस्को 2. मैसर्स पोस्को	474	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
			गणराज्य	गणराज्य		दैवू कारपोरेशन 3. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, 4. मैसर्स ह्यूंडे कारपोरेशन 5. मैसर्स सैमसंग सीएण्डटी कारपोरेशन 6. मैसर्स पोस्को एशिया, हांग कांग 7. पोस्को पीएण्डएस			
3.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	क्रमांक 1 और 2 से भिन्न कोई अन्य संयोजन		474	मी.टन	यूएस \$
4.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
5.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
6.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन 2. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन,	474	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
						3. मेटल वन कारपोरेशन 4. मित्सुई एण्ड कं. लि., 5. ओह्शी इंडस्ट्रीज, लि., 6. उत्तम गाल्वा इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर 7. उत्तम गाल्वा इंटरनेशन एफजेडई, दुबई, 8. टोयोटा शुशो कारपोरेशन 9. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक.			
7.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	मेसर्ज निप्पोन स्टील & सुमिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. हाण्वा कं., लि. 2. होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन 3. कानेमात्सु कारपोरेशन, लि. 4. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., 5. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 6. मित्सुई एण्ड कं. लि., 7. निप्पोन स्टील एण्ड सुमिकिन	474	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
						बुस्सान कारपोरेशन 8. सूमिटोमो कारपोरेशन 9. टोयोटा शूशो कारपोरेशन 10. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि.			
8.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	क्रमांक 6 और 7 से भिन्न कोई अन्य संयोजन		474	मी.टन	यूएस \$
9.	- वही -	- वही -	जापान	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
10.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	जापान	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
11.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	मेसर्जअगंग स्टील कंपनी लिमिटेड	मेसर्जअगंग गुप हांगकांग कंपनी लिमिटेड	474	मी.टन	यूएस \$
12.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	1. मेसर्ज झांगजिकांग जीटीए प्लेट कंपनी,	1. मैसर्स जियांगसू शगांग इंटरनेशनल	474	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
					लिमिटिड 2. मेसर्ज झांगजिकांग होंगचांग प्लेट कंपनी, लिमिटिड 3. मेसर्ज झांगजिकांग शाजिंग हैवी प्लेट कंपनी, लिमिटिड	कं., लि., चीन पीआर 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशन (सिंगापुर) प्रा. लि., सिंगापुर 3. मैसर्स जिंशा इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर, 4. मैसर्स बरविल रिसोर्स लिमिटेड, बीबीआई 5. मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांग कांग) कं., लि., हांग कांग 6. मैसर्स लू क्विन (हांग कांग) कं., लि., हांग कांग 7. मैसर्स निंगबो सिमेई इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं., लि., चीन पीआर 8. मैसर्स स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड, हांग कांग 9. मैसर्स जीएस ग्लोबल			

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
						कॉर्प., कोरिया आरपी			
13.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	क्रमांक 11 और 12 से भिन्न कोई अन्य संयोजन		474	मी.टन	यूएस \$
14.			चीन जनवादी गणराज्य	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
15.			पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
16.	- वही -	- वही -	रूस	रूस	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
17.	- वही -	- वही -	रूस	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
18.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	रूस	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
19.	- वही -	- वही -	ब्राजील	ब्राजील	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
20.	- वही -	- वही -	ब्राजील	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
				भिन्न कोई अन्य देश					
21.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	ब्राजील	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
22.	- वही -	- वही -	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
23.	- वही -	- वही -	इंडोनेशिया	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$
24.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	इंडोनेशिया	कोई	कोई	474	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7208, 7211, 7225 and 7226	अलाय और नान-अलाय स्टील के बिना काइल वाले हाट रोल्ड फ्लैट उत्पाद (जिन्हें आम तौर पर शीटों या प्लेटों के रूप में जाना जाता है) जिनकी चौड़ाई 4950 मिमी. तक और मोटाई 150 मिमी. तक है।	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज हुंडाई स्टील कंपनी	1. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प 2. मैसर्स ह्यूंडै कारपोरेशन	557	मी.टन	यूएस \$
2.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज पोस्को	1. मैसर्स पोस्को दैवू कारपोरेशन 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कॉर्प, 3. मैसर्स ह्यूंडै कारपोरेशन, 4. मैसर्स पोस्को एशिया, हांग कांग 5. पोस्को पीएण्डएस	557	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
3.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	क्रमांक 1 और 2 से भिन्न कोई अन्य संयोजन		557	मी.टन	यूएस \$
4.	- वही -	- वही -	कोरिया जनवादी गणराज्य	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
5.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
6.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	जेएफई स्टील कार्पोरेशन	1. जेएफई शोजी ट्रेड कार्पोरेशन, 2. मेटल वन कार्पोरेशन 3. मित्सूई एण्ड कं. लि., 4. ओह्शी इंडस्ट्रीज, लि., 5. टोयोटा शूशो कार्पोरेशन	557	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
						6. शिंशो कारपोरेशन, जापान 7. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक. 8. कयोशो कं. लि			
7.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	मेसर्ज निप्पोन स्टील एंड सुमिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. हाण्वा कं., लि. 2. मित्सुई एण्ड कं. लि., 3. निप्पोन स्टील एण्ड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 4. सुमिटोमो कारपोरेशन 5. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि.	शून्य (शुल्क तालिक के नीचे के नोट का संदर्भ लें)	मी.टन	यूएस \$
8.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	मेसर्ज निप्पोन स्टील एंड सुमिटोमो मेटल कारपोरेशन	1. हाण्वा कं., लि. 2. मित्सुई एण्ड कं. लि., 3. निप्पोन स्टील एण्ड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 4. सुमिटोमो कारपोरेशन 5. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि.	557	मी.टन	यूएस \$
9.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	क्रमांक 6, 7 और 8 से भिन्न कोई अन्य संयोजन		557	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
10.	- वही -	- वही -	जापान	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
11.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	जापान	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
12.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	मेसर्ज अगंग स्टील कंपनी लिमिटेड	मेसर्ज अगंग ग्रुप हांगकांग कंपनी, लिमिटेड	557	मी.टन	यूएस \$
13.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	1. मेसर्ज झांगजिकांग जीटीए प्लेट कंपनी, लिमिटेड 2. मेसर्ज झांगजिकांग होंगचांग प्लेट कंपनी लिमिटेड 3. मेसर्ज	1. मैसर्स जियांगसू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं., लि., 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) प्रा.लि.,	557	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
					झांगजिकांग शाजिंग हैवी प्लेट कंपनी, लिमिटेड				
14.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	1. मेसर्ज बुआंग न्यू हैवी एंड वाईड स्टील प्लेट कंपनी, लिमिटेड 2. मेसर्जबुआंग आयरन एंड स्टील कंपनी, लिमिटेड .	1. मैसर्स बुयांग ऑयरन एण्ड स्टील कं. 2. हेवेई ऑयरल एण्ड स्टील (हांग कांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं., लि. 3. हेवेई ऑयरन एण्ड स्टील (सिंगापुर) प्रा. लि., 4. साल्जगिट्टर मन्नेसमन्न इंटरनेशनल जीएमबीएच जर्मनी 5. बरविल रिसोर्स लिमिटेड	557	मी.टन	यूएस \$
15.	- वही -	- वही -	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	क्रमांक 12, 13 और 14 से भिन्न कोई अन्य संयोजन		557	मी.टन	यूएस \$
16.			चीन जनवादी गणराज्य	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
17.			पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
			भिन्न कोई अन्य देश						
18.	- वही -	- वही -	रूस	रूस	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
19.	- वही -	- वही -	रूस	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
20.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	रूस	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
21.	- वही -	- वही -	ब्राजील	ब्राजील	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
22.	- वही -	- वही -	ब्राजील	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
23.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	ब्राजील	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
24.	- वही -	- वही -	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$
25.	- वही -	- वही -	इंडोनेशिया	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन का यूनिट	मुद्रा
				अन्य देश					
26.	- वही -	- वही -	पाटन रोधी शुल्क लागू होने वाले संबद्ध देशों से भिन्न कोई अन्य देश	इंडोनेशिया	कोई	कोई	557	मी.टन	यूएस \$

नोट- केवल निम्नलिखित ग्रेड की प्लेटों/शीटों के लिए लागू :

- (i) हाई टेंसिल क्वालिटी
- (ii) हाई स्ट्रेंथ स्ट्रक्चरल स्टील (वाईएस 350 एमपीए और उससे अधिक)
- (iii) बॉयलर/प्रेसर वैसेल क्वालिटी

ट. आगे की प्रक्रिया

131. प्रारंभिक जांच परिणाम को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

- (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन अनन्तिम जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और प्राधिकारी द्वारा उनको प्रासंगिक पाए जाने पर उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा।
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों की चिंताओं का पृथक् रूप से निदान किया जाएगा, जो कि इन प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उन्हें अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उन्हें अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- (ग) प्राधिकारी जितना आवश्यक समझा जाएगा, उतनी आगे और जांच करेंगे।
- (घ) प्राधिकारी अंतिम परिणाम घोषित करने से पहले पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार अत्यावश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st August, 2016

Preliminary Findings

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of “Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel” originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP, Russia, Brazil and Indonesia.

No. 14/09/2016-DGAD.—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

2. Whereas M/s. Essar Steel India Limited, M/s. Steel Authority of India Limited and M/s. JSW Steel Limited (hereinafter referred to as the “applicants” or “domestic industry”) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and the AD Rules, for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of “Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel” (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP, Russia, Brazil and Indonesia (hereinafter also referred to as the subject countries), alleging dumping and consequent injury and requested for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject countries.
3. And whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, issued a public notice vide Notification No.14/9/2016-DGAD dated 11.04.2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the sub Rule 5 of the AD Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

4. The procedure described below has been followed:
 - a. The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
 - b. The Authority sent a copy of initiation notification to the embassies of subject countries in India, known produceRs./ exporters from the subject countries and known importeRs./ useRs./ associations of the subject goods as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
 - c. The Authority forwarded a copy of the non-confidential version of application to Embassies of the subject countries in India, known produceRs./exporters from the subject countries and known importers of the subject goods, in accordance with the AD Rules. A copy of the application was also provided to other interested parties, wherever requested.
 - d. The Embassies of subject countries in India were also requested to advise the produceRs./exporters from their countries to file their responses within the prescribed time limits.
 - e. The Authority sent exporter’s questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

China PR

1. Rizhao
2. Betai Iron & steel
3. Baotou Iron and Steel Group
4. Jiangsu Shagang Group Company Limited
5. Tonghua Iron Steel Group Corporation
6. Angang Steel Company
7. Nanjing Iron and Steel

8. Tangshang Iron & Steel
9. Wuhan Iron and Steel
10. Tianjin Iron & Steel Group Co. Ltd

Japan

1. Nippon Sumitomo
2. Kobe
3. JFE Steel Corporation

Korea RP

1. POSCO
2. Hyundai Steel Co. Ltd
3. Dongkuk Steel Mill Col. Ltd.

Russia

1. Severstal
2. EVRAZ

Brazil

1. Arcelor Mittal

- f. In response to the initiation notification, the following exporters/producers from the subject countries and traders have filed exporter's questionnaire:

I. Korea:

1. Hyundai Steel Company (Producer)
2. Samwoo Co. Ltd. (Producer)
3. Hyundai Corporation (Trader)
4. P & A corporation (Trader)
5. Main Steel Co. Ltd. (Trader)
6. EIN Corporation (Trader)
7. GS Global Corp. (Trader)
8. POSCO Asia Company Limited (Trader)
9. POSCO, Korea (Producer)
10. Daewoo International (*Name changed w.e.f. 14th March 2016 to POSCO Daewoo Corporation*) (Trader)
11. POSCO Processing & Services Co. Ltd. (Trader)
12. Samsung C&T Corporation (Trader)

II. Japan

13. Hanwa Co. Ltd. (Trader)
14. Mitsui & Co. Ltd. (Trader)
15. Marubeni Itochu Steel Inc. (Trader)
16. JFE Steel Corporation (Producer)
17. JFE Shoji Trade Corporation (Trader)
18. Honda Trading Corporation (Trader)
19. Ohmi Industries Ltd. (Trader)
20. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation (Trader)
21. Shinsho Corporation (Trader)

22. Nisshin Steel Co. Ltd. (Producer)
23. Sumitomo Corporation (Trader)
24. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (Producer)
25. Kanematsu Corporation Ltd. (Trader)
26. Toyota Tshusho Corporation (Trader)
27. Metal One Corporation (Trader)
28. Uttam Galva International FZE (Trader)
29. Uttam Galva International Pte. Ltd. (Trader)
30. Nissan Trading Co. Ltd (Trader)
31. Kyusho Co. Ltd., Japan

III. **China PR**

32. Zhangjiagang Hongchang Steel Plate Co. Ltd. (Producer)
33. Zhangjiagang GTA Plate Co. Ltd. (Producer)
34. Shagang International (Singapore) PTE. Ltd. (Trader)
35. Xinsha International Pte. Ltd. (Trader)
36. Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co. Ltd. (Producer)
37. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd (Trader)
38. Nanjing Iron and Steel Co. Ltd. (Producer)
39. Nanjing Iron and Steel Group International Trade Co. Ltd. (Trader)
40. Singapore Jinteng International Pte. Ltd. (Trader)
41. Angang Group Hong Kong Co. Ltd. (Trader)
42. Angang Steel Company Limited (Producer)
43. Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co. Ltd. (Producer)
44. Wuyang Iron & Steel Co. Ltd. (Producer)
45. Hebei Iron & steel (Singapore) PET. Ltd. (Trader)
46. Hebei Iron & steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd (Trader)
47. Salzgitter Mannesmann International GmbH (Trader)
48. Ningbo Cimei Import & Export Co. Ltd. (Trader)
49. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
50. Burwill Resources Limited (Trader)
51. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
52. Steelco Pacific Trading Limited (Trader)

IV. **Indonesia**

53. PT Krakatau POSCO, Indonesia
- g. None of the produceRs./exporters from China PR has claimed Market Economy Treatment (MET) rebutting the non-market treatment in the present investigation.
 - h. Questionnaires were sent to the following known importeRs./users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
 1. Alstom India Ltd.
 2. Arcelor Neel Tailored Blank Private Limited
 3. Bharat Heavy Electricals Limited
 4. Bhilai Engineering Corporation Ltd.,

5. C.R.I. Pumps Private Limited,
 6. Caterpillar India Pvt. Ltd.,
 7. Denis Plast Limited
 8. Desmi Equipments Pvt. Ltd.
 9. Escorts Ltd.
 10. Exedy India Limited
 11. Fine Forge Limited.,
 12. Flakt (India) Limited
 13. Gamesa Wind Turbines P.Ltd
 14. Ganpati Enterprises
 15. Hindustan Shipyard Ltd.,
 16. Hindustan Construction Co. Ltd.,
 17. Idl Explosives Limited
 18. Ifb Automotive Private Limited
 19. JBM Industries Ltd.
 20. JCB India Limited
 21. Kalinga Fixtures Ltd.
 22. Kalpataru Power Transmission Ltd.
 23. Larsen & Toubro Limited
 24. Lloyds Steel Industries Ltd.
 25. Maruti Suzuki India Limited
 26. POSCO Electrical Steel India Pvt. Ltd.,
 27. Ravi Steel Co.
 28. Superior Steel Industries
 29. Tranter India Private Limited
 30. TRF Limited
- i. The following importers./users of the subject goods have responded in the form of questionnaire responses or provided comments to the initiation of the investigation:
1. Hyundai Steel India Limited
 2. Automotive Steel Pipe India Private Limited
 3. Highly Electrical Appliances India Pvt. Ltd.
 4. Ferrum Extreme Engineering Pvt. Ltd.
 5. Rajasthan Prime Steel Processing Center Pvt. Ltd.
 6. TT Steel Service India Pvt Ltd.
 7. Hyundai Motors India Ltd.
 8. Pyung Hwa India Pvt. Ltd.
 9. Mobis India Limited
 10. PHA India (P) Ltd.
 11. Hwashin Automotive India Pvt. Ltd
 12. TI Metal Forming
 13. YSI Automotive Pvt Ltd.

-
14. Sungwoo Hitech India Limited
 15. Sungwoo Stamping Private Limited
 16. Myuong Shin India Automotove Private Ltd.
 17. Kwang Jin India Autosystems Pvt. Ltd.
 18. Nippon Steel & Sumikin Pipe India Pvt. Ltd.
 19. Tega Industries Limited
 20. POSCO Maharashtra
 21. Toyota Kirloskar Motor Pvt Ltd.
 22. Welspun Corp Limited
 23. Maruti Suzuki India Limited
 24. Thyssenkrupp Electrical Steel India Pvt Ltd.
- j. Further, the following parties have filed submissions/comments on the initiation notification.
1. Mundhra Fine Blanc
 2. Federation of Industries of India
 3. Ministry of Economic Development of the Russia Federation
 4. Nezone Tubes Limited
 5. Nezone Strips Limited
 6. Leomet Alloys Inc
 7. PJSC NOVOLIPETSK Iron & Steel Corporation
 8. Welspun Corp Limited
 9. Kobelco Cranes India Private Limited
 10. Kobelco Plate Processing India Private Limited
 11. CORSMA
 12. Toyota Kirloskar Motor Private Limited
 13. The Japan Iron & Steel Federation
 14. Manaksia Steel Limited
 15. Renault Nissan Automotive India Private Limited
 16. POSCO
 17. Highly Electrical Appliances India Pvt. Ltd.
 18. Nanjing Iron & Steel Co. Ltd., Singapore Jinteng International Pte. Ltd. and Nanjing Iron & Steel Group
 19. Hyundai Motor India Limited
 20. MAN Industries India Limited
 21. Manaksia Steels Limited
 22. Stelco Limited
 23. PAO Severstal, Russia
 24. Thyssenkrupp Electrical Steel India Private Limited
 25. Ferrum Extreme Engineering Pvt. Ltd.

26. Tega Industries Limited
 27. Volkswagen India Private Limited
 28. ISGEC Hitachi Zosen Ltd.
 29. ISGEC Heavy Engineering Ltd
 30. Maruti Suzuki India Ltd.
- k. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all interested parties have been taken into account in present findings.
 - l. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
 - m. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.
 - n. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
 - o. The Non-injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
 - p. Considering the fact that the subject goods are being imported in various grades/sizes/dimensions, the applicants have also proposed Product Control Numbers (PCNs) in order to make a PCN to PCN comparison for computing the dumping margin and injury margin. However, for the purpose of preliminary findings, the authority has not adopted PCN to PCN comparison.
 - q. Verification of the information provided by the applicant domestic industry was carried out by the Authority to the extent deemed necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of present preliminary findings.
 - r. Investigation was carried out for the period starting from 1st July 2015 to 31st December 2015 (6 months) (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2012-13, 2013-14, 2014-15, April 2015 to December 2015 and the POI.
 - s. The petitioners had submitted the petition alleging dumping of the subject goods from the subject countries relying upon transaction wise imports data sourced from IBIS. However, request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide transaction wise details of the imports of the subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has relied upon the DGCI&S data in the preliminary findings.
 - t. Arguments raised and information provided by various interested parties during the course of the investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority in the preliminary findings.
 - u. Exchange rate for conversion of US\$ to INR is considered for the POI as INR 65.93 as per customs data.
 - v. In this notification *** represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product under consideration ("PUC") in the present investigation is "Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel in coils of a width upto 2100mm and thickness upto 25mm and Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel not in coils (commonly known as sheets and plates) of a width upto 4950mm and thickness upto 150mm".

The PUC covers products which are not further worked than hot-rolled and are flat products of iron, alloy or non-alloy steel, in prime or non-prime condition having 'as-rolled' edge or 'trimmed' edge or 'slit' edge or "milled"

edge or “sheared” edge or “laser-cut” edge or “gas-cut” edge or any other type of edges. These products may be pickled or non-pickled (with or without skin-pass or tempering), slit or non-slit, normalized or un-normalized, ultrasonically tested or untested or oiled or non-oiled etc. These products may be “as-rolled” or “thermo-mechanically rolled” or “thermo-mechanically controlled rolled” or “controlled rolled” or “normalized rolled” or “normalized” or subject to any other similar process. These products may have patterns in relief /chequered patterns of different types derived directly during hot rolling. These products may have been subjected to various processing steps like pickling, oiling, rewinding, recoiling, temper rolling, heat treatment, etc. These products may be sand blasted or shot blasted or subjected to similar processes. The PUC covers Hot Rolled flat sheets and plates of alloy or non-alloy steel, whether or not rolled from universal plate mill including reversible plate mill or hot strip mill or tandem mill or steckel mill or any other similar process with various type of rolling configuration including 2-High, 3-High, 4-High, cluster mill or any similar hot rolling process. The PUC includes sheets and plates produced either directly from the hot rolling process or cut/sheared from hot rolled coils.

The following are not included in the scope of the product under consideration:

1. Hot-rolled flat products of stainless steel.
2. Hot-rolled flat products of steel which are electrolytically plated or coated with zinc.
3. Hot-rolled flat products of steel otherwise plated or coated with zinc.
4. Cladded steel.
6. The PUC is used in many applications and sectors such as automotive, oil and gas line pipes/exploration, cold-rolling, pipe and tube manufacturing, infrastructure and construction, general engineering & fabrication, earth-moving & mining equipment, storage tanks, low pressure heaters, capital goods including plant and process equipment for cement, fertilizer, refineries etc.
7. The PUC is classified under Custom Tariff Heading 7208, 7211, 7225 and 7226. The Customs classification is indicative only in no way binding on the scope of the present investigation.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other interested parties

8. Submissions made by exporters, importers, users and other interested parties with regard to issues related to PUC and considered relevant by the Authority are as follows:
 - a. The WTO dispute settlement (particularly in the case DS 135- European Communities- Measures affecting asbestos) determines that in every particular case the competent authorities should undertake a comprehensive analysis based on certain criteria such as product properties, end-users, consumer tastes and habits, nature and quality of the products, tariff classification in the Harmonized System. The PUC covers both narrow thickness sheets with a thickness less than 3 mm and wide thickness sheets with thickness more than 10 mm. The difference in plate thickness is crucial because it affects the end-use of the product and the consumer's preference as well. Besides, the scope of investigation is expanded on hot-rolled products in coils and hot-rolled products not in coils.
 - b. The goods falling under headings 7208, 7211, 7225 and 7226 are different regarding their end uses. Narrow and wide flat rolled products are different in regard to their end use, and they cannot be treated as substitutable or interchangeable.
 - c. Most of the HR Coils are further rolled and processed to produce items such as cold rolled sheets/coils, coated sheets and coils, pipes etc. HR Coils are the most important intermediate products for various reasons. So, sheets and plates and HR Coils are different products in regard to the end-uses, and they cannot be treated as substitutable.
 - d. The Petitioners have clubbed heterogeneous products together, making it impossible to conduct investigation in a rationale and fair manner. A new category of “HR not in coils” has been invented to support claim of dumping whereas there is no mention of this category in the domestic and global industry. Further, the qualities of steel excluded from Quality Control Order should also be excluded from the purview of this investigation.
 - e. The scope of the PUC is very broad and not clear and is completely contrary to the requirement of having only like articles covered within the scope of the PUC. The products classified under subheading 7225 are materially different from products classified under subheading 7208 and cannot be put together in one basket to determine a single PUC.
 - f. The Petitioners have treated the overall PUC as de-facto two separate products for its injury analysis without due analysis of the overall PUC. Such separate analysis is justified by their completely different cost and sales structures and, therefore, injury determination. Therefore, it stems from the aforementioned that the PUC is over broadly defined. Moreover, the PUC in the present investigation was subject to two separate safeguard

- investigations in India. The same approach should have been applicable to the present anti-dumping proceedings.
- g. Tata Steel Limited is unable to supply HR Coils in thickness 1.20 mm to 1.60 mm in the eastern regions.
 - h. It is difficult to depend on Indian vendors due to unstable and inconsistent quality and supply. Minimum Order Quantity (MOQ) of qualified vendor in India is very high whereas Japanese and Korean suppliers do not ask for such volumes as MOQ. The DGAD should not levy anti-dumping duty for plates which are used for construction machinery and complying to IS Standard IS 2062:2011 E250C, E350C E450BR.
 - i. Certain steel products which are not obtained in India ought to be excluded from the scope of the investigation. Such steel is consumed in various industries such as automotive, electrical and electronic sectors etc. Moreover certain grades which are excluded from the safeguard investigation should also be excluded from the scope of the current investigation.
 - j. Anti-dumping duty should not be imposed on abrasion resistant alloy steel plates (Brinell hardness grade 400, 450 and 500) and high strength alloy steel plates (Yield Strength 690Mpa and above) from JFE Japan and SSAB Sweden. Domestic mills have not been able to manufacture the high strength steel plates. There are serious problems in such materials provided by domestic industry. JFE and SSAB material is very costly in comparison to Indian material. Further increasing the cost by imposing duties will make the products unviable. No mill in India is capable of producing such quality steel plates in coming years.
 - k. N22CB, a special grade of Hot Rolled alloy steel from Japan is required to manufacture safety critical door latch parts in cars. No manufacturer in India and none of the petitioner companies is manufacturing a grade which has similar chemical, mechanical and metallurgical properties. The buying price of this steel is above USD 1500 per MT. N22CB grade should not be brought under the said anti-dumping investigation. Moreover, N22CB grade cannot be fully described under any of the Indian steel standards and importers have also obtained an NOC from the Bureau of Indian Standards to allow import of this grade without obtaining BIS certification.
 - l. The Authority should exempt imports of automobile steels from anti-dumping purview as only 12% of the total steel consumption is for automobile industry and cheap imports are targeted towards the industrial sector. Moreover, steels imported for automotive application which is higher than the Minimum Import Price (MIP) should be kept out of the anti-dumping purview. The Petitioners lack quality for specialised downstream consumers such as automobile sector, consumer durable industry etc., for which evidence has been placed on record. User industry thus prefers imported PUC which are of better quality.
 - m. “High Tensile Special Purpose Grade Steel” is imported from Korea for captive use by auto manufacturer in India. The import prices of such steel are higher than the “Normal Price” indicated in the Petition and are not causing any injury to the DI. It is requested to fix a reference price for both Hot Rolled and Cold Rolled investigations. It is also requested to exempt pickled and oiled hot rolled steel coils falling under HS Code 720825, 720826 and 720827 from anti-dumping duty.
 - n. The steel grades imported from overseas suppliers are as per Japanese Industrial Grades and include grades such as SK4, SK5, SKS81. These grades are not being produced by the DI and are not “like products”. Therefore, these grades should be excluded from the scope of the PUC. Moreover, these grades are also not covered under the scope of mandatory BIS certification. The grades of steel which Stelco processes are 55C6, 60C6, 65C6, 70C6 (SAE 1074, SAE 1075), 80C6 (SAE 1080), SAE 1095, 50CrV4, SUP 10, SGS81. Stelco, therefore, requests DGAD to offer clarification that the said grades of steel which are used for cold rolling/hardening & tempering do not fall under the purview of this investigation.
 - o. Hot Rolled Silicon Electrical Non Oriented Steel (HRNO) is imported for manufacture of CRNO, falling under chapter heading 7225 1910, from Europe and China. The Indian producers with limited capacity and capability have their own cold rolling facilities and hence are not selling HRNO in market. Thus, the product is not available in India commercially. It is requested to consider exclusion of HRNO under chapter heading 7225 1910 from the present investigation.
 - p. Compressors for air conditioners for cars require steel which must pass JIS standards. The auto car companies require special kind of steel, i.e., Hot Rolled Oil & Pickled coils (SPHC Steel or HRPO Steel). The Hot Rolled Oil & Pickled Coils from domestic suppliers fail to pass the pressure test. Such steel cannot be used to manufacture compressors. This has also been communicated to the suppliers, i.e., JSW and Essar. A non SPHC steel manufactured by local suppliers under IS1062 and IS1079 cannot be used in place of SPHC steel being imported. The import of these grades could not have caused injury to petitioning domestic industry.
 - q. Due to absence of reliable and qualified domestic suppliers of API grade steel, the user industry has no choice but to import the same. None of the grades supplied by the DI during the POI is equivalent to the grades proposed for exclusion. It is, therefore, requested to exclude API grade from the product scope. Moreover API

grade has also been excluded from the safeguard investigation as well as MIP notification issued by the Government of India. Thus, as recent as 2016, the DI did not find that imports of API grade were causing injury to the domestic industry.

- r. Auto grade steel, ultra low carbon, ultra low carbon high strength steel, advance high strength steel, IF/IFHS grades, plates used for construction machinery and complying with IS 2062:2011 E250C, IS 2062:2011 E350C and IS 2062:2011 E450BR should be exempted from anti-dumping duty, as the domestic industry is unable to meet the user requirements in India. SPHC grade, grades procured from NSSMC, JFE and Metal One Corporation should be exempted from anti-dumping duty, as the same are not manufactured in India. HRPO under CTSH 720825, 720827, 722530 and 722550 are not available in India and imports falling under them should be excluded from the product scope. Abrasion resistant steel and high tensile alloy steel plates should be exempted from anti-dumping duty. JFE EVERHARD series, HITEN series, NSSMC ABREX series and WELTEN series which is being sourced from Metal One Corporation, Japan, should be exempted from anti-dumping duty.
- s. All items excluded from the purview of safeguard duty should be excluded from the product scope in the present investigation.

Submissions made by Domestic Industry

9. The submissions made by the domestic industry (DI) and considered relevant by the Authority are as follows:
 - a. Domestic industry has submitted that each type of hot rolled coils and sheets have different requirement as the specifications and uses. The domestic industry is capable of manufacturing all the type of PUC.
 - b. The interested parties have raised similar contentions during the recently concluded safeguard investigation.
 - c. The Designated Authority had earlier conducted investigations relating to stainless steel products wherein both coil and plates/sheets were included within the scope of the product under consideration. No product is consumed in coil form. Every coil is first cut and then consumed.
 - d. The interested parties have failed to substantiate their claim with evidence. Moreover, companies could have approached any other producer in India who would have easily supplied such material to them. Merely because one Indian manufacturer is not supplying to these companies, it cannot be a ground for exclusion of these products. The requirements of the interested parties can be conveniently served by Indian steel manufacturers including Petitioners. Further, several exporters have raised issues on the quality of products manufactured by the domestic industry, but they have no locus to raise such issues. Such issues are credible if users in India raise them.
 - e. There are many HR Flat steels conforming to various grades and specifications that are being produced by DI but not covered under Quality Control Order or does not have BIS Standard, viz., API grades, SAE1541, AHSS with TS \geq 580 MPa, Case-Hardening steels viz. 16MnCr5 etc.
 - f. API was excluded from Safeguard investigation since imports of API grade steels did not exhibit the required surge. The Domestic industry was not getting injured by the imports of API grade steel during the period of investigation in the safeguard investigation. However, the imports of API Grade steel has jumped manifold during the POI and the average import prices has also fallen sharply causing injury to the DI. The average import quantity of the API grade steel increased from 5,959 MT per month during April-June 2015 to 29,142 MT during the POI. The import prices of API Grades steel plummeted from USD 702 per MT in June 2015 to USD 370 per MT in December 2015. However, the DI is fully capable and is rated amongst select world-class steel makers for their technological and operational excellence. DI is capable to produce and supply API grade steels as per customized technical requirement.
 - g. DI is already servicing on regular basis the structural / HT grade steel requirement for world-renowned manufacturers of excavators, back-hoe loaders, dumpers etc. viz. JCB, Caterpillar and many more.
 - h. Many interested parties including Maruti Suzuki India Limited have contended that all imported grades that are not manufactured by the domestic industry should be excluded from the product scope. Though such parties have annexed with their submissions a list of grades that they import, but the same have been treated as confidential. Unless such parties provide the list of grades to interested parties on non-confidential basis, the domestic industry will not be in a position to comment on the grades for which they require exclusion. In view of this, exclusions requested by such parties cannot be allowed. It is reiterated that the domestic industry is fully capable in manufacturing all the grades and specifications required by the domestic industry.
 - i. Many of the interested parties had raised similar submissions before the DG Safeguards as well. The interested parties are merely repeating those submissions before the Designated Authority now. It is to be noted that the DG Safeguards had thoroughly examined the submissions of the interested parties in the final findings dated 15 March 2016. The DG Safeguards concluded that there was no merit in the submissions of the interested parties and further concluded that all the grades for which exclusions were sought were being manufactured by the

domestic industry and supplied to users in India. No interested party has challenged the aforesaid determination of the DG Safeguards. Therefore, the product scope in safeguard investigation is legally sacrosanct, final and binding on the interested parties. The same interested parties cannot now come before the Designated Authority and reiterate same submissions on the product scope.

- j. As regards the grade N22CB, DI requests equivalent international standard should be made known or alternately, chemical composition, mechanical properties and other metallurgical properties should be provided to DI to comment. In any case, it is submitted that the domestic industry has manufactured equivalent grade and supplied the same to users in India. Therefore, the domestic industry is fully capable to manufacture the aforesaid grade.
- k. All the exclusions requested by the interested parties are not warranted, as the domestic industry not only manufactures the same but has also supplied to users in India on a regular basis. Evidence in this regard in the form of invoices, mill test certificates and appreciation letters from users has been provided to the Authority. These aspects have also been duly verified by the Authority. There is no doubt that the domestic industry is fully capable in manufacturing all the grades for the interested parties have requested exclusion.

Examination by the Authority

10. The submissions made by the interested parties and the domestic industry with regard to the PUC related issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- a. The main thrust of the submissions by the aforementioned interested parties is three-fold; i) the domestic industry does not produce many grades covered in the product scope, ii) the domestic industry does manufacture certain grades but the quality is not suitable, and iii) for certain grades, the domestic industry does not have customer's approval. The domestic industry has filed a detailed response addressing the claims of these interested parties. The Authority has examined the response filed by the domestic industry and it is noted that the domestic industry has the capability to manufacture all the grades for which exclusions have been sought. The Authority has also during the verification visit found that the domestic industry is manufacturing all the grades for which it got the orders and has also supplied them to users in India. Therefore, the request of various interested parties for exclusion of specific grades cannot be entertained.
- b. It has been contended by interested parties that coils and not in coils cannot be covered in one investigation. It is further contended that alloy and non-alloy steel cannot be covered in one investigation. The Authority notes that there is no bar in law to conduct an anti-dumping investigation on coils and not in coils in one investigation as well as alloy and non-alloy steel in one anti-dumping investigation. In fact, the Authority has conducted previous anti-dumping investigations on stainless steel which cover both coils, and sheets and plates in one anti-dumping investigation itself. Further, it is noted that with respect to calculation of dumping and injury margins, the Authority has compared coils with coils and sheets and plates with sheets and plates.
- c. It has been contended by the interested parties that HR coils and sheets/plates are different products having different end uses and, therefore, cannot be considered substitutable. In this regard the Authority notes that although coils and sheets/plates are two different products having different uses, but they are manufactured using the same manufacturing process. Further, hot rolled coils can be slit into sheets and plates of various sizes and dimensions (upto certain thickness). Also, the raw materials for manufacturing hot rolled coils and sheets/plates are essentially the same. Therefore, the Authority considers it appropriate to cover both hot-rolled steel in coils and sheets/plates into a single investigation. There is no legal bar on the Authority to cover two products having different uses in the same investigation. The Authority has already conducted anti-dumping investigations on stainless steel which cover both coils and sheets and plates in one anti-dumping investigation. In any case, the Authority has calculated separate dumping and injury margins for HR Coils and HR sheets/plates.
- d. Moreover, the Authority notes that Rule 2(d) defines "like article" as an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped into India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. While determining the likeness of an article, the Authority looks into the raw material used, production process, end use, and technical and commercial substitutability, etc.
- e. It has been contended by some parties that there does not exist any product such as "HR not in coils". In this regard the Authority notes that HR not in coils is a nomenclature appearing in Indian Customs Tariff itself and the same has been adopted in the present investigation.
- f. It has been contended that the PUC covers both narrow thickness sheets with a thickness less than 3mm and wide thickness sheets with thickness more than 10mm. It is further argued that the difference in plate thickness is crucial because it affects the end-use of the product and the consumer's preference as well. It is argued that the goods falling under customs tariff heading ("CTH") 7208, 7211, 7225 and 7226 are different regarding their end-uses. Narrow and wide flat rolled products are different in regard to their end-use, and

they cannot be treated as substitutable or interchangeable. The Authority does not agree with the above contentions. It is argued that HR coils and sheets and plates falling under CTH 7208, 7211, 7225 and 7226 are different and inter se are neither substitutable nor interchangeable. But the essential question is whether HR coils and sheets and plates being imported into India are like or substitutable with the products being manufactured by the domestic industry. The Authority notes that subject imports indeed are like to the products manufactured by the domestic industry. The contention of inter se substitutability or interchangeability is irrelevant in this context. Further, there is no legal bar in conducting one anti-dumping investigation on narrow and wide thickness sheets and plates.

- g. The Authority notes that a product excluded under Quality Control Order cannot be merely be excluded unless the interested parties provide evidence that the same are not being manufactured by the domestic industry. The opposing interested parties have not given any credible evidence that these products are not manufactured by the domestic industry whereas on the other hand the domestic industry has provided sufficient evidence in this regard that they manufacture the product under consideration. Further, the interested parties have not been able to identify the products excluded in the Quality Control Order which the domestic industry does not manufacture. The interested parties have merely made a blanket statement in this regard.
- h. Some of the interested parties have contended that the PUC has been broadly defined to cover HR coils as well as HR plates/sheets. However, they have not given any explanation or evidence to substantiate their claim. Merely because of the fact that domestic industry has filed two separate safeguard applications for Hot rolled in coils and Hot rolled sheets and plates, it does not debar the domestic industry to cover Hot rolled in coils and Hot rolled Sheets and plates in a single anti-dumping application. As stated earlier, the Authority has in the past conducted a single anti-dumping investigation on stainless steel in coils and sheets and plates.
- i. Some interested parties have also argued that they have been importing HR coil in thickness 2.00 mm and below because their regular supplier M/s. Tata Steel Ltd. had stopped supplying due to availability constraints and because of this reason they are forced to import this specific product and such products, therefore, should be excluded from the product scope. The Authority notes that the interested parties have failed to substantiate this claim with credible evidence. Moreover, the users could have approached any other producer in India who could have easily supplied such material to them. Merely because one Indian manufacturer is not supplying to these companies, it cannot be a ground for exclusion of these products.
- j. With regard to the submission by some interested parties that it is difficult to depend on Indian vendors due to inconsistent quality, supply and Minimum Order Quantity requirements, the Authority notes that such parties have themselves acknowledged that the grades required by them are manufactured by Indian producers. Merely because some particular domestic producers are not approved by an interested party does not mean that these grades should be excluded. Moreover, the Minimum Order Quantity is a kind of business decision which is quite prevalent in the trade and thus cannot be reason for not granting protection to the domestic industry. Further, such claims have not been substantiated by any evidence. Further, interested parties have not supplied any evidence to demonstrate that plates which are used for construction machinery and complying to IS Standard IS 2062:2011, E250C, E350C and E450BR are not manufactured by the domestic industry. However, the domestic industry has placed evidence on record to demonstrate that they manufacture the above grades.
- k. It is contended that anti-dumping duty should not be imposed on abrasion resistant alloy steel plates and high strength alloy steel plates sourced from JFE Japan and SSAB, Sweden. The Authority notes that the domestic industry has either been making these grades or has the capability to manufacture the same. Further, this investigation is not against the EU, so interested parties may explain how SSAB Sweden is concerned with the present investigation.
- l. It is contended that N22CB, a special grade of hot-rolled steel from Japan should be excluded from the product scope. The Authority notes that the domestic industry has demonstrated that they are capable of manufacturing this grade and have in fact also manufactured and supplied an equivalent grade to users in India. Therefore, the Authority notes that this grade is not excluded from the product scope at this juncture.
- m. It has been argued by various interested parties that automotive steel should be excluded from the scope of PUC since its imports are very less as compared to total imports and prices are very high. In this regard the Authority notes that low imports of a particular grade do not lead to exclusion of that grade from the scope of the PUC. Further, the Authority notes that imports of automotive steel are actually in significant quantities during the POI. The interested parties have not demonstrated that such grades are not being dumped into India or the domestic industry is not manufacturing such grades. The domestic industry has provided comprehensive evidence to demonstrate that they are manufacturing and have been supplying automotive steel grades to users in India.
- n. Some interested parties have argued that automotive grade steel like “High Tensile Special Purpose Grade Steel” imported from Korea RP and Japan should be excluded from PUC as the import prices of this grade are

higher than the normal price. It is contended that reference price should be fixed as after imposition of anti-dumping duty, they will have to necessarily import this product. In this regard, the Authority observes that it has to be demonstrated by Korean exporters that they are not dumping this grade or imports of this grade are not causing injury to the domestic industry. Further, the domestic industry is capable of manufacturing “High Tensile Special Purpose Grade Steel” as well as “pickled and oiled hot rolled steel coils”. The domestic industry has further submitted that they are already on the approved vendor list of several automobile makers, their vendors and auto component manufacturers.

- o. It is contended by interested parties that grades such as SK4, SK5 and SKS81 should be excluded from PUC. However, interested parties have failed to demonstrate that the domestic industry is not capable of manufacturing these grades. Interested parties have to provide credible evidence to substantiate the above claims.
- p. Further, the domestic industry has demonstrated with evidence that they can manufacture Hot-rolled Silicon Electrical Non Oriented Steel (HRNO) and hot-rolled oiled and pickled coils. Therefore, requests for exclusion of these grades cannot be entertained.
- q. With regard to contention of interested parties for exclusion of certain grades of steel products from the product scope, the Authority notes that none of the interested parties have specified the grade, along with chemical as well as physical parameters, for which they wish to claim exemption. Hence, for the purpose of the preliminary findings, the claims for exclusion of certain grades from PUC are provisionally rejected.
- r. With respect to the contention of the interested parties regarding exclusion of API grade, it is noted that API has been excluded from the product scope in the safeguard application because the imports of API grade were not significant at the time of filing the safeguard application and thus were not causing any injury during the safeguard investigation period. However, API grade has been imported in increased quantities at reduced prices after imposition of provisional safeguard duty and during the POI of the current antidumping investigation. API grade steel had been excluded from the product scope of the safeguard investigation as the import analysis for F.Y. 2014-15 showed that quantity of import of these API grade steel was not at alarming levels. During 2015-16, the average import volumes of API grade steel increased by nearly 5 times in the POI as compared to the earlier period. The average import prices of API grade steel had also steeply fallen during the POI. The domestic industry has also supplied evidence in this regard which the Authority has duly examined. Therefore, API grade steel cannot be excluded from the product scope.
- s. As regards the contention that the PUC is too broad and vague, the Authority notes that the PUC has been appropriately defined keeping in view the imports from the subject countries and production and supply position of the domestic industry. The Authority has thoroughly examined the contentions by all parties before arriving at the product scope.
- t. In terms of Rule 6(7) and Rule 7 of the Rules, the Authority is obligated to provide evidence presented to it by one interested party to another interested party. If an interested party claims confidentiality on submissions and evidence, that interested party is obligated under Rule 7 to provide the same submissions and evidence in non-confidential format, but such non-confidential submissions should be meaningful so as to allow other interested parties to make comments. The Authority notes that many interested parties including Maruti Suzuki India Limited have requested for exclusion of various grades from the product scope. But such exclusion lists have been claimed confidential by the interested parties. The Authority being a quasi-judicial authority has provided non-confidential submissions of such parties to the domestic industry. The Authority notes that such interested parties have not complied with Rule 7 as their non-confidential submissions are not meaningful enough so as to allow the domestic industry to offer comments on exclusions requested therein. Therefore, at this stage, the Authority has provisionally decided not to exclude such grades from the product scope.
- u. The Authority cannot accept the submissions of the interested parties that all such grades for which exclusions were requested before DG Safeguards should be excluded from the product scope in the present investigation. The antidumping investigation is conducted based on its own facts and merits and independent of safeguard investigation. Still, it is pertinent to note that the DG Safeguards had examined the submissions of interested parties on merits in the safeguard final findings and did not allow any exclusion in product scope that was requested by interested parties.
- v. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as follows: -"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. On the basis of information on record and considering the submissions made by the interested parties, the Authority provisionally holds that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and those imported from the subject countries. The two are comparable in terms of physical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications, distribution and marketing, and tariff classifications of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers use the two interchangeably. The Authority provisionally holds that

the products manufactured by the Applicants constitute like article to the subject goods being imported into India from the subject countries.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

11. Rule 2 (b) of the AD rules defines the domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

12. The application has been filed M/s. Steel Authority of India Limited, M/s. JSW Steel Limited and M/s. Essar Steel India Limited. The production of the aforesaid three producers accounts for a major proportion of the total domestic production and is more than 50% of Indian production. The application has also been supported by two domestic producers, namely, Tata Steel Limited and Jindal Steel and Power Limited.

13. In the present case the petitioners cannot be treated as domestic industry for the reason that some petitioners have imported the subject goods from the subject countries in the POI. It is noted that the petitioners have imported small quantities. The volume of imports are quite low considering gross imports of the product under consideration in India, production of the petitioners and Indian production & consumption of the product under consideration in India. Taking into account the reported capacities and production of other known producers of the subject goods the applicants command a major proportion of the domestic production of the subject goods in the country.

14. Therefore, the Authority holds that the applicants command a major proportion of the production of the subject goods in India and for the purpose of this investigation the applicants satisfies the standing requirement in terms of Rule 5(3) and constitutes the domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

D. MISCELLANEOUS ISSUES RAISED BY INTERESTED PARTIES.

15. Miscellaneous submissions made by various interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:

- a. Imposition of anti-dumping duty only on “Hot Rolled flat products of alloy or non-alloy steel in coils” without imposing the same on imports of finished products like Cold Rolled Steel, Galvanised Steel and pre-painted Galvanized steel would adversely affect the secondary steel manufacturers. Downstream products will be imported into India as they are not subject to any anti-dumping duty resulting in death for all the downstream industries which consume HR Coil as raw material.
- b. The POI “should be representative and as recent as possible”. Deviations from the benchmarking one year POI shall be substantiated by the Petitioners and the Designated Authority by positive evidence which is not present in the current case. The POI of six months is too short for arriving at a conclusion and it should be at least one year.
- c. The steel industry is already strongly protected by an increasing MFN customs tariff from 5% in 2011-12 to 12.5% in 2015-16. On top of that, from 15 March 2016, safeguard duties of 20% ad valorem are in place on imports of hot rolled steel in coils. Furthermore, the DGFT introduced a Minimum Import Price against 173 HS codes, covering the PUC.
- d. MIP has already been imposed and demand of Indian steel mills should not be accepted. Imposition of ADD duty will promote import of finished products, resulting in closure of Indian Industries. There is no further need to protect the steel industry after imposition of MIP, increase in import duty and imposition of safeguard duty. The prices of steel are on a rising trend now and major domestic steel players such as JSW Steel, Bhushan, Essar, JSPL, TATA are reported to be doing good.
- e. Besides high tariffs, the foreign producers confront discriminative non-tariff barriers by way of licensing by BIS. The requirement of BIS license was one of the main reasons for the NLMK Group to suspend their imports of PUC from Russia to India.
- f. All subject countries except for Russia and China are subject to preferential trade agreements. Contrary to Russia, all these countries are relieved from a constantly increasing MFN tariff (from 5% to 12.5%) on HR steel products.
- g. The petition should only be based on JPC data to avoid any manipulations by private agencies. Import Statistics have been procured from a private organization- IBIS and the data could have been manipulated. The import data is based on IBIS and production data is based on JPC which is not compatible and is misleading.

- h. In February 2016 all goods falling within the heading 7208 and part of the goods under heading 7225 were subject to imposition of minimum import price. In view of this, the value “POI annualized” cannot be treated as reliable and should not be taken into consideration.
- i. The declaration that there are no known differences in the production prices employed by the Petitioners and exporters is incorrect. Indian producers have neglected technological up-gradation for cost reduction and product development.
- j. The petition did not include sufficient information on the impact of the alleged dumped imports on the domestic industry. In doing so, the Petitioners failed to meet the specific requirements of Article 5 WTO ADA as implemented in the Indian AD Rules. The Petitioners omitted information on employment, wages, cost of sales, export sales, opening and closing stocks, net worth and captive consumption.
- k. Large volume of PUC is being captively consumed by the Petitioners for production of downstream goods. Petitioners have willfully taken demand for PUC as a whole while concealing the captive consumption of PUC by them. Captively consumed goods did not enter the market and could not be considered as part of competing goods.

16. Miscellaneous submissions made by the Domestic Industry and considered relevant by the Authority are as follows:

- a. Section 9A (3) of the Act is with reference to history of dumping of the product. Petitioners request the authority to recommend retrospective levy of anti-dumping duty on the subject goods because the conditions for retrospective levy of antidumping duty are fully satisfied.
- b. There is evidence of dumping of subject goods which is evident from the fact that many countries including Canada, US, Turkey, EU etc. have initiated anti-dumping investigation against import of Hot-Rolled flat products of steel. Massive dumping of PUC into India has taken place in a relatively short period of time causing injury to the domestic industry.
- c. Exporters are well aware that they are resorting to dumping which is causing injury to the domestic industry since import prices of PUC have reduced significantly as evident from the landed values for respective countries.

Examination by the Authority

17. Miscellaneous submissions made by the interested parties and considered relevant by the authority are examined and addressed as follows:

- a. As regards the submission that imposition of anti-dumping duty on the imports of subject goods will have an inflationary impact on their prices and adversely affect downstream industries, the Authority notes that the objective of anti dumping duty is to prevent the unfair trade practices and to redress its injurious effect on the domestic industries by providing them a level playing field. Moreover, imposition of anti-dumping duty neither restricts nor prevents imports.
- b. The Authority notes that the argument that imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods would accrue undue advantage to domestic Industry is presumptuous and pre-mature. Anti-dumping investigations are based on facts and law to analyze and assess the magnitude of dumping and consequent injurious effect on the domestic industry and to recommend imposition of suitable and adequate antidumping measure to provide a fair and level playing field to the domestic industry vis-à-vis dumping.
- c. With regard to the contention of the interested parties that period of investigation should be more than 6 months, the authority notes that according to recommendation of committee on anti-dumping practices (WTO document no. G/ADP/6 dated 16 May 2000):

“...the period of data collection for dumping investigations normally should be twelve months, and in any case no less than six months, ending as close to the date of initiation as is practicable”

Therefore, in view of above recommendation, 6 months period can be taken as the POI. The Authority has taken six months POI in other investigations also.

- d. The intent behind imposition of safeguard duty is different from anti-dumping duty. Safeguard duty is imposed to arrest surge in imports, whereas anti-dumping duty is imposed to neutralize the injurious effect of dumping on the domestic industry and to create a level playing field to enable the domestic industry to compete effectively vis-à-vis dumped goods.
- e. MIP was introduced by Government of India in view of low prices offered by exporters from subject countries. It is pertinent to note that MIP is in force for a period of six months or until further orders by DGFT, whichever is earlier. This means that MIP could be revoked at any time before the six months period. Once MIP expires,

the domestic industry would be left without any protection from the dumped imports. Further, existence of MIP does not mean that dumping is not taking place.

- f. The interested parties have argued that other non-tariff barriers are also in place like BIS. The authority notes that existence of BIS is to ensure certain quality parameters. BIS standards are to be adhered by domestic industry as well as imports from all the countries. Further, existence of BIS does not lead to conclusion that there is no dumping and consequent injury to domestic industry.
- g. With regard to contention of the interested parties that Russia and China PR are subject to increased customs duty due to existence of preferential trade agreements, the authority notes that even after increasing the customs duty, domestic industry is not able to compete with the low priced dumped imports.
- h. The Authority notes that the production quantity figures have been sourced from the JPC data only wherever necessary. Further, authority has relied upon DGCI&S import data in these findings.
- i. With regard to the contention of the interested parties that there are difference in the manufacturing processes applied by domestic industry and exporters, the authority notes that the most important thing which is required to be analysed is that whether imported goods are like article or not. None of the interested parties has submitted any evidence that subject goods manufactured by the domestic industry are not like articles as compared to those imported. Further, there can be minor differences in the production process adopted by the domestic industry and producers in subject countries but these minor differences does not impact the subject goods in terms of its end uses. It is also noted that both the imported goods and domestically manufactured goods are technically and commercially substitutable.
- j. As regards the request for retrospective imposition of anti-dumping duty, Section 9A(3) of Customs Tariff Act provides as follows:

If the Central Government, in respect of the dumped article under inquiry, is of the opinion that

- (i) *there is a history of dumping which caused injury or that the importer was, or should have been, aware that the exporter practices dumping and that such dumping would cause injury; and*
- (ii) *the injury is caused by massive dumping of an article imported in a relatively short time which in the light of the timing and the volume of imported article dumped and other circumstances is likely to seriously undermine the remedial effect of the anti-dumping duty liable to be levied,*

the Central Government may, by notification in the Official Gazette, levy anti-dumping duty retrospectively from a date prior to the date of imposition of anti-dumping duty under sub-section (2) but not beyond ninety days from the date of notification under that sub-section, and notwithstanding anything contained in any law for the time being in force, such duty shall be payable at such rate and from such date as may be specified in the notification.

- k. The Authority would examine the matter concerning retrospective imposition of anti-dumping duty at the stage of the final finding.
- l. The present investigation has been initiated on the basis of prima facie analysis of the information/data furnished by the applicant showing dumping of subject goods from the subject countries, injury to the applicant on account of the said dumping and causal link between the two. The contention of the opposing interested parties that the initiation of investigation is bad in law due to misleading data furnished by the applicant and improper evaluation of data by the Authority, the Authority notes that it has prima facie satisfied itself about the accuracy and adequacy of information on the basis of information furnished by the petitioner at the time of initiation.

E. DUMPING MARGIN

Market Economy Treatment (MET), Normal Value, Export Price and Dumping Margin

1) NORMAL VALUE

18. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of

the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

- (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Provisions relating to Non- Market Economy countries

19. Annexure-I to AD rules states as under:

7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph”.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

20. Various submissions made by the interested parties with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- The calculation of normal value is based on assumption rather than factual position and is not valid. The breakup of components of normal value such as iron ore consumption, energy consumption, labour cost etc. should be furnished.
 - Russian Federation expresses its concern with the methodology of dumping margin calculation for Russian supplies. The Metal Bulletin prices (MBP) are unreliable and inaccurate for purposes of calculating a benchmark for the import of subject goods from Russia. MBP are not synonymous with Russian prices because they are based on prices for producers in Eastern Europe but not only in Russia. DG should base its conclusion on the basis of actual data submitted by Russian exporters and producers.
 - Calculation of costs on the basis of “Indian experience” contradicts with the Article 2.2.1.1 of the Anti-dumping Agreement which stipulates that “the costs shall normally be calculated on the basis of the records kept by the exporters or producers under the investigation...”
 - Some interested parties have submitted that if profit making transactions are less than 20%, then normal value should be determined on the basis of cost of production plus reasonable profit.

Submissions made by the Domestic industry

21. Various submissions made by the domestic industry with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
- Domestic Industry has provided evidence of selling price of product concerned in the domestic market of subject countries.
 - There is sufficient reason to consider that the producers in subject countries are dumping the subject goods. These producers have been selling the product under consideration at prices less than cost of production or domestic prices are significantly higher than export price to India.
 - None of the Chinese producers can satisfy market economy status. None of the WTO Member countries has granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria.
 - Unless the responding Chinese exporters conform to the standards laid down under the Rules, the Designated Authority is required to determine the normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I to the Rules.
 - None of the produceRs./exporters from China PR has claimed market economy treatment.

Examination by the Authority**Market Economy claims for Chinese producers**

22. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
23. As per Paragraph 8, Annexure I to the AD Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provides information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporteRs./producers of the subject goods from People’s Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
- The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values.
 - The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts.

- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms.
 - d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
24. It is noted that none of producers of subject goods in China PR have claimed market economy treatment. Accordingly, the authority is not required to examine any of the above criteria and held that produceRs./exporters from China PR are not operating under market economy conditions.

Determination of Normal Value

25. The Authority sent questionnaires to the known exporteRs./producers from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following parties have filed exporter questionnaire responses:

I. Korea:

- 1. Hyundai Steel Company (Producer)
- 2. Samwoo Co. Ltd. (Trader)
- 3. Hyundai Corporation (Trader)
- 4. P & A corporation (Trader)
- 5. Main Steel Co. Ltd. (Trader)
- 6. EIN Corporation (Trader)
- 7. GS Global Corp. (Trader)
- 8. POSCO Asia Company Ltd (Trader)
- 9. POSCO, Korea (Producer)
- 10. Daewoo International (*Name changed w.e.f. 14th March 2016 to POSCO Daewoo Corporation*) (Trader)
- 11. POSCO Processing & Services Co. Ltd. (Trader)
- 12. Samsung C&T Corporation (Trader)

II. Japan

- 13. Hanwa Co. Ltd. (Trader)
- 14. Mitsui & co. Ltd. (Trader)
- 15. Marubeni Itochu Steel Inc. (Trader)
- 16. JFE Steel Corporation (Producer)
- 17. JFE Shoji Trade Corporation (Trader)
- 18. Honda Trading corporation (Trader)
- 19. Ohmi Industries Ltd. (Trader)
- 20. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation (Trader)
- 21. Shmiso Corporation (Trader)
- 22. Nisshin Steel Co. Ltd. (Producer)
- 23. Sumitomo Corporation (Trader)
- 24. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (Producer)
- 25. Kanematsu Corporation Ltd. (Trader)
- 26. Toyota Tshusho Corporation (Trader)
- 27. Metal One Corporation (Trader)
- 28. Nissan Trading Corporation (Trader)
- 29. Uttam Galva International FZE, UAE (Trader)
- 30. Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore (Trader)
- 31. Kyusho Co. Ltd., Japan

III. China PR

32. Zhangjiagang Hongchang Steel Plate Co. Ltd. (Producer)
33. Zhangjiagang GTA Plate Co. Ltd. (Producer)
34. Shagang International (Singapore) PTE. Ltd. (Trader)
35. Xinsha International Pte. Ltd. (Trader)
36. Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co. Ltd. (Producer)
37. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd (Trader)
38. Nanjing Iron and Steel Co. Ltd. (Producer)
39. Nanjing Iron and Steel Group International Trade Co. Ltd. (Trader)
40. Singapore Jinteng International Pte. Ltd. (Trader)
41. Angang Group Hong Kong Co. Ltd. (Trader)
42. Angang Steel Company Limited (Producer)
43. Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co. Ltd. (Producer)
44. Wuyang Iron & Steel Co. Ltd. (Producer)
45. Hebei Iron & steel (Singapore) PET. Ltd. (Trader)
46. Hebei Iron & steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd (Trader)
47. Salzgitter Mannesmann International GmbH (Trader)
48. Ningbo Cimei Import & Export Co. Ltd. (Trader)
49. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
50. Burwill Resources Limited (Trader)
51. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
52. Steelco Pacific Trading Limited (Trader)

IV. Indonesia

53. PT Krakatau POSCO, Indonesia

26. None of the produceRs./exporters of subject goods from Russia and Brazil has filed exporter's questionnaire response.

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

27. It is noted that none of producers of subject goods in China PR has claimed market economy treatment. Therefore, in view of the facts placed on record by the domestic industry for the purpose of the provisional findings, the Authority has adopted the constructed normal value for determination of the normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules.

Methodology for determination of normal value for producers and exporters in China PR

28. In view of the above, the normal value for China is required to be determined as per the procedure described in Para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. As per the provisions of Para 7 of Annexure I, the normal value in China PR is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.
29. In the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country, the Designated Authority has constructed the normal value for China PR on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Accordingly, the Normal Value for all the exporters from China PR has been provisionally determined for HR in Coils and HR not in Coils (Sheets/Plates) and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP and Japan**General Methodology for working out Normal Value**

30. It was first determined by the Authority whether the total domestic sales of the subject goods by the produceRs./exporters in the subject countries were representative when compared to the exports of the subject goods to India.
31. Thereafter, it was examined whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Para 2 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. Wherever the produceRs./exporters have provided transaction wise details of sales made in home market and same have been accepted by the Authority, the said information has been relied upon to determine the normal value of the subject goods sold in the home market.
32. For conducting ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned was examined with reference to the information provided by the produceRs./exporters and compared with domestic selling price to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade or not. The authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value for the cooperating produceRs./exporters where profit making transactions are more than 80% and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.

Korea RP**Normal value of cooperating exporters****Normal Value for M/s. Hyundai Steel Company ("Hyundai Steel") Korea RP, (Producer)**

33. During the POI, Hyundai Steel has sold ***MT of the subject goods having invoice value *** million KRW in the domestic market. All sales in the domestic market were made to non-affiliated parties during the POI. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to cost of production of subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Hyundai Steel has claimed adjustment on account of credit cost & inland freight and the same have been allowed provisionally by the authority. Accordingly, provisional weighted average normal value at ex-factory level for Hyundai Steel has been determined for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Normal Value for M/s. POSCO, Korea RP (Producer)

34. During the POI, POSCO has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties as under:

PARTICULARS	QUANTITY (MT)	%	RESPONSE FILED
UNRELATED PARTIES	***	***	
RELATED PARTIES			
1. ***	***	***	NO
2. ***	***	***	NO
3. ***	***	***	NO
4. ***	***	***	NO
5. ***	***	***	NO
6. ***	***	***	YES
7. ***	***	***	NO
8. ***	***	***	NO
9. ***	***	***	NO
10. ***	***	***	NO
11. ***	***	***	NO

PARTICULARS	QUANTITY (MT)	%	RESPONSE FILED
12. ***	***	***	NO
13. ***	***	***	NO
TOTAL RELATED PARTIES	***	***	
GRAND TOTAL	***	100.00%	

35. The Authority notes that none of the above mentioned related parties except POSCO P&S has filed questionnaire response. However, it is also noted that more 80% of the domestic sales has been made to non-affiliated parties during the POI. Therefore, the authority provisionally accepts the domestic sales subject to verification and further information from related companies in Korea RP. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. All domestic sales transactions have been considered for determination of the normal value. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.
36. POSCO has claimed adjustment on account of inland freight, loading charge, packing cost, warranty cost, credit expense, indirect selling expenses & level of trade. The authority has not accepted the adjustments for warranty cost, indirect selling expenses & level of trade for the purpose of provisional findings. Accordingly, provisional weighted average normal value at ex-factory level for POSCO has been determined for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

M/s. Samwoo Co., Ltd., ("Samwoo"), Korea RP

37. M/s. Samwoo Co. Ltd., Korea RP has filed a questionnaire response claiming to be a producer of the subject goods. It is noted by the Authority that Samwoo is involved in merely pickling and oiling process after purchasing HR Coils from various producers of HR Coils in Korea RP. Samwoo has not provided any details regarding the producers of HR Coils from whom it has purchased HR Coils. Therefore, the authority is unable to determine the normal value for Samwoo and does not accept the response filed by Samwoo for the purpose of provisional findings. Accordingly, the provisional normal value for Samwoo is based on facts available with the authority and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Normal Value for non-cooperating producers and exporters from Korea RP

38. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Korea RP, the Authority has determined provisional weighted average normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Normal Value for Japan

Normal Value for M/s. JFE Steel Corporation Japan (Producer) ("JFE")

39. During the POI, JFE has sold the subject goods in domestic market to related and unrelated parties as under:

COMPANY	QTY MT	%	RESPONSE FILED
COILS			
UNRELATED PARTIES	***	***	
RELATED PARTIES			
1. ***	***	***	NO
2. ***	***	***	NO
3. ***	***	***	YES
4. ***	***	***	NO
TOTAL RELATED PARTIES	***	***	
GRAND TOTAL	***	100%	
NOT IN COILS			

UNRELATED PARTIES	***	***	
JFE SHOJI TRAD- RELATED	***	***	YES
TOTAL NOT IN COILS	***	100%	

40. The authority notes that none of the above mentioned related parties except JFE Shoji Trading has filed their response. However, it is also noted by the authority that domestic sales made to non-cooperative related parties are insignificant in terms of total domestic sales. Therefore, the authority provisionally accepts the domestic sales subject to verification and further information from related companies. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.
41. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.
42. JFE has claimed adjustment on account of discounts, inland freight, handling, storage and commission. The authority has provisionally accepted all the adjustments for the purpose of provisional findings. Accordingly, provisional weighted average normal value at ex-factory level for JFE has been determined for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Normal Value for M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (“NSSMC”)

43. During the POI, NSSMC has sold the subject goods in domestic market to related and unrelated parties as under:

COMPANY	QUANTITY MT	%	RESPONSE FILED
RELATED			
1. ***.	***	***	NO
2. ***.	***	***	YES
3. ***.	***	***	NO
4. ***.	***	***	YES
5. ***.	***	***	NO
6. ***.	***	***	NO
RELATED TOTAL	***	***	
UNRELATED TOTAL	***	***	
GRAND TOTAL	***	100%	

44. The authority notes that none of the above mentioned related parties except Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation and Nippon Steel & Sumikin Pipe Co. Ltd., has filed their response. However, it is also noted by the authority that domestic sales made to non-cooperative related parties are very insignificant in terms of total domestic sales. Therefore, the authority provisionally accepts the domestic sales subject to verification and further information from related companies. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.
45. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.
46. NSSMC has claimed adjustment on account of price adjustments, rebate, early payment, inland freight, insurance, credit cost, storage and handling. The authority has provisionally accepted all the adjustments for the purpose of provisional findings. Accordingly, provisional weighted average normal value at ex-factory level for NSSMC has been determined for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Nisshin Steel Co. Ltd.

47. The authority notes that Nisshin Steel Co. Ltd (“NSC”) has submitted the exporters’ response claiming to be producer of subject goods and informed that it has exported the subject goods through traders in Japan. However, the authority notes that NSC has not submitted any details about domestic sales in Appendix-1 and other costing information. NSC has submitted only Appendix-2A and 2B which are also grossly incomplete. Therefore, the authority is unable to determine the normal value for NSC in the absence of any information and rejects the response filed by NSC. Accordingly, the normal value for NSC is based on the facts available with the authority and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Normal Value for non-cooperating producers and exporters from Japan

48. The Authority notes that no other producer/exporter from Japan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Japan, the Authority has determined provisional weighted average normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Normal Value for Indonesia**Determination of Normal Value for M/s. PT Krakatau POSCO, Indonesia**

49. The Authority notes that M/s. PT Krakatau POSCO, Indonesia has filed the exporter’s questionnaire response. It has been stated by M/s. PT Krakatau POSCO that they have exported the subject goods to India through various trading companies. However, some of these trading companies named by M/s. PT Krakatau POSCO have not reported the exports of the subject goods to India in their response which are manufactured by M/s. PT Krakatau POSCO. Due to this suppression of vital information by the traders, the Authority does not accept the response of M/s. PT Krakatau POSCO and determines the normal value for the company on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Determination of Normal Value for other producers and exporters in Indonesia

50. The Authority notes that no other producer/exporter from Indonesia has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Indonesia, the Authority has determined provisional weighted average normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Russia

51. The Authority notes that no producer/exporter from Russia has responded to and cooperated with the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Russia, the Authority has determined provisional weighted average normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Brazil

52. The Authority notes that no producer/exporter from Brazil has responded to and cooperated with the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Brazil, the Authority has determined provisional weighted average normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

(2) EXPORT PRICE**Export Price for Korea RP****Export Price for M/s. Hyundai Steel Company, Korea RP (Producer) along with M/s. GS Global Corp. Korea RP, M/s. Hyundai Corporation, Korea RP, M/s. Main Steel Co., Ltd. Korea RP, M/s. P&A Corporation, Korea RP and Ohmi Industries Ltd., Japan, (Exporters./Traders).**

53. M/s. Hyundai Steel Company, a producer of the subject goods in Korea RP, has filed the questionnaire response along with its unrelated trading companies’, namely, GS Global Corp. Korea RP, M/s. Hyundai Corporation, Korea RP, M/s. Main Steel Co., Ltd. Korea RP, M/s. P&A Corporation, Korea RP and Ohmi Industries Ltd., Japan. These trading companies exported of the subject goods to India manufactured by the Hyundai Steel during the POI. All of these Exporters./Traders have filed their Questionnaire responses with the Authority. The quantity of the PUC exported to India is as under:

EXPORTS TO INDIA	QTY (MT)	%	RESPONSE FILED
DIRECT EXPORTS BY HYUNDAI STEEL	***	***	YES
M/s. GS GLOBAL CORP,	***	***	YES
M/s. HYUNDAI CORPORATION	***	***	YES
M/S. OHMI INDUSTRIES LTD., JAPAN	***	***	YES
M/s. P&A CORPORATION,	***	***	YES
M/s. MAIN STEEL CO., LTD	***	***	YES
TOTAL EXPORTS TO INDIA	***	100.00%	YES

54. The authority notes that Hyundai Steel has exported the subject goods as HR Coils, HR PO Coils and HR not in Coils (Sheets/Plates). The export sales of Hyundai Steel through its unrelated/relating trading companies are on FOB/CFR basis. Hyundai Steel has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, handling charge, inspection fee, bank charge, warehouse expenses, insurance fee and credit expenses and the same have been allowed provisionally. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for Hyundai Steel at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export price for M/s. POSCO, Korea RP (Producer) and traders M/s. GS Global Corp, Korea RP, M/s. Hyundai Corporation, Korea RP, M/s. Samsung C&T Corporation, Korea RP, M/s. Daewoo International, Korea RP, M/s. POSCO Asia, Korea RP, POSCO P&S, Korea RP

55. M/s. POSCO, a producer of the subject goods in Korea RP, has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies', namely, M/s. GS Global Corp, Korea RP, M/s. Hyundai Corporation, Korea RP, M/s. Samsung C&T Corporation, Korea RP, M/s. Daewoo International, Korea RP, M/s. POSCO Asia, Korea RP, POSCO P&S, Korea RP, who exported the subject goods to India manufactured by the POSCO. POSCO has also made direct exports to its related company in India, POSCO Maharashtra, during the POI. Further, POSCO has also exported some quantities through other traders who have not filed their questionnaire response with the Designated Authority. The details are as under:

COMPANY NAME	QTY MT	%	RESPONSE FILED
UNRELATED TRADERS			
1. GS GLOBAL CORP	***	***	YES
2. HYOSUNG CORPORATION	***	***	NO
3. HYUNDAI CORPORATION	***	***	YES
4. KOLON GLOBAL CORP	***	***	NO
5. LG INT'L CORP	***	***	NO
6. SAMSUNG C&T CORPORATION	***	***	YES
7. SK NETWORKS	***	***	NO
8. STEEL N PEOPLE	***	***	NO
UNRELATED TRADERS/IMPORTERS- TOTAL	***	***	
RELATED TRADERS/IMPORTERS			
1. POSCO DAEWOO CORPORATION	***	***	YES
2. POSCO ASIA	***	***	YES
3. POSCO JAPAN	***	***	NO
4. POSCO P&S	***	***	YES
5. POSCO-MAHARASHTRA	***	***	YES
RELATED TRADERS/IMPORTERS- TOTAL	***	***	
TOTAL EXPORTS TO INDIA	***		

56. From the above table, the authority notes that some of the related and unrelated traders have not filed their response. However, it is also noted by the authority that export to India made through non-cooperative related/unrelated parties are very insignificant in terms of total exports to India. Therefore, the authority provisionally accepts the exports to India sales subject to verification and further information from related companies. The export sales of POSCO through its cooperating unrelated/related trading companies are on FOB/C&F basis. POSCO has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, loading charge, packing and credit expenses and the same have been allowed provisionally. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for POSCO at ex-factory level for HR Coils and for HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

M/s. Samwoo Co. Ltd., ("Samwoo") Korea RP along with M/s. EIN Corporation, Korea RP(Exporter/Trader).

57. It is noted by the authority that M/s. Samwoo Co., Ltd., Korea RP has exported only picked and oiled HR Coils to India. Samwoo is not manufacturing HR Coils but is merely doing pickling/oiling process after purchasing HR Coils from various producers of HR Coils in Korea RP. Therefore, the authority does not accept the response filed by Samwoo for the purpose of provisional findings and is unable to determine the export price. Accordingly, the export price for Samwoo is based on the facts available with the authority.

Export Price for non-cooperating producers and exporters from Korea RP

58. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Korea RP, the Authority has determined the provisional weighted average export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for Japan

Export Price for M/s. JFE Steel Corporation Japan (Producer) ("JFE") through Honda Trading Corporation, Japan, JFE Shoji Trade Corporation, Japan Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd., Japan, Ohmi Industries, Ltd., Japan, Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore, Uttam Galva International FZE, Dubai, Shinsho Corporation, Japan, Kvusho Co., Ltd., Japan and Metal One Corporation, Japan (Exporters./Traders)

59. JFE has filed the questionnaire response along with its unrelated/related trading companies', namely, Honda Trading Corporation, Japan, JFE Shoji Trade Corporation, Japan Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd., Japan, Ohmi Industries, Ltd., Japan, Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore, Uttam Galva International FZE, Dubai, Shinsho Corporation, Japan, Kyusho Co. Ltd., Japan and Metal One Corporation, Japan, who exported the subject goods to India manufactured by the JFE. Further, JFE has also exported some quantities through other trader who have not filed their questionnaire response with the Designated Authority. The details are as under:

COMPANY	QUANTITY MT	%	RESPONSE FILED
RELATED TRADER- (JFE TRADING)	***	***	YES
UNRELATED TRADERS			
1. HONDA TRADING	***	***	YES
2. MARUBENI-ITOCH	***	***	YES
3. METAL ONE CORP	***	***	YES
4. MITSUI & CO.,	***	***	YES
5. OHMI INDUSTRIE	***	***	YES
6. SATO SHOJI K.K	***	***	NO
7. SHINSHO CORPORATION	***	***	YES
8. TOYOTA TSUSHO	***	***	YES
TOTAL EXPORTS UNRELATED	***	***	
TOTAL EXPORTS TO INDIA PUC	***	100%	

60. From the above table, the authority notes that one of the unrelated trader has not filed its response. However, it is also noted by the authority that the exports to India made through non-cooperative unrelated parties are

insignificant in terms of total exports to India. Therefore, the authority provisionally accepts the exports of the subject goods to India subject to verification. JFE has not reported all terms of delivery and explanations in its response and no adjustments have been claimed from the export price. The authority notes that whereas other producers have claimed adjustments from export price, no adjustments have been claimed by JFE. Therefore, the authority has made provisional adjustments from export price on the basis of information provided by other cooperating exporters from Japan. Further, the authority notes that some of the traders have exported the subject goods to India at a loss or at a price which does not recover for traders' expenses. The authority has, therefore, made appropriate adjustments on account of traders' expenses also. Accordingly, the provisional weighted average export price determined for JFE at ex-factory level for HR Coils and for HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation ("NSSMC"), Japan through Hanwa Co. Ltd., Japan, Honda Trading Corporation, Japan, Kanematsu Corporation Ltd., Japan, Marubeni-Itchu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd., Japan, Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation Sumitomo Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan (Exporters/Traders)

61. NSSMC has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies', namely, Hanwa Co. Ltd., Japan, Honda Trading Corporation, Japan, Kanematsu Corporation Ltd., Japan, Marubeni-Itchu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd., Japan, Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation Sumitomo Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan, who have exported the subject goods to India manufactured by the NSSMC. Further, NSSMC has also exported some quantities through other traders who have not filed their questionnaire response with the Authority. The details are as under:

COMPANY	QTY MT	%	RESPONSE FILED
NIPPON STEEL & SUMIKIN BUSSAN CORPORATION (RELATED)	***	***	YES
UNRELATED IMPORTERS./TRADERS			
1. HANWA CO.,LTD.	***	***	YES
2. HONDA TRADING CORPORATION	***	***	YES
3. KANEMATSU CORPORATION	***	***	YES
4. MARUBENI-ITOCHU STEEL INC.	***	***	YES
5. METAL ONE CORPORATION	***	***	YES
6. MITSUI & CO., LTD.	***	***	YES
7. SUMITOMO CORPORATION	***	***	YES
8. TOYOTA TSUSHO CORPORATION	***	***	YES
TOTAL EXPORTS- UNRELATED	***	***	
TOTAL EXPORTS TO INDIA	***	***	

62. The export sales of NSSMC through its unrelated/relating trading companies are on FOB basis. NSSMC has claimed adjustment on account of price adjustments, credit cost, rebate, early payment, inland freight, packing storage and handling and the same have been allowed provisionally. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for NSSMC at ex-factory level for HR Coils and for HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for non-cooperating producers and exporters from Japan

63. The Authority notes that no other producer/exporter from Japan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Japan, the Authority has determined the provisional weighted average export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for China PR

M/s. Angang Steel Company Limited, China PR(Producer) through related company M/s. Angang Group Hong Kong Co., Ltd., Hong Kong (Exporter/Trader).

64. From the information submitted by M/s. Angang Steel Company Limited ("Angang"), the authority notes that Angang has exported the subject goods to India through related exporter/trader, namely, M/s. Angang Group

Hong Kong Co., Ltd. ("Angang HK"). The exports through related company constitutes about ***% of exports to India. Other traders, namely, M/s. Ace Ship Recycling Pte Ltd., M/s. Benteler Trading International GmbH, M/s. SK Networks Co., Ltd., and M/s. Spark Alloys FZE have not submitted any response. However, it is also noted by the authority that the export to India made through non-cooperative unrelated parties are insignificant in terms of total exports to India. Angang has exported *** MT the subject goods of invoice value RMB *** during the POI. The sales to Indian customers are on CFR basis. The producer/exporter has claimed adjustments on account of inland freight, port handling charges/customs fee, ocean freight and commission and the same have been allowed. The authority has made further adjustment on account of non-refundable VAT provisionally. Accordingly, the provisional weighted average export price determined for Angang at ex-factory level for HR Coils and for HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

M/s. Zhangjiagang GTA Plate Co., Ltd.(GTA), China PR, M/s. Zhangjiagang Hongchang Plate Co., Ltd., (Hongchang), China PR, M/s. Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co., Ltd., (Shajing), China PR, (Producer/Manufacturer) along with it affiliated/non-affiliated trading companies, namely, M/s. Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., (Shagang International), China PR, M/s. Shagang International (Singapore) PTE LTD (Shagang Singapore), Singapore, M/s. Xinsha International PTE Ltd., (Xinsha), Singapore, M/s. Burwill Resources Limited, BVI, M/s. Future Materials Industry (Hong Kong) Co., Ltd., Hongkong, M/s. Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., Hong Kong, M/s. Ningbo Cimei Import & Export Co., Ltd., China PR, M/s. Steelco Pacific Trading Limited, Hong Kong, M/s. GS Global Corp., Korea RP (Exporters/Traders).

65. M/s. Zhangjiagang GTA Plate Co. Ltd. (GTA), M/s. Zhangjiagang Hongchang Plate Co., Ltd., (Hongchang) and M/s. Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co., Ltd. (Shajing), are related companies and producers of the subject goods. These producers have sold the subject goods to their related company M/s. Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., (Shagang International). Shagang International has further resold the subject goods to M/s. Shagang International (Singapore) Pte Ltd., (Shagang Singapore) and M/s. Xinsha International Pte Ltd., (Xinsha). Shagang Singapore and Xinsha have resold the subject goods to M/s. Burwill Resources Limited, M/s. Ningbo Cimei Import and Export Co., Ltd., M/s. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd., M/s. Lu Qin (Hong Kong) Company Ltd., M/s. Steelco Pacific Trading Ltd., M/s. GS Global Corp, M/s. B&L Metal (HK) Limited, M/s. C.G.S. (Hong Kong) Company Limited and M/s. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co., Ltd., who in turn have exported the subject goods to India.
66. Out of the above mentioned companies, M/s. B&L Metal (HK) Limited, M/s. C.G.S. (Hong Kong) Company Limited and M/s. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co., Ltd., have not filed their questionnaire responses with the authority. However, it is also noted by the authority that export to India made through non-cooperative unrelated traders are very insignificant in terms of total exports to India. The authority has considered only those export quantities for which questionnaire responses have been filed for determination of the provisional export price.
67. The sales to Indian customers are on FOB and CFR basis. The authority notes that whereas other producers have claimed adjustments from export price, no adjustments have been claimed by producers for Zhangjiagang group. Therefore, the authority has made provisional adjustments from export price on the basis of information provided by other cooperating exporters from China PR. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for the cooperating producers for Zhangjiagang group at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

M/s. Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co., Ltd ("WYNH"), China PR and M/s. Wuyang Iron and Steel Co., Ltd. ("WYIS"), China PR through Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd., Hong Kong and Hebei Iron & Steel (Singapore) PTE. Ltd., Singapore, Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany and Burwill Resources Limited, BVI.

68. WYNH is a producer of HR not in Coils in China PR. WYNH sold HR not in Coils to its related company WYIS in China PR. WYIS exported these goods along with its own manufactured HR not Coils to India through its related companies Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co., Ltd and Hebei Iron & Steel (Singapore) Pte. Ltd and also through unrelated traders, namely, Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany and Burwill Resources Limited, British Virgin Island. The sales to Indian customers are on FOB/CIF basis. WYNH and WYIS have exported *** MT of HR not in Coils to India during the POI. WYNH and WYIS have claimed adjustments on account of inland freight, port handling charges/customs fee, ocean freight, insurance and bank charges and same have been allowed provisionally. The authority has made further adjustment on account of non-refundable VAT provisionally. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for WYNH and WYIS at ex-factory level for HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

M/s. Nanjing Iron and Steel Co. Ltd ("NISCO") through M/s. Nanjing Iron and Steel Group International Trade Co. Ltd and Singapore Jinteng International Pte. Ltd.

69. From the information submitted by M/s. Nanjing Iron and Steel Co. Ltd (“NISCO”), the authority notes that NISCO has exported the subject goods to India through related exporter/trader, namely, M/s. Nanjing Iron and Steel Group International Trade Co. Ltd and Singapore Jinteng International Pte. Ltd. The traders have exported major quantity through other traders namely Hyundai Corporation, Precious Metal International (HK) Co., Ltd and Hong Kong Baomin Trading Limited. Hyundai Corporation has not reported these exports in its response and Precious Metal International (HK) Co., Ltd and Hong Kong Baomin Trading Limited have not cooperated in with the authority. Therefore, the authority does not accept the response filed by NISCO for the purpose of provisional findings and is unable to determine the export price. Accordingly, the export price for NISCO is based on the facts available with the authority.

Export Price for non-cooperating producers and exporters from China PR

70. The Authority notes that no other producer/exporter from China PR has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in China PR, the Authority has determined the provisional weighted average export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for Indonesia

M/s. PT Krakatau POSCO, Indonesia

71. The Authority notes that M/s. PT Krakatau POSCO, Indonesia has filed the exporter’s questionnaire response. It has been stated by M/s. PT Krakatau POSCO that they have exported the subject goods to India through various trading companies. However, some of these trading companies named by M/s. PT Krakatau POSCO have not reported the exports of the subject goods to India in their response which are manufactured by M/s. PT Krakatau POSCO. Due to this suppression of vital information by the traders, the Authority does not accept the response of M/s. PT Krakatau POSCO and determines the export price for the company on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for other producers and exporters in Indonesia

72. The Authority notes that no other producer/exporter from Indonesia has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Indonesia, the Authority has determined the provisional weighted average export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for producers and exporters in Russia

73. The Authority notes that no producer/exporter from Russia has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Russia, the Authority has determined the provisional weighted average export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for producers and exporters in Brazil

74. The Authority notes that no producer/exporter from Brazil has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative produceRs./exporters in Brazil, the Authority has determined the provisional weighted average export price as for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

2) Dumping Margin

75. The export price to India (net of all the adjustments claimed by the exporters and accepted by the Authority) has been compared with the normal value to determine the dumping margin. The dumping margin during the POI for all the cooperating exporteRs./producers from the subject countries has been determined as shown in the Dumping Margin table below.

Dumping Margin Table

HR in Coils

Sl. No	Country	Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
1.	Korea RP	M/s. Hyundai Steel Company	1. M/s. Hyundai Steel Company, Korea RP 2. M/s. GS Global Corp., Korea RP	***	***	***	***	25-35

Sl. No	Country	Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
			3. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP 4. M/s. Main Steel Co. Ltd., Korea RP 5. M/s. P&A Corporation, Korea RP 6. Ohmi Industries Ltd., Japan					
2.	Korea RP	M/s. POSCO	1. M/s. POSCO, Korea RP 2. M/s. POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s. GS Global Corp, Korea RP 4. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s. Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s. POSCO Asia, Hong Kong 7. POSCO P&S, Korea RP	***	***	***	***	45-55
3.	Japan	JFE Steel Corporation	1. Honda Trading Corporation, Japan 2. JFE Shoji Trade Corporation, Japan 3. Metal One Corporation, Japan 4. Mitsui & Co. Ltd, 5. Ohmi Industries Ltd., Japan 6. Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore 7. Uttam Galva International FZE, UAE 8. Toyota Tshusho Corporation, Japan 9. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan	***	***	***	***	60-70
4.	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Hanwa Co., Ltd., Japan 2. Honda Trading Corporation, Japan 3. Kanematsu Corporation Ltd.,	***	***	***	***	50-60

Sl. No	Country	Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
			Japan 4. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 5. Metal One Corporation, Japan 6. Mitsui & Co. Ltd., Japan 7. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 8. Sumitomo Corporation, Japan 9. Toyota Tshusho Corporation, Japan 10. Ohmi Industries Ltd., Japan					
5.	China PR	M/s. Angang Steel Company Limited	M/s. Angang Group Hong Kong Co. Ltd., Hong Kong	***	***	***	***	50-60
6.	China PR	1. M/s. Zhangjia gang GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s. Zhangjia gang Hongchang Plate Co., Ltd., 3. M/s. Zhangjia gang Shajing Heavy Plate Co., Ltd.,	1. M/s. Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., China PR 2. M/s. Shagang International (Singapore) Pte LTD., Singapore 3. M/s. Xinsha International PTE Ltd., Singapore, 4. M/s. Burwill Resources Limited, BVI 5. M/s. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd., Hong Kong 6. M/s. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd., Hong Kong 7. M/s. Ningbo Cimei Import & Export Co. Ltd., China PR 8. M/s. Steelco Pacific Trading Limited, Hong Kong 9. M/S. GS Global Corp., Korea RP	***	***	***	***	70-80

HR not in Coils

Sl. No	Country	Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
1.	Korea RP	M/s. Hyundai Steel Company	1. M/s. GS Global Corp., Korea RP 2. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP	***	***	***	***	150-160
2.	Korea RP	M/s. POSCO	1. M/s. POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 2. M/s. GS Global Corp, Korea RP 3. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP 4. M/s. POSCO Asia, Hong Kong 5. POSCO P&S, Korea RP	***	***	***	***	30-40
3.	Japan	JFE Steel Corporation	1. JFE Shoji Trade Corporation, Japan 2. Metal One Corporation, Japan 3. Mitsui & Co. Ltd., Japan 4. Ohmi Industries, Ltd., Japan 5. Toyota Tshusho Corporation, Japan 6. Shinsho Corporation, Japan 7. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 8. Kyusho Co. Ltd., Japan	***	***	***	***	35-45
4.	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Hanwa Co. Ltd., Japan 2. Mitsui & Co. Ltd., Japan 3. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 4. Sumitomo Corporation,	***	***	***	***	(25-35)

Sl. No	Country	Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
			Japan 5. Ohmi Industries Ltd., Japan					
5.	China PR	M/s. Angang Steel Company Limited	M/s. Angang Group Hong Kong Co. Ltd., Hong Kong	***	***	***	***	70-80
6.	China PR	1. M/s. Zhangjiagan g GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s. Zhangjiagan g Hongchang Plate Co., Ltd., 3. M/s. Zhangjiagan g Shajing Heavy Plate Co., Ltd.,	1. M/s. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd., China PR 2. M/s. Shagang International (Singapore) Pte Ltd., Singapore	***	***	***	***	95-105
7.	China PR	1. M/s. Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co. Ltd 2. M/s. Wuyang Iron and Steel Co. Ltd.	1. M/s. Wuyang Iron and Steel Co. Ltd., China PR 2. Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd., Hong Kong 3. Hebei Iron & Steel (Singapore) PTE. Ltd., Singapore 4. Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany 5. Burwill Resources Limited, BVI	***	***	***	***	70-80

Dumping Margin for other producers and exporters from the subject countries

76. The Normal Value and export price to India in respect of other producers and exporters in the subject countries has been determined on the basis of best information available. The information provided by the responding exporters has been adopted for the purpose. The dumping margin so worked out is mentioned in the table below.

HR in Coils (in US\$/MT)	Japan	Korea	Russia	Brazil	China	Indonesia
Normal Value	***	***	***	***	***	***

Net Export Price	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin %	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin % Range	80-90	45-55	30-40	40-50	70-80	80-90

HR not in Coils (US\$/MT)	Japan	Korea	Russia	China	Indonesia	Brazil
Normal Value	***	***	***	***	***	***
Net Export Price	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin %	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin % Range	55-65	155-165	80-90	95-105	110-120	20-30

77. It is seen that the dumping margins are quite significant and more than the limits prescribed under the Rules in respect of exports made by all the producers-exporters of the product under consideration from subject countries.

F. INJURY

Submissions made by importers, exporters, users and user associations

78. The submissions made by the opposing interested parties with regard to injury related issues and considered relevant by the authority are as follows:

- a. Prices of raw materials and consumables have fallen globally, leading to fall in prices of steel. The domestic and global prices of major raw material including Iron Ore, Coking Coal and Lubricants etc. declined by 30% to 60% in 2014-15 resulting in reduction in prices of HR Coils by 30% to 35%. On the other hand Indian steel industry while earning windfall profits in the upturn must develop competitiveness to face global competition in the recessionary conditions. Therefore, there is no reason why profitability of the domestic industry should fall.
- b. Only the additional demand has been fulfilled by imports and increased imports should be seen in light of total demand existing in the country.
- c. The flooding of Indian steel market by cheap imports from China PR is based on sustained media campaigns from the petitioners without verification of facts. All shipments from China PR and other countries are against order placed by the Indian industry and thus it is the Indian industry and not the foreign producers who determine the quantum of imports. Moreover, imports under duty free scheme for export production of value added products constitute bulk of the imports of HR Coils. As per JPC data, the imports were also essential to bridge the gap between the domestic production and consumption.
- d. As per DGCIS data, the consumption of the subject goods in India during the period 2012-2016 increased by 23% and the imports from Russia decreased in relation to the domestic consumption in India.
- e. The share of Russian imports in overall Indian consumption of the PUC did not increase from 2012-2013 to April-December 2015 while this was substantially lower in 2013-14 and 2014-15. Although the prices of Russian imports were the lowest among those of the countries concerned, the market share of Russian imports did not increase contrary to the other countries. NLMK submits that effect of imports from Russia be assessed separately from effects of imports from other countries.
- f. The production level of the DI has not fallen and there is only a slight increase in inventory. Moreover, the fair level of capacity utilization of 76% indicates that the situation is not as threatening as it is made out to be. Market share of 12% is not alarming in light of the fact that domestic production have not increased to cater to the higher demand.
- g. Low levels of capacity utilization of the domestic industry are caused by lack of raw material supply. Governmental ban on mining of iron-ore in 2013-2014 resulted in negative financial results of all steel making companies in India. Low capacity utilization has also been attributed to high costs of coal in India. The demand on coal remains higher than production.
- h. High raw material prices and unreasonable production costs have become key factors of disappointing financial results for the domestic industry. Indian producers had to import raw material and suspend production due to unreasonable production costs.

- i. The domestic industry experienced no injury in 2012-13, 2013-14 and 2014-15. The petitioners increased installed capacity, profitability, cash profits, ROCE while production volumes remained stable.
- j. The petition remains silent about the fact that during half of the POI, JSW Steel Ltd. closed both of its blast furnaces at Vijaynagar and Dolvi plants. According to marketing reports the enhanced facilities achieved the highest ever steel production in March, 2016. The negative effect of this factor on financials shall not be attributed to alleged dumped imports.
- k. The domestic steel producers are injured to their own financial imprudence and lack of R&D for cost reduction. They have made investment of billions of dollars in loss making foreign projects.
- l. Negative financial results of the Petitioners are due to high raw material prices in India and high cost of production. Indian producers import iron ore and coal which make their production costly than the production of companies abroad. Coking coal in India has high ash content which is not suitable for steel industry.
- m. Decreasing cash profit of the Petitioners is because of the huge financial investments in expanding capacities, interest and dividend payments, loan services etc.
- n. If the Petitioners were to keep their capacities at the level of 2012-13, the capacity utilization would have increased to nearly 92% in 2013-14 and 2014-15. Thus, wrong managerial decisions and negative impact shall not be attributed to imports.
- o. Injury to the Petitioners is not due to imports but due to factors like mismanagement or systemic cost problems of the steel industry in India which is isolated from global raw material prices. Marginal costs of Indian steel industry at the beginning of POI were about USD 400 whereas marginal costs of its closest competitor in China were about USD 319 and USD 330 in Europe.
- p. The export prices of the Petitioners were on average 10% lower of Indian imports price quotations. The Indian domestic industry quoted their export prices at level of USD 302 per MT which was 10% lower than the quotations of foreign producers importing to India, i.e., below the profitability threshold of the DI. This proves the self-inflicted character of alleged injury.
- q. The domestic steel producers are injured due to their own financial imprudence and lack of R&D for cost reduction. They have made investment of billions of dollars in loss making foreign projects.

Submissions made by the Domestic Industry

79. The following are the submissions with regard to injury related issues made by the domestic industry and considered relevant by the Authority:
- a. Imports of the subject goods have increased in absolute terms over the entire period of investigation. Imports of PUC from the subject countries have increased in absolute terms.
 - b. Imports of the subject goods have increased relative to production and also relative to consumption in India as well in absolute terms.
 - c. Market share of the Domestic Industry has decreased even though demand for the subject goods has been rising in India. This is due to the reason that imports have aggressively captured the increase in demand, while the market share of imports from subject countries sharply increased from 2012-13 to POI (A).
 - d. The Domestic Industry has not been able to increase its production and sales commensurate with the increase in demand.
 - e. Inventories of the Domestic Industry have been on the rise as the Domestic Industry has not been able to increase its sales despite increase in demand. Imports have been aggressively capturing the demand in India.
 - f. There is significant price depression and suppression due to low priced dumped imports coming into India.
 - g. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses.
 - h. The export performance of the Domestic Industry in no way has affected its financial and economic situation. Also, the petitioners have ignored the information related to exports while examining the injury parameters and entire injury analysis is based only on domestic performance of petitioners.
 - i. The analysis overwhelmingly indicates that the Domestic Industry is suffering material injury due to increasing dumped imports of PUC into India. There exists a strong nexus between the increase in dumped imports of the subject goods and the material injury being suffered by the Domestic Industry.

- j. At the time of placing orders with the domestic industry, the customers insist that the Domestic Industry must match the price with the offer given by the foreign producer during the same month, though the offer given by a foreign supplier would be delivered only after 2 months. Therefore, the proper comparison for price undercutting should be between the domestic sales realisation with two months lag. If the authority takes into account this time lag issue, price undercutting would be evident.
- k. Interested parties argue that prices of raw materials have declined and consequently there is a fall in prices of the subject goods. Interested parties further argue that the domestic prices of Petitioners are much higher than export prices. Petitioners submit that they have already decreased their prices in line with decrease in raw material prices. The contention of parties that there is a steep decline in raw material prices is incorrect as it does not take into account the cost of transporting the raw material to factory. Further, transportation cost also has consistently increased during the injury analysis period.
- l. It is also pertinent to note that during the recent periods, the landed value of imports of the subject goods have declined much more than the decline in raw material prices. Further, it should be noted that imports have come at grossly low prices and the domestic industry has been forced to match such low prices, to the extent that their prices have gone below the cost of production of the domestic industry.
- m. Interested parties are wrong in claiming that the domestic industry's export prices are lower than the domestic prices. It is important to note that international prices of steel products are already suppressed due to rampant dumping from the subject countries. The domestic industry's export prices are also suppressed. That does not mean that the domestic industry should also sell their products at suppressed prices in their domestic market as well.
- n. Interested parties have submitted that injury being suffered by the domestic industry is due to their own internal factors including wrong managerial decisions, high fixed cost burden, high freight cost, poor infrastructure, raw material crisis, underutilized capacities and inability to meet the quality requirements of specific downstream industry. These claims are very general and without any facts and figures to support. The fact that injury has been caused due to dumped imports of the subject goods in India has already been established above. The domestic industry has been in existence since many years and has been doing well in the past. Infrastructure and capacities are in place with the domestic industry to meet the demand of the subject goods.
- o. It is alleged that the domestic industry is facing losses due to internal managerial issues. If such internal issues actually existed, the domestic industry would not have done well in the past. Therefore, the allegation that the domestic industry is facing losses due to the internal problems is not correct. Moreover, the interested parties in their contentions are unable to substantiate the quality requirement which the domestic industry cannot produce.

Examination by the Authority

80. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below:
- a. With regard to the submissions of the interested parties that prices of raw materials have declined and consequently there is a fall in prices of the subject goods, the Authority notes that the domestic industry has already decreased its prices in line with decrease in raw material prices. However, there is increase in other expenses such as freight, labour and other conversion costs due to normal inflation.
 - b. The Authority further notes that landed value of imports of the subject goods from the subject countries has declined much more than the decline in raw material prices and the domestic industry has been forced to match such low prices causing material injury to domestic industry.
 - c. With regard to the export performance of the domestic industry, the authority notes that entire injury analysis is based only on the domestic performance of the petitioners.
 - d. The Authority has further analysed the contention by the interested parties that injury being suffered by the domestic industry is due to their own internal factors including wrong managerial decisions, high fixed cost burden, high freight cost and poor infrastructure, raw material crisis, underutilized capacities and inability to meet the quality requirements of specific downstream industry. These claims are very general and without any facts and figures to support. The fact that injury has been caused due to the dumped imports of the subject goods in India has already been established above. The domestic industry has been in existence since many years and has been doing well in the past. Infrastructure and capacities are in place with the domestic industry to meet the demand of the subject goods. Had these factors impacted the performance of domestic industry, the domestic industry should not be earning profits in previous years.

- e. With regard to the imports from Russia, the authority notes that imports from Russia are significant and at substantially lower prices.

Cumulative Assessment

81. Article 3.3 of WTO agreement and Annexure II para (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
- The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article, and
 - Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
82. The Authority notes that:
- The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de minimis* limits prescribed under the Rules.
 - The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of the total volume of imports.
 - Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.
83. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.
84. Rule 11 of AD Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the AD Rules.

Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry

Assessment of Demand

85. The demand of the subject goods has been determined by adding domestic sales of Indian producers of like product with imports of the subject goods from all the countries. For the purpose of present injury analysis, the Authority has relied upon the import data procured from DGCI&S. With regard to undumped exports from Japan for HR not in Coil for the purpose of the preliminary findings, the Authority has presumed the imports for the injury period as reported during the POI by concerned exporter due to the reason that the information was not provided to the Authority in time. The Authority notes that demand of the subject goods increased significantly over the injury period as can be shown in the table below:

HR in Coils (in MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
Total dumped import from subject countries	18,76,896	11,82,360	22,79,828	43,67,580	24,27,262	48,54,525
Imports from other countries	5,75,369	3,46,219	1,24,579	1,17,564	41,756	83,512
Total imports	24,52,264	15,28,579	24,04,406	44,85,144	24,69,018	49,38,037

Domestic sales of petitioners	9,345,783	10,469,749	10,043,199	10,040,607	4,885,294	9,770,588
Domestic sales of supporters	1,926,675	2,854,835	2,638,128	2,924,609	1,576,764	3,153,528
Domestic sale of other producers	1,955,688	2,666,434	3,006,298	2,725,762	1,344,569	2,689,138
Total Demand	1,56,80,410	1,75,19,598	1,80,92,031	2,01,76,124	1,02,75,645	2,05,51,291

HR not in Coils (in MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
Dumped import from subject countries	746,486	372,308	1,002,723	1,051,529	459,117	918,234
Un-dumped imports from Japan	10,870	10,870	10,870	10,870	5,435	10,870
Imports from other countries	5,97,034	3,31,776	3,15,552	2,29,347	80,093	1,60,187
Total Imports	13,54,390	7,14,953	13,29,145	12,91,746	5,44,646	10,89,291
Domestic sales of petitioners	3,341,216	3,332,848	3,405,997	3,428,266	1,754,675	3,509,349
Domestic sales of supporters	642,714	730,736	620,007	887,920	440,593	881,187
Domestic sale of other producers	395,665	1,339,546	664,952	399,678	201,636	403,271
Total Demand in India	57,33,984	61,18,084	60,20,101	60,07,609	29,41,549	58,83,098

Import Volumes and Share of the Subject Countries

86. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

The volume of dumped imports of the subject goods from the subject countries has been analyzed as under:

HR in Coils (in MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 15 to Dec 15	POI
China PR	3,95,746	3,59,083	8,10,181	7,95,578	6,33,442
Japan	6,38,455	4,84,823	8,02,928	10,28,689	7,41,612
Korea RP	5,11,073	2,51,491	4,43,687	8,99,682	6,37,028
Russia	2,39,310	47,933	1,41,505	2,94,100	2,55,015
Brazil	92,311	39,030	81,527	1,60,166	1,60,166
Indonesia	-	-	-	97	-
Others	5,75,369	3,46,219	1,24,579	88,173	41,756
Total	24,52,264	15,28,579	24,04,406	32,66,486	24,69,018

HR not in Coils in MT	2012-13	2013-14	2014-15	April 15 to Dec 15	POI
China PR	3,84,527	1,19,879	6,96,199	3,01,940	1,97,757
Japan- Dumped	138,685	118,012	111,980	121,795	38,734
Japan- Undumped	10,870	10,870	10,870	8,153	5,435
Korea RP	1,63,635	1,07,972	1,54,776	1,82,057	1,23,478
Russia	38,111	26,328	26,273	2,327	2,076

Brazil	21,526	28	0	-	-
Indonesia	3	89	13,494	1,80,527	97,072
Others	5,97,034	3,31,776	3,15,552	1,72,010	80,093
Total	13,54,390	7,14,953	13,29,145	9,68,810	5,44,646

HR in Coils (in MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Dumped import from subject countries	18,76,896	11,82,360	22,79,828	43,67,580	24,27,262	48,54,525
Trend	100	63	121	233	129	259
Imports from other countries	5,75,369	3,46,219	1,24,579	1,17,564	41,756	83,512
Trend	100	60	22	20	7	15
Total Imports	24,52,264	15,28,579	24,04,406	44,85,144	24,69,018	49,38,037
Trend	100	62	98	183	101	201
Total Demand	1,56,80,410	1,75,19,598	1,80,92,031	2,01,76,124	1,02,75,645	2,05,51,291
Dumped imports from Subject Countries relative to consumption	12.0%	6.7%	12.6%	21.6%	23.6%	23.6%
Production of Petitioners	17,060,206	17,834,156	17,779,313	16,119,418	7,673,642	15,347,285
Dumped imports from Subject Countries relative to petitioners' total production	11.0%	6.6%	12.8%	27.1%	31.6%	31.6%

87. The authority notes as under from the above table:

- Dumped imports of HR in Coils from the subject countries have increased in absolute terms from 18,76,896 MT in 2012-13 to 4,854,525 MT in POI (A).
- Dumped imports of HR in Coils from the subject countries have increased in relation to petitioners' production from 11.0% in 2012-13 to 31.6 % in POI (A).
- Dumped imports of HR in Coils from the subject countries have increased in relation to consumption in India from 12.0% in 2012-13 to 23.6% in POI (A).

HR not in Coils in MT	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Dumped Import from subject countries	746,486	372,308	1,002,723	1,051,529	459,117	918,234
Trend	100	50	134	141	62	123
Un-dumped Import from Japan	10,870	10,870	10,870	10,870	5,435	10,870
Imports from other countries	5,97,034	3,31,776	3,15,552	2,29,347	80,093	1,60,187
Trend	100	56	53	38	13	27
Total Imports	13,54,390	7,14,953	13,29,145	12,91,746	5,44,646	10,89,291
Trend	100	53	98	95	40	80

HR not in Coils in MT	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Total Demand in India	57,33,984	61,18,084	60,20,101	60,07,609	29,41,549	58,83,098
Dumped imports from Subject Countries relative to consumption	13.0%	6.1%	16.7%	17.5%	15.6%	15.6%
Production of Petitioners	3,935,165	3,732,064	4,061,878	3,957,121	1,949,295	3,898,589
Dumped imports from Subject Countries relative to petitioners' total production	19.0%	10.0%	24.7%	26.6%	23.6%	23.6%

88. The Authority notes as under from the above table:

- The dumped imports of HR not in Coils from the subject countries have increased in absolute terms from 746,486 MT in 2012-13 to 918,234 MT in POI (A).
- The imports of HR not in Coils from the subject countries have increased in relation to petitioners' production from 19.0% in 2012-13 to 23.6% in POI (A).
- Imports of HR not in Coils from the subject countries have increased in relation consumption in India from 13.0% in 2012-13 to 15.6% in POI (A).

89. It is, thus, concluded that imports of the PUC from the subject countries have increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India.

Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry

90. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

91. It has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports of the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

Price Undercutting

92. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level. The domestic prices and margin of undercutting is shown as per the table below:

HR in Coils (INR/MT)	Japan	Korea	Russia	Brazil	China	Subject Countries
Landed Value	***	***	***	***	***	***
Domestic Selling Price	***	***	***	***	***	***
Price undercutting	(***)	(***)	(***)	***	(***)	(***)
Price undercutting as % of Landed Value	(***)	(***)	(***)	***	(***)	(***)

Price Undercutting Range%	(5)-5	(5)-5	(5)-5	(5)-5	(5)-5	(5)-5
---------------------------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

HR not in Coils (INR/MT)	Japan	Korea	Russia	China	Indonesia	Subject Countries
Landed Value	***	***	***	***	***	***
Domestic Selling Price	***	***	***	***	***	***
Price undercutting	(***)	(***)	***	(***)	***	(***)
Price undercutting as % of Landed Value	(***)	(***)	***	(***)	***	(***)
Price Undercutting Range%	(20)-(10)	(5)-5	10-20	(10)-(5)	5-10	(10)-0

93. The authority notes that the price undercutting is negative for some of the subject countries but is also of the opinion that for a proper examination, price undercutting should be examined in conjunction with price depression and price suppression and that price undercutting should not be examined in isolation in a situation where the Domestic Industry has been constantly forced to reduce its prices to match with the landed value of imports. If the Domestic Industry does not respond to imports by bringing down its prices, it will lose more customers and the injury would be more severe.

Price Underselling

94. The Authority has also examined the price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports. Comparison of weighted average NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

HR in Coils	UOM	Japan	Korea	Russia	Brazil	China
Weighted average-Non injurious price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Price Underselling	Rs./MT	***	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***	***
Price Underselling	% Range	10-20	10-20	10-20	10-20	10-20

HR not in Coils	UOM	Japan	Korea	Russia	China	Indonesia
Weighted average-Non injurious price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Price Underselling	Rs./MT	***	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***	***
Price Underselling	% Range	10-20	25-35	45-55	20-30	40-50

95. It is seen that the landed price of the subject goods from the subject countries were significantly lower than the NIP determined for the domestic industry.

Price Suppression/Depression

96. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown in the table below:

HR in Coils (Rs. per MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015	POI (July 2015- Dec 15)
Cost to make and sell	***	***	***	***	***
Trend	100	100	97	92	91
Domestic Selling Price	***	***	***	***	***
Trend	100	102	101	81	79
Landed Value	***	***	***	***	***
Trend	100	105	97	71	100

HR not in Coils (Rs. Per MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015	POI (Jul 2015- Dec 15)
Cost to make and sell	***	***	***	***	***
Trend	100	99	95	98	101
Domestic Selling Price	***	***	***	***	***
Trend	100	99	101	78	75
Landed Value	***	***	***	***	***
Trend	100	108	108	78	69

97. It is noted that the domestic selling prices of domestic industry have reduced significantly to match the landed value of dumped imports. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry in the market.

Economic parameters of the domestic industry

98. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of the performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Production, Capacity Utilization and Sales

99. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization was as follows:

HR in Coils (MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Installed Capacity	21,683,726	23,569,000	23,569,000	23,569,000	11,784,500	23,569,000
Total Production	17,060,206	17,834,156	17,779,313	16,119,419	7,673,642	15,347,285
Capacity Utilisation	78.68%	75.67%	75.44%	68.39%	65.12%	65.12%
Domestic Sales	9,345,783	10,469,749	10,043,199	10,040,608	4,885,294	9,770,588

HR not in Coils (MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Installed Capacity	5,747,200	5,776,600	5,923,267	6,216,600	3,108,300	6,216,600
Total Production	3,935,165	3,732,064	4,061,878	3,957,121	1,949,295	3,898,589
Capacity Utilisation	68.47%	64.61%	68.57%	63.65%	62.71%	62.71%

Domestic Sales	3,341,216	3,332,848	3,405,997	3,428,266	1,754,675	3,509,349
----------------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------	-----------

100. The following can be observed from the above tables:

- The production of domestic industry for HR in Coils has reduced significantly from 17,060,206 MT during 2012-13 to 15,347,285 MT during the POI (A). In the case of HR not in coils, the production has fallen from 3,935,165 MT in 2012-13 to 3,898,589 MT during the POI (A).
- Capacity utilization of the domestic industry has shown a considerable decline for HR in Coils. The domestic industry has been able to achieve a best capacity utilization of 78.68% during 2012-13. However, this came down to 65.12% during the POI because of the significant increase in dumped imports from the subject countries.
- Similar trend can be seen for capacity utilization of the domestic industry for HR not in Coils. The domestic industry has been able to achieve a best capacity utilization of 68.74% during 2014-15. However, this came down to 62.71% during the POI. The balance 37% of the capacity remains unutilized. With such high unutilized capacities, the domestic industry is getting into severe financial crunch.

Profits, profitability, return on investment and cash profits

HR in Coils	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Profit (Rs. Lakhs)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	226	280	(317)	(189)	(377)
Profit (Rs./MT)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	202	261	(295)	(361)	(361)
Cash Profits (Rs. Lakhs)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	169	188	(85)	(57)	(114)
Cash Profit (Rs./MT)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	151	175	(79)	(109)	(109)
ROCE %	***	***	***	***	(***)	(***)
Trend	100	154	158	6	(5)	(5)

HR not in Coils	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	PO I(A)
Profit (Rs. Lakhs)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	122	626	(1,715)	(1,139)	(2,277)
Profit (Rs./MT)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	122	614	(1,671)	(2,168)	(2,168)
Cash Profits (Rs. Lakhs)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	106	242	(413)	(284)	(569)
Cash Profit (Rs./MT)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	106	238	(402)	(542)	(542)
ROCE %	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	111	178	(140)	(218)	(218)

101. The authority notes the following from the above tables:

- The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected due to rampant dumping of subject goods from subject countries. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses.

- b. It can be seen from the above tables that domestic industry was earning decent returns till 2014-15. However, due to severe dumping from subject countries during POI, domestic industry has not been able to recover its cost of sales leave aside earning a reasonable return on capital employed. If the same trend continues, it will be extremely difficult for the domestic industry to raise any investments. Moreover, if the dumping intensifies further, the negative cash flows will increase further and the domestic industry will not be in a position to service its debts.

Market Share

102. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below:

HR in Coils	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
Demand (MT)	1,56,80,410	1,75,19,598	1,80,92,031	2,01,76,124	1,02,75,645	2,05,51,291
Indexed	100	112	115	129	66	131
Market Share						
Share of Petitioners	59.6%	59.8%	55.5%	49.8%	47.5%	47.5%
Share of Supporters	12.3%	16.3%	14.6%	14.5%	15.3%	15.3%
Share of Other Producers	12.5%	15.2%	16.6%	13.5%	13.1%	13.1%
Share of Subject countries	12.0%	6.7%	12.6%	21.6%	23.6%	23.6%
Share of Other countries	3.7%	2.0%	0.7%	0.6%	0.4%	0.4%

HR not in Coils	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
Demand (MT)	57,33,984	61,18,084	60,20,101	60,07,609	29,41,549	58,83,098
Indexed	100	107	105	105	51	103
Market Share						
Share of Petitioner	58.3%	54.5%	56.6%	57.1%	59.7%	59.7%
Share of Supporters	11.2%	11.9%	10.3%	14.8%	15.0%	15.0%
Share of Other Producers	6.9%	21.9%	11.0%	6.7%	6.9%	6.9%
Share of dumped imports from Subject countries	13.0%	6.1%	16.7%	17.5%	15.6%	15.6%
Share of un-dumped imports from Subject countries	0.2%	0.2%	0.2%	0.2%	0.2%	0.2%
Share of Other countries	10.4%	5.4%	5.2%	3.8%	2.7%	2.7%

103. The petitioners have not been able to increase the sales of the PUC commensurate with the increase in demand because of the significant volume of dumped imports coming from the subject countries.
104. It is seen from the above table that market share of the Domestic Industry has decreased for HR in Coils even though demand for the subject goods has been rising in India. Further, the authority notes that market share of the imports from the subject countries have increased over the injury period. This is due to the reason that imports have aggressively captured the increase in demand.

Inventories

HR in Coils	2012-13	2013-14	2014-15	POI (Jul 2015- Dec 15)
Inventory (MT)	335,429	324,250	356,486	426,491
Trend (Indexed)	100	97	106	127

HR in not Coils	2012-13	2013-14	2014-15	POI (Jul 2015- Dec 15)
Inventory (MT)	100,878	195,205	113,044	135,397
Trend (Indexed)	100	194	112	134

105. The authority notes that the Domestic Industry is facing significant accumulated inventories. The levels of inventories have been increasing as compared to the base year. Due to increasing imports, the market share of the Domestic Industry has come down and the increased demand has been significantly captured by imports. As a result, the Domestic Industry is unable to increase its production and sales which is leading to a situation of inventory accumulation over the injury period.

Growth

HR in Coils	Unit	2013-14	2014-15	April 15 to Dec 15 (A)	POI(A)
Production	%	4.5	(0.3)	(9.3)	(4.7)
Cost of Production	%	0	(3)	(5)	(1)
Selling Price	%	2	0	(20)	(1)
Profit/ Loss per unit	%	102	59	(213)	(22)
Return on Capital Employed	%	3.88	0.28	(10.9)	(0.7)

HR not in Coils	Unit	2013-14	2014-15	April 15 to Dec 15 (A)	POI(A)
Production	%	(5)	8.8	(2.5)	(1.5)
Cost of Production	%	(1)	(4)	2	3
Selling Price	%	(1)	2	(23)	(3)
Profit/ Loss per unit	%	22	401	(372)	(30)
Return on Capital Employed	%	0.6	3.8	(18)	(4.4)

106. The Authority notes that growth of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity utilization, profits, return on investment, cash profits has been negative.

Ability to raise capital investments

107. The Authority notes that given the rising demand of the product in the country, the domestic industry has made investments in plant and machinery. However, despite these investments, the performance of the domestic industry has deteriorated considerably and further investment may get adversely affected.

Level of dumping & dumping margin

108. It is noted that the imports from the subject countries are entering the Indian market at dumped prices and that the margins of dumping are significant.

Factors Affecting Domestic Prices

109. The examination of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc. shows that the landed value of the imported material from the subject countries is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price under selling in the Indian market. Thus, the factor affecting the domestic prices is landed value of the subject goods from the subject countries.

Conclusion on injury

110. It is thus seen that there has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries in absolute terms. The imports have increased significantly in relation to consumption and production of the product in India. Imports have thus increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India. Dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price suppression and depression. Effect of dumped imports has been to reduce the domestic prices of the subject goods. Low priced dumped imports have forced the domestic industry to fetch a market price which could not even cover its cost. The domestic industry is suffering significant price underselling. There exists significant price depression and suppression due to low priced dumped imports coming in India. The dumping margin determined by the Authority is quite significant. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that dumped imports from the subject countries have adversely impacted the performance of the domestic industry in respect of production, domestic sales, capacity utilization, inventories, market share, profits, cash profits and return on investment. Inventories with the domestic industry increased. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses. Thus, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury.

Causal Link

111. The Authority has examined whether other factors listed under the Anti-dumping Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry has been done as follows:

Imports from third countries

112. The imports from the countries other than the subject countries are not significant in volume terms so as to cause or threaten to cause injury to the domestic industry. Moreover, the price at which goods are coming from the other countries is much higher than the price at which goods are coming from the subject countries.

Contraction in demand

113. The demand for the subject goods has shown an increasing trend. Accordingly, fall in demand cannot be the reason for injury to the domestic industry. In fact, the domestic industry has not been able to increase its sale and market share commensurate to increase in demand.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

114. The Authority notes that there is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

Developments in technology

115. The technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor causing injury to the domestic injury.

Changes in pattern of consumption

116. The domestic industry is producing the type of goods that have been imported into India. Possible changes in the pattern of consumption are not a factor that could have caused claimed injury to the domestic industry.

Export performance

117. Claimed injury to the domestic industry is not on account of possible significant deterioration in export performance of the domestic industry. In fact, the exports by the domestic industry have not materially declined. In any case, the domestic industry has considered domestic performance wherever possible.

Performance of the domestic industry with respect to other products

118. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

Productivity of the domestic industry

119. The Authority notes that the deterioration in productivity has not caused injury to the domestic industry.

Factors establishing causal link

120. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject countries. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- Imports of the subject goods have increased in absolute terms over the entire period of investigation. Imports of the PUC from the subject countries have increased in absolute terms.
- Imports of the subject goods have increased relative to production and consumption in India.
- Market share of the Domestic Industry has decreased even though demand for the subject goods has been rising in India. This is due to the reason that imports have aggressively captured the increase in demand.
- The Domestic Industry has not been able to increase its production and sales commensurate with the increase in demand.
- Inventories of the Domestic Industry have been on the rise, as the Domestic Industry has not been able to increase its sales despite increase in demand. Imports have been aggressively capturing the demand in India.
- There is significant price suppression and depression due to low priced dumped imports coming in to India.
- The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses.

121. The above analysis indicates that the Domestic Industry is suffering material injury due to increasing dumped imports of PUC into India. There exists a strong nexus between the increase in dumped imports of the subject goods and the material injury being suffered by the Domestic Industry.

Conclusion on Injury and Causation

122. From the above examination of injury and causal link, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumping of the subject goods from the subject countries. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries in absolute terms throughout the injury period and in relation to production and consumption in India. The dumped imports have had significant adverse effect on the prices of the domestic industry in the market. The dumping margin for the subject countries has been determined and is considered significant. Dumped imports from the subject countries have adversely impacted production, sales and capacity utilization. Market share of the domestic industry has significantly declined whereas that of subject imports has significantly increased. Performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profits, cash profits and return on investments. Inventories have increased. The Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumped imports from the subject countries.

123. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry and compared with the landed values of the subject imports of the responding exporters to determine the injury margin. The injury margin so determined has been considered for determination of weighted average injury margin. The injury margins have been determined as follows:

Injury Margin**HR in Coils**

Sl. No.	Country	Producer	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin %	Injury Margin Range %
1.	Korea RP	M/s. Hyundai Steel Company	1. M/s. Hyundai Steel Company, Korea RP 2. M/s. GS Global Corp., Korea RP 3. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP 4. M/s. Main Steel Co. Ltd., Korea RP 5. M/s. P&A Corporation, Korea RP 6. Ohmi Industries Ltd., Japan	***	***	***	***	20-30

Sl. No.	Country	Producer	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin %	Injury Margin Range %
2.	Korea RP	M/s. POSCO	1. M/s. POSCO, Korea RP 2. M/s. POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s. GS Global Corp, Korea RP 4. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s. Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s. POSCO Asia, Hong Kong 7. POSCO P&S, Korea RP	***	***	***	***	20-30
3.	Japan	JFE Steel Corporation	1. Honda Trading Corporation, Japan 2. JFE Shoji Trade Corporation, Japan 3. Metal One Corporation, Japan 4. Mitsui & Co. Ltd, 5. Ohmi Industries Ltd., Japan 6. Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore 7. Uttam Galva International FZE, UAE 8. Toyota Tshusho Corporation, Japan 9. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan	***	***	***	***	50-60
4.	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Hanwa Co., Ltd., Japan 2. Honda Trading Corporation, Japan 3. Kanematsu Corporation Ltd., Japan 4. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 5. Metal One Corporation, Japan 6. Mitsui & Co. Ltd., Japan 7. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 8. Sumitomo Corporation, Japan 9. Toyota Tshusho Corporation, Japan 10. Ohmi Industries Ltd., Japan	***	***	***	***	15-25

Sl. No.	Country	Producer	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin %	Injury Margin Range %
5.	China PR	M/s. Angang Steel Company Limited	M/s. Angang Group Hong Kong Co. Ltd., Hong Kong	***	***	***	***	25-35
6.	China PR	1. M/s. Zhangjiagang GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s. Zhangjiagang Hongchang Plate Co., Ltd., 3. M/s. Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co., Ltd.,	1. M/s. Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., China PR 2. M/s. Shagang International (Singapore) Pte LTD., Singapore 3. M/s. Xinsha International PTE Ltd., Singapore, 4. M/s. Burwill Resources Limited, BVI 5. M/s. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd., Hong Kong 6. M/s. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd., Hong Kong 7. M/s. Ningbo Cimei Import & Export Co. Ltd., China PR 8. M/s. Steelco Pacific Trading Limited, Hong Kong 9. M/S. GS Global Corp., Korea RP	***	***	***	***	30-40

HR not in Coils

Sl. No	Country	Producer	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin %	Injury Margin Range %
1.	Korea RP	M/s. Hyundai Steel Company	1. M/s. GS Global Corp., Korea RP 2. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP	***	***	***	***	80-90
2.	Korea RP	M/s. POSCO	1. M/s. POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 2. M/s. GS Global Corp, Korea RP 3. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP 4. M/s. POSCO Asia, Hong Kong 5. POSCO P&S, Korea RP	***	***	***	***	20-30

Sl. No	Country	Producer	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin %	Injury Margin Range %
3.	Japan	JFE Steel Corporation	1. JFE Shoji Trade Corporation, Japan 2. Metal One Corporation, Japan 3. Mitsui & Co. Ltd., Japan 4. Ohmi Industries, Ltd., Japan 5. Toyota Tshusho Corporation, Japan 6. Shinsho Corporation, Japan 7. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 8. Kyusho Co. Ltd., Japan	***	***	***	***	0-10
4.	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Hanwa Co. Ltd., Japan 2. Mitsui & Co. Ltd., Japan 3. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 4. Sumitomo Corporation, Japan 5. Ohmi Industries Ltd., Japan	***	***	***	***	(40-50)
5.	China PR	M/s. Angang Steel Company Limited	M/s. Angang Group Hong Kong Co. Ltd., Hong Kong	***	***	***	***	50-60
6.	China PR	1. M/s. Zhangjiagang GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s. Zhangjiagang Hongchang Plate Co., Ltd., 3. M/s. Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co., Ltd.,	1. M/s. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd., China PR 2. M/s. Shagang International (Singapore) Pte Ltd., Singapore	***	***	***	***	50-60
7.	China PR	1. M/s. Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co. Ltd 2. M/s. Wuyang Iron and Steel Co. Ltd.	1. M/s. Wuyang Iron and Steel Co. Ltd., China PR 2. Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd., Hong Kong 3. Hebei Iron & Steel (Singapore) PTE. Ltd., Singapore 4. Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany	***	***	***	***	40-50

Sl. No	Country	Producer	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin %	Injury Margin Range %
			5. Burwill Resources Limited, BVI					

124. The level of dumping margins and injury margins as determined are considered significant.

Landed Value and Injury Margin for other producers and exporters from the subject countries

125. The landed value to India in respect of other producers and exporters in the subject countries has been determined on the basis of best available information. The information provided by the responding exporters has been adopted for the purpose. The injury margin so worked out is mentioned in the table below.

HR in Coils (US\$/MT)	Japan	Korea	Russia	Brazil	China	Indonesia
NIP	***	***	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***	***	***
Injury Margin	***	***	***	***	***	***
Injury Margin %	***	***	***	***	***	***
Injury Margin % Range	45-55	20-30	10-20	15-25	30-40	60-70

HR not in Coils (US\$/MT)	Japan	Korea	Russia	China	Indonesia	Brazil
NIP	***	***	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***	***	***
Injury Margin	***	***	***	***	***	***
Injury Margin %	***	***	***	***	***	***
Injury Margin % Range	10-20	80-90	50-60	50-60	40-50	5-15

G. Indian industry's interest & other issues

126. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

127. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these product. The domestic industry submitted that imposition of proposed duty shall have insignificant cost implications for the consumer. Therefore, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

H. Recommendations

128. After examining the submissions made and issues raised, and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below normal value.
- (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject countries.
- (c) The injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from the subject countries.

129. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the

aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-Dumping Rules and having established a positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury.

130. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, as the difference between the landed value of the subject goods and the amount indicated in Col 8 of the duty table appended below, provided the landed value is less than the value indicated in Col 8. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

Duty Tables

Sl. No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7208, 7211, 7225 and 7226	Hot-rolled flat products of alloy or non- alloy steel in coils of a width upto 2100mm and thickness upto 25mm	Korea RP	Korea RP	M/s. Hyundai Steel Company	1. M/s. Hyundai Steel Company, Korea RP 2. M/s. GS Global Corp., Korea RP 3. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP 4. M/s. Main Steel Co. Ltd., Korea RP 5. M/s. P&A Corporation, Korea RP 6. Ohmi Industries Ltd., Japan	474	MT	US\$
2.	- do -	- do -	Korea RP	Korea RP	M/s. POSCO	1. M/s. POSCO, Korea RP 2. M/s. POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s. GS Global Corp., Korea RP 4. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s. Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s. POSCO Asia, Hong Kong 7. POSCO P&S, Korea RP	474	MT	US\$
3.	- do -	- do -	Korea RP	Korea RP	Any combination other than S. No. 1 & 2		474	MT	US\$
4.	- do -	- do -	Korea RP	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	474	MT	US\$
5.	- do -	- do -	Any country other than	Korea RP	Any	Any	474	MT	US\$

			those subject to anti dumping duty						
6.	- do -	- do -	Japan	Japan	JFE Steel Corporation	1. Honda Trading Corporation, Japan 2. JFE Shoji Trade Corporation, Japan 3. Metal One Corporation, Japan 4. Mitsui & Co. Ltd, 5. Ohmi Industries Ltd., Japan 6. Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore 7. Uttam Galva International FZE, UAE 8. Toyota Tshusho Corporation, Japan 9. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan	474	MT	US\$
7.	- do -	- do -	Japan	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Hanwa Co., Ltd., Japan 2. Honda Trading Corporation, Japan 3. Kanematsu Corporation Ltd., Japan 4. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 5. Metal One Corporation, Japan 6. Mitsui & Co. Ltd., Japan 7. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 8. Sumitomo Corporation, Japan 9. Toyota Tshusho Corporation, Japan 10. Ohmi Industries Ltd., Japan	474	MT	US\$
8.	- do -	- do -	Japan	Japan	Any combination other than S. No. 6 & 7		474	MT	US\$
9.	- do -	- do -	Japan	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	474	MT	US\$
10.	- do -	- do -	Any country other	Japan	Any	Any	474	MT	US\$

			than those subject to anti dumping duty						
11.	- do -	- do -	China PR	China PR	M/s. Angang Steel Company Limited	M/s. Angang Group Hong Kong Co., Ltd	474	MT	US\$
12.	- do -	- do -	China PR	China PR	1. M/s. Zhangjiagang GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s. Zhangjiagang Hongchang Plate Co., Ltd., 3. M/s. Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co., Ltd.,	1. M/s. Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., China PR 2. M/s. Shagang International (Singapore) Pte LTD., Singapore 3. M/s. Xinsha International PTE Ltd., Singapore, 4. M/s. Burwill Resources Limited, BVI 5. M/s. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd., Hong Kong 6. M/s. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd., Hong Kong 7. M/s. Ningbo Cimei Import & Export Co. Ltd., China PR 8. M/s. Steelco Pacific Trading Limited, Hong Kong 9. M/S. GS Global Corp., Korea RP	474	MT	US\$
13.	- do -	- do -	China PR	China PR	Any combination other than S. No. 11 & 12		474	MT	US\$
14.	- do -	- do -	China PR	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	474	MT	US\$
15.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	China PR	Any	Any	474	MT	US\$
16.	- do -	- do -	Russia	Russia	Any	Any	474	MT	US\$
17.	- do -	- do -	Russia	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	474	MT	US\$
18.	- do -	- do -	Any	Russia	Any	Any	474	MT	US\$

			country other than those subject to anti dumping duty						
19.	- do -	- do -	Brazil	Brazil	Any	Any	474	MT	US\$
20.	- do -	- do -	Brazil	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	474	MT	US\$
21.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Brazil	Any	Any	474	MT	US\$
22.	- do -	- do -	Indonesia	Indonesia	Any	Any	474	MT	US\$
23.	- do -	- do -	Indonesia	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	474	MT	US\$
24.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Indonesia	Any	Any	474	MT	US\$

Sl. No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7208, 7211, 7225 and 7226	Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel not in coils (commonly known as sheets and plates) of a width upto 4950mm and thickness upto 150mm	Korea RP	Korea RP	M/s. Hyundai Steel Company	1. M/s. GS Global Corp., Korea RP 2. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP	557	MT	US\$
2.	- do -	- do -	Korea RP	Korea RP	M/s. POSCO	1. M/s. POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 2. M/s. GS Global Corp., Korea RP 3. M/s. Hyundai Corporation, Korea RP 4. M/s. POSCO Asia, Hong Kong 5. POSCO P&S,	557		US\$

						Korea RP			
3.	- do -	- do -	Korea RP	Korea RP	Any combination other than S. No. 1 & 2		557	MT	US\$
4.	- do -	- do -	Korea RP	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	557	MT	US\$
5.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Korea RP	Any	Any	557	MT	US\$
6.	- do -	- do -	Japan	Japan	JFE Steel Corporation	1. JFE Shoji Trade Corporation, Japan 2. Metal One Corporation, Japan 3. Mitsui & Co. Ltd., Japan 4. Ohmi Industries, Ltd., Japan 5. Toyota Tshusho Corporation, Japan 6. Shinsho Corporation, Japan 7. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 8. Kyusho Co. Ltd., Japan	557	MT	US\$
7.	- do -	- do -	Japan	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Hanwa Co. Ltd., Japan 2. Mitsui & Co. Ltd., Japan 3. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 4. Sumitomo Corporation, Japan 5. Ohmi Industries Ltd., Japan	NIL (Please Refer Note -1 below the Duty Table)	MT	US\$
8.					M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Hanwa Co. Ltd., Japan 2. Mitsui & Co. Ltd., Japan 3. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 4. Sumitomo Corporation, Japan 5. Ohmi Industries Ltd., Japan	557	MT	US\$
9.	- do -	- do -	Japan	Japan	Any combination other		557	MT	US\$

					than S. No. 6, 7 & 8				
10.	- do -	- do -	Japan	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	557	MT	US\$
11.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Japan	Any	Any	557	MT	US\$
12.	- do -	- do -	China PR	China PR	M/s. Angang Steel Company Limited	M/s. Angang Group Hong Kong Co. Ltd	557	MT	US\$
13.	- do -	- do -	China PR	China PR	1. M/s. Zhangjiag ang GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s. Zhangjiag ang Hongchan g Plate Co., Ltd., 3. M/s. Zhangjiag ang Shajing Heavy Plate Co., Ltd.	1. M/s. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd., China PR 2. M/s. Shagang International (Singapore) Pte Ltd., Singapore	557	MT	US\$
14.	- do -	- do -	China PR	China PR	1. M/s. Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co. Ltd 2. M/s. Wuyang Iron and Steel Co. Ltd	1. M/s. Wuyang Iron and Steel Co. Ltd., China PR 2. Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd., Hong Kong 3. Hebei Iron & Steel (Singapore) PTE. Ltd., Singapore 4. Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany 5. Burwill Resources Limited, BVI	557	MT	US\$
15.	- do -	- do -	China PR	China PR	Any combination other than S. No. 12 13 & 14		557	MT	US\$
16.			China PR	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	557	MT	US\$
17.			Any country	China PR	Any	Any	557	MT	US\$

			other than those subject to anti dumping duty						
18.	- do -	- do -	Russia	Russia	Any	Any	557	MT	US\$
19.	- do -	- do -	Russia	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	557	MT	US\$
20.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Russia	Any	Any	557	MT	US\$
21.	- do -	- do -	Brazil	Brazil	Any	Any	557	MT	US\$
22.	- do -	- do -	Brazil	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	557	MT	US\$
23.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Brazil	Any	Any	557	MT	US\$
24.	- do -	- do -	Indonesia	Indonesia	Any	Any	557	MT	US\$
25.	- do -	- do -	Indonesia	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	557	MT	US\$
26.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Indonesia	Any	Any	557	MT	US\$

Note-1: Only applicable for following quality/grades of sheets/plates:

- High Tensile Quality
- High Tensile Structural Steel (YS 350 Mpa & Above)
- Boiler/Pressure Vessel Quality

I. FURTHER PROCEDURE

131. The procedure as below would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- The Authority invites comments on these provisional findings from all the interested parties and the same, considered relevant by the Authority, would be considered in the final findings;

- b. Exporters, importers, the applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views known, within forty days from the date of the publication of these preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- d. The Authority would disclose the essential facts as per the Anti-dumping Rules before announcing the final findings.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority